Vol.22, Issue 11 | Annual Subscription ₹480

@NewsRotary

/RotaryNewsIndia

सितंबर 2023

रोटरी समाचार

भारत

www.rotarynewsonline.org

ADVT.

CREATE HOPE in the WORLD

Rotary

Yadhumanaval

A Project by Rotary Club of Virudhunagar Dist-3212

Jayanthasri Balakrishnan

" SHE PAVES A PATH FOR GIRL CHILDREN TO BECOME STRONGER VERSIONS OF THEMSELVES THROUGH HER MESMERIZING TALK. "

She is Everything

As the main speaker of this program, Dr. Jayanthasri Balakrishnan has touched the lives of more than 76,000 young minds through 55 sessions. She is determined to reach out and inspire many others to be the stronger versions of themselves, and to help all young girls realise their potential and understand that they can do anything they put their mind to. Girl students of various institutions are at the heart of the Yadhumanaval program - which aims to empower them across all areas. Notably, Project Yadhumanaval was featured as a cover story in the renowned Rotary News (April, 2023 edition)

Stronger Women build Stronger Nations.

-Zainab Salbi

As on June, 2023
No. of Occurrences
55
No. of Beneficiaries
76350

Do you wish to organize Yadhumanaval for the girl students of a school in your town/city/district? We are waiting to partner with you.

Get in touch
Yadhumanaval Project Chairman
Vijayakumari D. Rtn DVK
94887 66388

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

LEKHA ads/Sep 23/ Rotary-1

विषयसूची

12
रोटरी क्लब नीलगिरी ने एक आदर्श सरकारी स्कूल का निर्माण किया

22
युगांडा में शरणार्थी बच्चों के लिए भावनात्मक कल्याण सत्र

24
रोटरी क्लब बिलासपुर महिला कैदियों के उदास जीवन में खुशहाली लाता है

30
परोपकार की एक यात्रा

32
मुंबई में रोटरी डाक टिकटों के एक उत्साही संग्रहकर्ता

36
चेन्नई में मैमोग्राफी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

38
रोटरी भावना को नमन

42
मुंबई का एक रोटरेक्ट क्लब बड़े सपने देखता है

48
मानसिक बीमारी का इलाज करने के लिए एक परिष्कृत उपकरण

52
चेन्नई के एननेट्स की एवरेस्ट बेस कैंप यात्रा

54
पुणे में किसानों के लिए उपयोगी किट

64
प्रकृति की ओर से ख़तरनाक संदेश

70
रोटरी ने मिस्र में सर्वाइकल कैंसर से लड़ने के लिए 2 मिलियन डॉलर का अनुदान दिया

76
स्वास्थ्य: आपका पहला मौलिक अधिकार

उत्कृष्ट लेख

35 वर्षों तक रोटरी में रहने के बाद, मुझे कहना होगा कि जब से आपने संपादक का पद संभाला है, *रोटरी न्यूज़* पढ़ने का आनंद दोगुना हो गया है। पत्रिका की गुणवत्ता में अप्रत्याशित सुधार हुआ है। मैं हिंदी भाषी क्षेत्र से हूं और मुझे *रोटरी समाचार* पढ़ना ज्यादा पसंद है। पहले हिंदी में कुछ शब्दों का चयन अच्छा नहीं था लेकिन इन दिनों हिंदी संस्करण में काफी सुधार हुआ है। आपको और आपकी टीम को बधाई.

पत्रिका में रोटरी के साथ-साथ प्रेरणादायक, मानव-हित वाले लेखों की अच्छी कवरेज है। आपके कवरेज के कारण अन्य क्लबों द्वारा किए गए अच्छे सेवा कार्यों को पढ़कर हम प्रेरित होते हैं और बहुत कुछ सीखते हैं।

डॉ सुशील विशाल पोद्दार
रोटरी क्लब पटना सिटी सम्राट
मंडल 3250

अगस्त अंक के कवर फोटो के रूप में अपने स्कूल में लाइब्रेरी के उद्घाटन के दौरान एक गाँव की लड़की का मासूम चेहरा देखकर मुझे खुशी हुई।

रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हैं। यह बहुत अच्छी खबर है कि हमारे क्षेत्रों में सात महिलाओं ने मंडल गवर्नर के रूप में शपथ ली। अपने संदेश में, संपादक ने भारत के कुछ हिस्सों में हाल ही में आई

बाढ़ के कारणों और भविष्य में ऐसे विनाशकारी खतरों से उबरने के तरीकों को अच्छी तरह से समझाया है।

टीआरएफ ट्रस्टी अध्यक्ष बेरी रेसिन टीआरएफ और बंदोबस्ती के महत्व का अच्छी तरह से वर्णन करते हैं। यह पढ़कर बहुत अच्छा लगा कि बेंगलुरु के एक क्लब ने ₹4 करोड़ की लागत से 214 आंगनबाड़ियों का नवीनीकरण किया था। अन्य लेख जैसे इ*वान्स्टन में एक यादगार दिन, रोटरी ने एक आदिवासी स्कूल में एक पुस्तकालय स्थापित किया, जयपुर लिम्बस के माध्यम से आशा देना, एक मिनी मैराथन जीतना, ठाणे में एक बांस बस स्टॉप, युवाओं के साथ जुड़ाव* और *पढ़ने का आनंद* सभी पढ़ने लायक हैं।

दक्षिण की स्वर कोकिला, पार्श्व गायिका पी सुशीला के बारे में एस आर मधु द्वारा लिखा गया लेखन उत्कृष्ट है। क्लब हॉप तस्वीरें रंगीन हैं. कुल मिलाकर, अगस्त संस्करण शानदार है।

फिलिप मुलप्पोन एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन
मंडल 3211

मैं अगस्त अंक में उत्कृष्ट लेखों के लिए संपादकीय टीम को बधाई देता हूं। पत्रिका शानदार, जानकारीपूर्ण लेखों से भरी है और विभिन्न क्षेत्रों में उच्च और व्यावसायिक शिक्षा के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में विज्ञापन भी पढ़ना दिलचस्प है। भविष्य के अंकों में ऐसी और जानकारी से युवा छात्रों को मदद मिलेगी। उत्कृष्ट टीम वर्क के लिए धन्यवाद।

हितेन पोपट
रोटरी क्लब कलकत्ता स्पेक्ट्रम
मंडल 3291

मैं पत्रिका में आपके द्वारा दिए गए विविध कवरेज से वास्तव में खुश हूं। मैं उन रोटेरियनों में से एक हूं जो आपके द्वारा कवर किए जाने वाले रोटरी के विभिन्न पहलुओं और हमारे क्लबों की विशिष्ट परियोजनाओं को देखने/जानने के लिए आपके मासिक संस्करण की प्रतीक्षा करता है। आपको और आपकी टीम को बधाई।

लेकिन पिछले महीने मैं सदस्यता के बारे में विवरण शामिल नहीं था।

डॉ रविकिरण
रोटरी क्लब खारघर मिडटाउन
मंडल 3131

आपके पत्र

मंडल 3212 में शानदार परियोजनाएँ

आईपीडीजी वी आर मुत्तु, रो ई मंडल 3212 ने *प्रोजेक्ट पंच* शुरू किया और रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली (रो ई मंडल 3000) के सदस्यों को गर्व महसूस होता है कि वह हमारे पूर्व अध्यक्ष थे। हमें पता चला कि अपने प्रशिक्षण के बाद, दीपा आत्मविश्वास के साथ एक बड़ी सभा को संबोधित करने में सक्षम थी। *यधुमानवल, कलाम,* और *विज्ञान रथम* जैसी अन्य परियोजनाएँ युवा पीढ़ी को जिम्मेदार किशोरों में ढालेंगी। आईपीडीजी मुत्तु को बधाई।

रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर, मंडल 3291 के सदस्य नरेश कुमार जालान ने हृदय की बड़ी सर्जरी के बाद टाटा स्ट्रक्चरा मैराथन में भाग लिया और चमत्कारिक ढंग से वापसी की। उनकी उपलब्धि को उजागर करने के लिए पीआरआईपी शेखर मेहता को धन्यवाद।

वी आर टी दोरैराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

एक नई शुरुआत

संपादक का नोट, 'नई शुरुआत के लिए एक टोस्ट' (जुलाई अंक) एक शानदार लेख के साथ नए रोटरी वर्ष का स्वागत करता है। दुनिया में आशा पैदा करें - रो ई अध्यक्ष मेकिनली ने हमें समुदाय की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विषय दिया है। सभी लेख जानकारीपूर्ण और दिलचस्प हैं जिनमें *हम एक पार्क नहीं, बल्कि एक पूरा जंगल बनाना चाहते हैं* शानदार था। महीने दर महीने एक खूबसूरत पत्रिका निकालने के लिए संपादक को बधाई।

एन एस एस हरिगोपाल
रोटरी क्लब बेरहामपुर
मंडल 3262

संपादक का नोट, 'नई शुरुआत के लिए एक टोस्ट,' उत्कृष्ट था और उनका लेख, *हम एक पार्क नहीं, बल्कि एक पूरा जंगल बनाना चाहते हैं,* शानदार था। जयश्री का लेख महाराष्ट्रीयन गांव के लिए पर्यावरण-अनुकूल स्टोव अच्छा था।

डैनियल चित्तिलापिल्ली
रोटरी क्लब कलूर
मंडल 3201

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर ध्यान

रो ई अध्यक्ष मेकिनली का जुलाई संदेश प्रेरक है। शांति का निर्माण, क्लब की बैठकों से लेकर सेवा गतिविधियों तक अपनेपन की भावना पैदा करना, महिलाओं और लड़कियों का सशक्तिकरण मैकइनैली के अन्य प्रमुख क्षेत्र हैं। उनका सही मानना है कि विविध परियोजनाएं शुरू करके रोटरी दुनिया में आशा पैदा करेगी।

एक नया रोटरी वर्ष अभी शुरू हुआ है और क्लब के नेताओं के लिए, बहुत सी नई चीजें की जानी हैं और जब वे यह काम करेंगे, तो वे अपने क्लब के सभी सदस्यों को प्रेरित करेंगे। जैसा कि संपादक रशीदा भगत ने अपने नोट में बताया है, हमारे नए क्लब नेताओं को अपने नेतृत्व के हर पल का पूरा उपयोग करना चाहिए और रोटरी को गौरवान्वित करना चाहिए।

आर श्रीनिवासन
रोटरी क्लब बैंगलोर जे पी नगर
मंडल 3191

चेंज चैंपियन

RIPE स्टेफ़नी उर्चिक का कथन कि रोटेरियन परिवर्तन चैंपियन हैं इस तथ्य पर प्रकाश डालता है कि हम एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए समर्पित हैं। रोटरी, रोटेरियनों को सहयोग करने और अधिकतम प्रभाव के लिए उनके सामूहिक प्रयासों का लाभ उठाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

रोटरी क्लबों में उनकी भागीदारी के माध्यम से, हम विभिन्न सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए मिलकर काम करते हैं। रोटेरियन अपने कौशल, विशेषज्ञता और संसाधनों का उपयोग उन परियोजनाओं और कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए करते हैं जिनका व्यक्तियों और समुदायों के जीवन पर स्थायी प्रभाव पड़ता है।

अनिल जैन
रोटरी क्लब अहमदगढ़ - मंडल 3090

दिलचस्प अंक

रोटरेक्ट न्यूज़ का त्रैमासिक अंक साझा करने के लिए धन्यवाद। मुझे ई-पत्रिका का जुलाई अंक दिलचस्प लगा और ध्यान आया कि रोटरेक्ट, रोटेरियन का अनुकरण कर रहे हैं।

अनिल लेटी
रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन
मंडल 3131

कवर पर: नीलगिरी जिले के बेट्टाटी गांव में पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल की प्रधानाध्यापिका राधा कृष्णराज के साथ छात्र, जहां रोटरी क्लब नीलगिरी ने ₹51 लाख की सेवा परियोजनाएं शुरू की हैं।
चित्र: रशीदा भगत

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकारी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमारी वेब साइट *www.rotarynewsonline.org* पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

अध्यक्ष की ज़बानी

शांति का अभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस 21 सितंबर को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे 24 घंटो के लिए अहिंसा और संघर्ष विराम अपनाकर शांति के आदर्शों को मजबूत/शक्तिशाली बनाने का दिन घोषित किया है।

कार्यवाही करने वाले लोगों के रूप में केवल युद्ध को रोकना ही पर्याप्त नहीं है। अगर हम *विश्व में उम्मीद जगाना* चाहते हैं तो हमें शांति बनाए रखनी होगी।

हम कहाँ से शुरू कर सकते हैं? दुनिया भर में अनगिनत सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं और विस्थापित लोगों की वैश्विक आबादी पहले से कहीं ज्यादा है। प्रेरणा के लिए मैं पाकिस्तान और भारत के रोटरी सदस्यों की ओर देखता हूँ।

मार्च 2020 में पाकिस्तान में गुरु नानक को समर्पित करतारपुर साहिब गुरुद्वारे में लगभग 50 रोटरी सदस्यों ने भारत के लगभग 50 रोटरी सदस्यों से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच तनाव के कारण भारत के अनेक तीर्थयात्रियों को इस तीर्थ में आने से रोक दिया गया था। ऐसा तब तक हुआ जब तक पाकिस्तान ने 2019 में उनके लिए वीजा मुक्त रास्ता नहीं खोल दिया। इस साल की शुरुआत में, सीमा के उस पार के रोटरी सदस्य इस बार लगभग दोगुने प्रतिभागियों से दोबारा इस तीर्थ पर मिले।

पाकिस्तान सरकार ने शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय तीर्थयात्रियों को करतारपुर साहिब तीर्थ में प्रवेश दिया साथ ही पाकिस्तानी रोटरी सदस्यों ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए भारत के रोटरी सदस्यों का दोस्तों और परिवार के रूप में स्वागत किया। यह कार्य एक सकारात्मक शांति को दर्शाता है।

ये शांतिनिर्माता यहीं तक नहीं रुके। इस साल की बैठक में क्लब के प्रतिनिधियों ने एक-दूसरे से सीखना जारी रखने और अधिक शांति बनाए रखने के प्रयासों पर एक साथ काम करने के लिए अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए जुड़वां/समरूप क्लब समझौतों पर हस्ताक्षर किए और उन्होंने वीडियो चैट के माध्यम से संयुक्त बैठकें कीं।

किसी अन्य संस्कृति को जानने और सीखने के महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता और रोटरी इसे और भी आसान बना रहा है। अंतर-सांस्कृतिक संवाद में लिप्त होने और सीमाओं के पार संबंधों को स्थापित करने का एक माध्यम आभासी अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान है जो हमारे वर्तमान कार्यक्रमों पर आधारित होता है और उन्हें अधिक सुलभ बनाता है।

एक आभासी आदान-प्रदान दुनिया के विभिन्न हिस्सों के लोगों को आपस में जोड़ने के लिए ऑनलाइन माध्यमों का उपयोग करता है ताकि वे अपनी परंपराओं, प्राथमिकताओं, मूल्यों के साथ और भी बहुत कुछ साझा कर सकें। आभासी आदान-प्रदान डिजिटल रूप से खाना पकाना सिखाने, एक नई भाषा सीखने और यहाँ तक कि एक वैश्विक प्रभाव वाली सेवा परियोजनाओं को डिजाइन करने जैसी गतिविधियों के माध्यम से दुनिया के अन्य हिस्सों के लिए एक खिड़की के रूप में काम कर सकता हैं।

इन ऑनलाइन संवादों में नए संबंधों को प्रेरित करने और समाजों के बीच अधिक सम्मान स्थापित करने की क्षमता है। हमारे साथियों के जीवन को बेहतर बनाने हेतु उस ज्ञान का उपयोग करना अगला कदम है। चलिए देखते हैं कि यह हमें कहाँ ले जाता है।

आर गॉर्डन आर मेकिनली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

मेरा एक सपना है...

आइये इस बार सपनों पर चर्चा करते है। रोटरी में सितंबर बुनियादी शिक्षा और साक्षरता का महीना है। लेकिन मैं कुन्नूर के शांत वातावरण में उस खूबसूरत पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल - जिसे रोटरी क्लब नीलगिरी ने शिक्षा के जादुई स्वर्ग में बदल दिया हैं - को देखने इस वजह से नहीं गई थी क्यों की साक्षरता का महीना आ रहा था। चेन्नई की भीषण गर्मी से छुट्टी लेते हुए, मैंने हमारे इनबॉक्स, में आई हुई परियोजना पर नज़र डालने का भी इरादा किया - नीलगिरी जिले में बेट्टाटी स्थित एक स्कूल के बारे में, जिसे क्लब ने एक तरह से गोद ले लिया है। मुझे देखने को मिला की कैसे रोटेरियनों के इस समहू ने जर्जर, ढहती इमारत, फफूंद युक्त रसोई और दुर्गन्ध छोड़ते शौचालयों वाले स्कूल में ताज़गी भरी और इसे एक खुशहाल, चमकीले रंग वाली इमारत में परिवर्तित किया।

पूर्व में, अधिकांश कमरों की जीर्ण शीर्ण अवस्था के कारण, तीन कक्षाओं के छात्रों को एक ही कमरे में बैठना पढता था जिन्हें एक ही शिक्षक पढ़ाते था और हर कक्षा अलग-अलग पंक्ति में बैठती थी! एक निष्क्रिय स्मार्ट बोर्ड, कुछ बदहाल और बेकार कंप्यूटर पड़े थे - ध्यान रहे कि हम तमिलनाडु के बारे में बात कर रहे हैं, जहां शिक्षण के उपकरण सरकारी स्कूलों को मुफ्त में दिए जाते हैं, उत्तर भारत के कई राज्यों के विपरीत। रोटेरियनों का समर्पण स्पष्टतः परिलक्षित हो रहा था; मुझे बताया गया कि प्रोजेक्ट लीडर एयर कमोडोर संजय खन्ना (जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से कुछ समय के लिये रोटरी से विश्राम लिया है) ने "यथार्थतः इस स्कूल में प्रवेश ले लिया था," तीन महीने पर्यन्त स्कूल का जीर्णोद्धार किया गया, जिसमें एक शानदार कंप्यूटर कक्ष बनाया गया, जहां मरम्मत किये गए कंप्यूटर रखे गए थे साथ में एक विज्ञान प्रयोगशाला और एक रंग बिरंगा खूबसूरत पुस्तकालय।

उन्नत और संशोधित सुविधाओं से बच्चों में नया जोश भर गया है; एक लड़की आर्मी डॉक्टर बनना चाहती है - इस क्षेत्र में वेलिंगटन सैनिक छावनी है; दूसरी, ने हाल ही में स्पेल बी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है, आईएएस अधिकारी बनने की इच्छा रखती हैं; और एक लड़का सिविल इंजीनियर बनना चाहता है।

माता-पिता और छात्रों ने एक अंग्रेजी शिक्षक की मांग रखी थी और रोटेरियनों ने एक शिक्षक की नियुक्ति कर दी और दो साल तक उसे वेतन भी देंगे। छात्र अब संजीदगी से कंप्यूटर के जादुई तिलिस्म को समझने, अंग्रेजी वार्तालाप में संवाद में पारंगत होने और किताबों की दुनिया के माध्यम से कई विदेशी राष्ट्रों की यात्रा में तल्लीन हैं। दोपहर का भोजन पहाड़ी क्षेत्र के ठंडे फर्श पर बैठ कर नहीं करते इस की अपेक्षा वे अब ढके हुए भोजन क्षेत्र में मेज और कुर्सियों पर बैठते हैं और अपनी नवनिर्मित कक्षाओं में भी रंगीन डेस्क और बेंच का उपयोग करते हैं। रोटेरियनों ने उन्हें केवल सम्मान और गरिमा ही नहीं दी है, बल्कि उससे कहीं अधिक... सपनों और अभिलाषा की उमंग जगाई हैं।

यद्यपि उनकी सरकार हिंदी थोपे जाने के विरुद्ध लड़ रही है, परन्तु वे स्वयं हिंदी सीखना चाहते हैं। कौन जानता है... चमकती आंखों वाली लिकिशा कल एक आईएएस अधिकारी बन कर यूपी के एक छोटे से शहर में डिप्टी मजिस्ट्रेट के नियुक्त हो सकती है। हिंदी का कामकाजी ज्ञान निश्चित रूप से काम आएगा! और सेना की डॉक्टर यालिनी को भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है, इसलिए बहुभाषी होना लाभकारी होगा। ऐसे देश में जहां इतनी अधिक विषमताएं विद्यमान हैं, किसी वंचित बच्चे को एक सपना दिखाना और उस सपने को साकार करने का अवसर देना, निश्चित रूप से पृथ्वी पर ईश्वर का ही कार्य है।

रशीदा भगत

एक जगमगाता स्थल

तीन गगनचुंबी इमारतों वाला यह परिसर, जो सिंगापुर में 2024 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन के हिस्से की मेजबानी करेगा, निश्चित रूप से इस वैश्विक सम्मलेन को आयोजित करने वाले अभी तक के सबसे अच्छे स्थलों में से एक के रूप में स्थान प्राप्त करेगा।

मरीना बे सैंड्स में एक लंबी नाव जैसा एक रूफ डेक है, जो 57 मंजिला होटल टावरों की तिकड़ी को जोड़ता है एवं इसमें एक इनफिनिटी पूल भी शामिल है। इसके नीचे मौजूद सम्मलेन केंद्र में हाउस ऑफ फ्रेंडशिप और ब्रेकआउट सत्रों में भाग लेना, आपको भोजन, लक्ज़री खरीदारी तथा मनोरंजन मेगाप्लेक्स के बीचों-बीच रखता है।

क्षितिज और खाड़ी को देखने के लिए स्काईपार्क की रूफ डेक का टिकट खरीदें। शॉप्स मॉल में नामी-गिरामी ब्रांड हैं, यहां तक कि डियोर, वर्साचे जैसे ब्रांड्स के बच्चों के कपड़ों की दुकानें भी शामिल हैं।

वहाँ मौजूद अनेक रेस्तरों में सेलिब्रिटी शेफों द्वारा तैयार किये भोजन को याद रखने के लिए टेबल बुक करें। दो को मिशेलिन स्टार से सम्मानित किया गया है: वोल्फगैंग पुक (एक स्टार) द्वारा कट स्टेकहाउस और टेटसुया वाकुडा का वाकू घिन (दो स्टार), जो फ्रेंच और इटेलियन स्वाद के साथ बढ़िया जापानी भोजन प्रदान करता है।

बाहर के एक विशाल, पारदर्शी कटोरे में एकत्र वर्षा जल से पोषित एक अंदरूनी नहर पर नाव की सवारी करें। कटोरे में एक छेद के माध्यम से बहने वाला झरना अंदर एक पूल में गिरता है।

स्पेक्ट्रा नामक लाइट और वाटर फाउंटेन शो हर रोज निशुल्क रहता है। यहाँ और भी बहुत कुछ है... लाइव शो, एक कला और विज्ञान संग्रहालय, तीन मंजिला ऊँची घुमावदार स्लाइड वाला एक नाइट क्लब... बाकी चीज़ों का पता 25-29 मई को लगाएं जब आप *दुनिया के साथ आशा साझा करने* के लिए आयें।

अधिक जानें और
convention.rotary.org
पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	सेनगुट्टुवन जी
RID 2982	राघवन एस
RID 3000	आनंदता जोती आर
RID 3011	जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012	प्रियतोष गुप्ता
RID 3020	सुब्बाराव रावुरी
RID 3030	आशा वेणुगोपाल
RID 3040	रितु ग्रोवर
RID 3053	पवन खंडेलवाल
RID 3055	मेहुल राठौड़
RID 3056	निर्मल जैन कुणावत
RID 3060	निहिर दवे
RID 3070	विपन भसीन
RID 3080	अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090	घनश्याम कंसल
RID 3100	अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110	विवेक गर्ग
RID 3120	सुनील बंसल
RID 3131	मंजू फड़के
RID 3132	स्वाति हर्कल
RID 3141	अरुण भार्गवा
RID 3142	मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150	शंकर रेड्डी बुसीरेड्डी
RID 3160	माणिक एस पवार
RID 3170	नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181	केशव एच आर
RID 3182	गीता बी सी
RID 3191	उदयकुमार के भास्करा
RID 3192	श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201	विजयकुमार टी आर
RID 3203	डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204	डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211	डॉ सुमित्रन जी
RID 3212	मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231	भरणीधरन पी
RID 3232	रवि रामन
RID 3240	नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250	बगारिया एस पी
RID 3261	मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262	जयश्री मोहंती
RID 3291	हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित। संपादक: **रशीदा भगत**

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

बुनियादी शिक्षा और साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका

मेरे प्रिय रोटेरियन,

जैसे ही सितंबर की शुरुआत होती है, रोटरी गर्व से बुनियादी शिक्षा और साक्षरता माह की शुरुआत करने की घोषणा करती है। यह समर्पित समय दिमाग को पोषित करने, विकास को बढ़ावा देने और शिक्षा के माध्यम से परिवर्तन लाने की हमारी प्रतिबद्धता का उत्सव है।

हमारे उद्देश्य का मूल, साक्षरता का समर्थन करने के लिए समुदायों की क्षमता को मजबूत करना है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा केवल एक विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि एक मौलिक अधिकार है जो व्यक्तियों को अपने-अपने भाग्य को सही आकार देने में सक्षम बनाती है। सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, हम बाधाओं को दूर करने, नए अवसरों का स्वागत करने और एक ऐसी दुनिया बनाने का लक्ष्य रखें जहां हर व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।

इस महीने के दौरान प्रमुख आकांक्षाओं में से एक है शिक्षा में लैंगिक असमानता को संबोधित करना तथा कम करना। हर बच्चे को, उसके साथ लिंगभेद किए बिना, सीखने और आगे बढने का समान मौका मिलना चाहिए। आइए हम, लिंग आधारित बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करके, एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी समाज की नींव रखें।

लेकिन मित्रों, हमारी वचनबद्धता बच्चों के साथ समाप्त नहीं होनी चाहिए। क्या आपको मालूम है? दुनिया भर में, 15 वर्ष से अधिक आयु के **775 मिलियन** से अधिक लोग निरक्षर हैं। यह दुनिया की कुल आबादी का 17 प्रतिशत है। यह डेटा हमें आजीवन सीखते रहने के महत्व को पहचानने के लिए अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए बाध्य करता है और इस प्रकार, वयस्क साक्षरता को भी बढ़ावा देता है। वयस्कों को पढ़ने और लिखने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना न केवल उनके व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है, बल्कि हमारे समुदायों की संरचना को भी मजबूत करता है। एक साक्षर समाज, ऐसा समाज है जो प्रगति के लिए तैयार है।

''एक राष्ट्र के रूप में हमारी प्रगति शिक्षा के क्षेत्र में हमारी प्रगति से तेज नहीं हो सकती।'' जॉन एफ कैनेडी के ये शब्द राष्ट्रों के भाग्यों को सही आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हैं। बच्चों और वयस्कों दोनों के लिए साक्षरता के प्रति रोटरी का समर्पण इस भावना के साथ गहराई से मेल खाता है। शिक्षा में निवेश करके, हम अपने-अपने समाजों और दुनिया के भविष्य को बेहतर करने में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं।

इस सितंबर, आइये हम एक ऐसी दुनिया की खोज में एकजुट हों जहां हर बच्चे को सीखने का अवसर मिले, हर वयस्क को बढ़ने का मौका मिले, और हर एक समुदाय आगे बढ़े। आइए हम एक बेहतर और अधिक साक्षर कल की ओर अग्रसर हो। एक साथ मिलकर, हम सभी नियति को नया रूप दे सकते हैं, जीवन का उत्थान कर सकते हैं और स्थायी प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

तो दोस्तों, बुनियादी शिक्षा और साक्षरता माह का उत्सव मनाएं और हमारे कार्यों को शिक्षा के माध्यम से एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाने दें।

अनिरुद्धा रॉयचौधरी
रो ई निदेशक, 2023-25

अपना रोटरी क्षण बनाएं

आपका रोटरी क्षण वो है जब आप यह महसूस करते हैं कि रोटरी का हिस्सा होने का मतलब सिर्फ एक बैठक में उपस्थित होने से ज्यादा है और तब आपको यह एहसास होता है कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा हैं जो दूसरों के जीवन को भी बिल्कुल उसी तरह बदलती है जैसे इसने आपके जीवन को बदला है।

मैं उस पल को कभी नहीं भूलूंगा जब मुझे एक हाईटियन बच्चे, डैनियल के बारे में पता चला। रोटरी फाउंडेशन न्यासी ग्रेग पोड, जो उस समय एक रो ई समिति में मेरे साथ सेवा दे रहे थे, डैनियल को गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम के माध्यम से तत्काल हृदय सर्जरी के लिए एक विमान से ले लाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन डैनियल को यात्रा करने के लिए वीजा नहीं मिल सका और डॉक्टरों ने बताया कि उसके जीवन के कुछ ही महीने शेष है।

जब ग्रेग ने मुझे यह बताया तो मुझे याद आया कि गिफ्ट ऑफ लाइफ हैती में काम कर रहा है और हम वहाँ सर्जरी कर सकते है। यह बुधवार का दिन था। ग्रेग ने डैनियल के मेडिकल रिकॉर्ड/चिकित्सा अभिलेखों को एकत्रित करने में मदद की। गिफ्ट ऑफ लाइफ के सर्जन को मैं जानता था - जो हर महीने केवल एक या दो बार दौरा करते थे - उस समय हैती में ही थे। गुरुवार तक सर्जन ने मेडिकल चार्ट देखा और हमें बताया कि वह डैनियल के हृदय को ठीक कर सकते है लेकिन उन्हें जल्द ही जाना होगा। इसलिए हम डेनियल को शुक्रवार सुबह तक एक चिकित्सा सुविधा में ले गए।

डैनियल और उसके माता-पिता ने यह सुविधा प्राप्त करने के लिए हैती के ग्रामीण ऊबड़-खाबड़ इलाकों से गुजरते हुए स्कूटर पर 90 मिनट की सवारी की और सर्जन ने सफलतापूर्वक सर्जरी की प्रक्रिया को पूरा किया। उन्हें धन्यवाद देते हुए ग्रेग और मैं अन्य परियोजनाओं हेतु आगे चले गए।

कुछ महीने बाद, मुझे डैनियल की एक तस्वीर के साथ एक ईमेल मिला। मैं उसके मुस्कुराते हुए चेहरे को कभी नहीं भूल सकता बावजूद इसके कि उसकी छाती पर एक लंबा निशान है और उसने लिखा था: मुझे पता है कि आपने मेरी जान बचाने में मदद की। धन्यवाद।

डैनियल और अनगिनत अन्य लोगों की ओर से मैं उन सभी रोटरी सदस्यों का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने इस वर्ष मदद की या करने वाले है।

विशेष रूप से रोटरी फाउंडेशन के साथ रोटरी की सुंदरता यह है कि हम इन रोटरी क्षणों को कभी भी बना सकते हैं। रोटरी में बस एक-दूसरे तक पहुंचें और हमारे काम पर चर्चा करें। हमारा देखभाल करने वाला तंत्र, हमारे समर्पित स्वयंसेवक और उपलब्ध संसाधन बाकी सब संभाल लेंगे।

बेरी रेसिन
ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

देने की खुशी का अनुभव करें

रोटरी फाउंडेशन आपके उपहारों को सेवा परियोजनाओं में बदल देता है जो हमारे घर और दुनिया भर में जीवन बदल देता है। पिछले 106 वर्षों के दौरान, फाउंडेशन ने जीवन बदलने वाली, टिकाऊ परियोजनाओं पर 4 बिलियन डॉलर से अधिक खर्च किया है।

टीआरएफ बाहरी दुनिया के लिए हमारी खिड़की है। इस खिड़की से देखें और आप एक युवा गर्भवती मां को देखेंगे जो अपनी गर्भावस्था से जूझ रही है क्योंकि उसके पास प्रसवपूर्व देखभाल तक पहुंच नहीं है; आप पोलियो से अपंग एक युवा लड़के को रेंगते हुए देखेंगे क्योंकि उसके पास पोलियो-सुधारात्मक सर्जरी तक पहुंच नहीं है। खिड़की से देखें और आपको ऐसे हजारों लोग मिलेंगे जो सुरक्षित पानी और उचित स्वच्छता के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लाखों लोग जो पढ़ या लिख नहीं सकते हैं।

हमारे पास दो विकल्प हैं - या तो हम खिड़की बंद कर सकते हैं, अपनी आँखें बंद कर सकते हैं और दिखावा कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक है या हम इन सभी समस्याओं के बारे में कुछ करने के लिए मदद का हाथ बढ़ा सकते हैं। और इसे करने का सबसे अच्छा तरीका रोटरी फाउंडेशन के साथ और उसके माध्यम से है। टीआरएफ कार्यक्रमों से दुनिया भर में लाखों लोगों को लाभ होता है। यदि हम 'दुनिया में अच्छा करना' जारी रखना चाहते हैं तो हमें टीआरएफ के सभी फंडों का समर्थन करना चाहिए।

दूसरों से कुछ प्राप्त करने की तुलना में देने का कार्य आपको अधिक खुशी देता है। आपको कभी पता नहीं चलेगा कि आपके उपहार से किसे लाभ हुआ है लेकिन सद्भावना बनी रहेगी। देने के आनंद का अनुभव करें और आप बार-बार देंगे।

देने की मोमबत्ती जलाएं और दुनिया में आशा पैदा करने का मार्ग प्रशस्त करें।

भरत पांड्या
टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष

Rotarians!

Visiting Chennai for business?

Looking for a compact meeting hall?

Use our air-conditioned Board Room with a seating capacity of 16 persons at the office of the Rotary News Trust.

Tariff:

₹2,500 for 2 hours
₹5,000 for 4 hours
₹1,000 for every additional hour

Phone: 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org

रोटरी संख्या

रोटरी क्लब	:	36,926
रोटरेक्ट क्लब	:	11,191
इंटरेक्ट क्लब	:	14,018
आरसीसी	:	13,018
रोटरी सदस्य	:	1,172,284
रोटरेक्ट सदस्य	:	164,711
इंटरेक्ट सदस्य	:	322,414

14 अगस्त, 2023 तक

सदस्यता सारांश — 1 अगस्त 2023 तक

रो ई मंडल	रोटरी क्लब	रोटेरियनों की संख्या	महिला रोटेरियन (%)	रोटरेक्ट क्लब	रोटरेक्ट सदस्य	इंटरेक्ट क्लब	आरसीसी
2981	137	5,994	6.34	73	492	33	254
2982	84	3,679	6.50	35	836	85	92
3000	132	5,371	10.46	104	1,616	172	215
3011	135	4,972	29.08	82	2,404	124	37
3012	152	3,726	23.08	75	790	83	61
3020	86	4,822	7.55	45	992	117	351
3030	101	5,547	15.40	125	1,935	471	384
3040	111	2,397	14.60	60	758	69	213
3053	73	2,908	16.13	36	591	42	128
3055	80	2,873	11.73	67	1098	67	376
3056	89	3,839	25.55	44	490	99	202
3060	106	4,912	15.86	68	2,198	55	142
3070	124	3,312	16.36	49	523	51	62
3080	107	4,067	12.12	121	1,617	147	121
3090	108	2,375	4.88	48	601	191	164
3100	113	2,281	12.01	15	137	32	151
3110	145	3,800	11.37	17	110	33	106
3120	86	3,561	15.89	37	415	26	55
3131	140	5,293	25.94	144	2,612	190	145
3132	87	3,480	13.19	38	537	104	173
3141	111	5,814	26.61	152	5,078	163	213
3142	105	3,707	21.04	94	1,816	83	91
3150	110	4,119	12.67	154	1,832	100	130
3160	84	2,745	8.93	32	234	95	82
3170	148	6,504	15.25	116	1,764	163	178
3181	87	3,528	10.63	39	462	81	118
3182	87	3,550	10.20	46	229	104	103
3191	90	3,160	18.04	107	2,722	117	35
3192	81	3,443	20.85	118	2,416	85	40
3201	173	6,645	9.75	134	1,967	87	93
3203	95	4,931	7.58	87	1,145	119	39
3204	74	2,422	6.85	24	226	17	13
3211	159	5,000	7.76	10	152	19	133
3212	127	4,581	11.18	89	3,582	141	153
3231	95	3,332	7.38	39	436	39	417
3232	177	6,196	19.29	126	7,265	138	99
3240	105	3,517	16.66	71	1,133	63	227
3250	108	4,115	21.19	68	970	59	191
3261	105	3,491	22.69	23	242	20	45
3262	112	3,732	15.76	76	709	642	284
3291	140	3,662	25.42			55	725
India Total	**4,569**	**167,403**		**2,888**	**55,132**	**4,581**	**6841**
3220	70	1,945	15.78	98	4,385	83	77
3271	177	3,102	17.92	190	3,325	332	28
3272	161	2,281	14.69	80	1,122	20	49
3281	327	8,077	18.11	281	1,995	144	208
3282	182	3,558	9.92	203	1,426	30	47
3292	154	5,538	18.49	180	4,517	84	134
S Asia Total	**5,640**	**191,904**		**3,920**	**71,902**	**5,274**	**7,384**

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब नीलगिरी ने एक आदर्श सरकारी स्कूल का निर्माण किया

रशीदा भगत

तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में कोटागिरी तालुक के एक छोटे से गाँव बेट्टाटी के सुरम्य वातावरण में इस शानदार, चटक, नए, पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल को देख कर आपका दिल खुश हो जाएगा। हर जगह से सुनाई पड़ती बच्चों की किलकारियां और हंसी ठट्ठा ; वो भी सरकारी स्कूल में। एक अकेले क्लब - रोटरी क्लब नीलगिरी - ने इस रूपांतरकारी परियोजना पर ₹51 लाख की भारी राशी व्यय कर इस स्कूल की काया पलट दी है - इसकी कक्षाएँ, शौचालय, रसोई... करीने से लगी हुई रुचिकर पुस्तकों के साथ एक पुस्तकालय की स्थापना, डेस्कटॉप और लैपटॉप से सुसज्जित कंप्यूटर कक्ष, एक विज्ञान प्रयोगशाला और एक भोजन शाला जो ढकी हुई है।

रोटरी क्लब नीलगिरि की पब्लिक इमेज चेयर दीपिका उन्नी, पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार डार, एयर कमोडोर संजय खन्ना, क्लब प्रशासक शीला भसीन और सचिव सुनील गोयल कोटागिरी के बेट्टाटी गांव में पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल में छात्रों के साथ।

मैं स्कूल के दौरे पर गई थी, कुन्नूर के पास बेट्टाटी गांव में, एक बढ़िया जगह जहां धनाढ्य और प्रसिद्ध लोगों ने जमीन खरीद कर खूबसूरत कॉटेज बनाए हैं। मुझे रोटरी क्लब नीलगिरी के कुछ सदस्य वहां ले गए थे और उनके बीच चल रहे हास परिहास और सौहार्द और चुहलबाजी देख कर समझ गई थी कि इस स्कूल के 68 बच्चों को कुछ किताबें देने से शुरू हुए एक छोटे से प्रोजेक्ट के बाद आखिर ये जादू कैसे संभव हुआ होगा। 1941 में चार्टर हुए इस क्लब में 45 सदस्य हैं, जिनमें 13 महिलाएं हैं।

करीब आधे करोड़ रुपये से अधिक राशी की इस परियोजना की परिकल्पना करने वाले वास्तुकार और एयर कमोडोर संजय खन्ना इसकी शुरुआत के बारे में बताते हैं। नवंबर 2022 में, क्लब ने *वांग पडिक्कलाम* (आओ, मिल कर पढ़ें) नाम से एक परियोजना शुरू की थी जिसमें उन्होंने स्कूलों के लिए किताबें जुटाई थीं। ''क्लब की सदस्य डॉ पार्वती ने उपहार में कई पुस्तकें दीं हैं जो भारत और यूके दोनों जगह रहती हैं और जब यहां आती हैं तो नियमित रूप से हमारी बैठकों में सम्मिलित होती हैं। उन्होंने हमें यूके से बहुत सारी सुन्दर किताबें भेजीं हैं,'' खन्ना बताते हैं।

जब रोटेरियन इन पुस्तकों को विभिन्न स्कूलों में बांटने गए, ''हमने देखा कि सरकारी स्कूलों का बुनियादी ढांचा बहुत ही जर्जर अवस्था में था और सफाई थी ही नहीं। शौचालयों से बदबू आ रही थी, रसोई की स्थिति वास्तव में दयनीय थी और बच्चे नम दीवारों वाली नीरस कक्षाओं में बैठे थे। पूरा वातावरण शिक्षा के अनुपयुक्त था।''

इसे देख कर रीडिंग प्रोजेक्ट में कार्यरत हमारे क्लब की मुख्य टीम वास्तव में दुखी और निराश हो गई। उन्हें लगा कि स्कूलों में पढ़ने का अनुकूल माहौल दिए बिना शिक्षा के उपकरण उपलब्ध करवाना निरर्थक है। बस, वहीं से स्कूलों की मरम्मत कर उन्हें भली प्रकार संचालित करने के विचार ने जन्म लिया।

हमारे पास दो विकल्प उपलब्ध थे, या तो कई स्कूलों में थोड़ा थोड़ा काम करें या एक स्कूल ढूंढ कर उसे एक ऐसे मॉडल स्कूल में परिवर्तित करें ताकि वो अन्य स्कूलों के लिए एक उदाहरण बन सके और अन्य गैर सरकारी संस्थाओं और संगठनों (NGOs) को स्कूलों के पुनरुद्धार के लिए प्रेरित कर सके, क्लब की पब्लिक इमेज अध्यक्ष दीपिका उन्नी ने बताया।

अब हमारी रसोई उच्च श्रेणी की है – हमारे क्लब के पूर्व अध्यक्ष ताज होटल्स में काम करते हैं, और पिछले दिनों वह स्कूल आए थे। उन्होंने कहा, 'यह रसोई हमारी रसोई के समकक्ष है!'

अध्यक्ष **CHN कुमार**

शौचालयों से बदबू आ रही थी, रसोई की स्थिति वास्तव में दयनीय थी और बच्चे नम दीवारों वाली नीरस कक्षाओं में बैठे थे। पूरा वातावरण शिक्षा के अनुपयुक्त था।

संजय खन्ना

दो कारणों से बेट्टाटी स्कूल का चुनाव किया गया था; इस के पास खुद की जमीन थी - लगभग दो एकड़ भूमि वाला एक विशाल परिसर, जहां पुनर्निर्माण और पुनर्गठन की पर्याप्त संभावनाएं थीं। हालांकि स्कूल सिर्फ आठवीं कक्षा तक था और इसमें 41 बच्चे पढ़ रहे थे, लेकिन इसके पुनर्निर्माण के बाद और अधिक माता-पिता अपने बच्चों को यहां भेजना चाहेंगे। वहां आठ कक्षाएँ थीं और वे जानते थे कि इनके पुनर्निर्माण, रंगाई-पुताई कर, बेंच और डेस्क लगने के बाद इसमें लगभग 200 बच्चे आसानी से बैठ सकेंगे। यहां सबसे बड़ी सुविधा थी जगह की उपलब्धता।

हमने रसोई से इस काम की शुरुआत की क्योंकि दोपहर का भोजन वहीं पकाया जाता था। रसोई की दीवारों पर नमी के साथ फफूंद लगी हुई थी, राशन फर्श पर बिखरा हुआ था और चूहे हर जगह उत्पात मचा रहे थे। हम जानते थे कि हमें लड़कियों और लड़कों के लिए अलग - अलग शौचालयों का निर्माण करना होगा। शिक्षकों के लिए भी हमने एक पृथक शौचालय बनाया है, खन्ना ने कहा, जो वर्तमान में निजी कारणों से कुछ समय के लिए रोटरी से बाहर चले गए हैं।

कक्षाएँ जर्जर अवस्था में थीं, जगह जगह से फर्श उखड़ा हुआ था, दीवारें खंडित थीं और

पुरानी सुविधाएँ

चित्रः आरसी नीलगिरीस

नई सुविधाएँ

रोटरी क्लब नीलगिरी द्वारा निर्मित नए मंच पर बच्चे नृत्य करते हुए।

टूटे हुए गत्तों की दीवार खड़ी कर के कमरों का विभाजन किया गया था, छत से पानी चू रहा था। फर्नीचर पुराना और टूटा फूटा था, इसलिए बच्चों को फर्श पर बैठना पड़ता था। ''*यह नीलगिरी है, ठंडा प्रदेश* और बच्चे फर्श पर बैठकर पढ़ाई नहीं कर सकते, ठिठुरते रहते हैं। वहाँ सिर्फ एक बल्ब था...तो आप कल्पना कर सकते हैं कि यहां कितना काम करने की ज़रूरत थी,'' क्लब के अध्यक्ष ग्रुप कैप्टन सीएचएन कुमार ने कहा।

शुरु में क्राउडफंडिंग के माध्यम से धन जुटाया गया था और लक्ष्य था ₹15 लाख। हमने छोटे स्तर से शुरुआत की थी दो, तीन चीजें करना चाहते थे लेकिन बच्चों के साथ काम करते हुए जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते जाते हैं, तो आप और उत्साहित होते जाते हैं। उनके चेहरे पर झलकती खुशी और उनके माता-पिता की आंखों में आशा की किरण देख कर आपको लगता है कि क्यों ना थोड़ा और करें। हम उनके स्कूल अक्टूबर में गए थे, निर्माण कार्य 23 जनवरी को शुरू हो गया था और अप्रैल तक काम पूरा कर हमने उन्हें स्कूल सौंप दिया था,'' खन्ना ने बताया।

₹51 लाख में से, जहां प्रारंभिक राशि क्राउडफंडिंग से, क्लब के सदस्यों, उनके मित्रों और परिवार से आई थी, बाद में कुछ कॉरपोरेट भी इसमें शामिल हो गए, लगभग आधा पैसा - ₹24 लाख सीएसआर के ज़रिये आया, और हमेशा की तरह पूर्व अध्यक्ष विजय डार ने इसके लिए अथक प्रयास किया था।

हमने छोटे स्तर से शुरुआत की थी। दो, तीन चीजें करना चाहते थे लेकिन बच्चों के साथ काम करते हुए जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते जाते हैं, तो आप और उत्साहित होते जाते हैं।

संजय खन्ना

इस योगदान में कोटक महिंद्रा प्रमुख सीएसआर कंपनी रही और पूरे ब्लॉक के लिए उसने ₹17.6 लाख का योगदान दिया। रसोई के लिए स्टार केमिकल्स ने ₹1 लाख दिए और उड़ीसा फेरोटेक ने अंग्रेजी शिक्षक के वेतन के लिए एक साल तक हर महीने ₹10,000 देने का आश्वासन किया। क्लब के सदस्यों ने ₹4 लाख का योगदान दिया, कुन्नूर के प्रतिष्ठित नागरिकों ने एक स्वच्छ और आरामदायक भोजन क्षेत्र की छत के निर्माण के लिए धन दिया। पहले बच्चे दोपहर का खाना फर्श पर बैठकर खाते थे, जहां सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ती थी।

यहां मुझे एक रोचक बात देखने को मिली; बच्चों के माता-पिता की ओर से अंग्रेजी शिक्षक की सामूहिक मांग। ''यह उनकी आकांक्षा को दर्शाता है कि उनके बच्चे अच्छी नौकरी पाने के लिए अंग्रेजी सीखें। साथ ही उन्होंने एक हिंदी शिक्षक की भी मांग रखी, जिससे पता चलता है

कृपया अंग्रेजी में!

रोटेरियनों द्वारा गोद लिए गए बेट्टाटी के पंचायत स्कूल में जब मैं कुछ बड़े बच्चों के साथ चर्चा करती हूं, तो उनमें अंग्रेजी भाषा सीखने और बोलने की ललक साफ़ जाहिर होती है। कंप्यूटर कक्ष में बैठी आठवीं कक्षा की छात्रा यालिनी बड़े आत्मविश्वास के साथ कहती है कि वह अंग्रेजी में बात करना चाहती है और मेरे सवालों के जवाब बड़ी सहजता से अंग्रेजी में देती है, जबकि पास खड़ी उसकी शिक्षिका गर्व से मुस्कुराती है! ''मेरी माँ एक गृहिणी हैं और मेरे पिता एक ड्राइवर हैं। जब मैं बड़ी हो जाऊंगी, तो मैं एक आर्मी डॉक्टर बनूंगी,'' वह प्रसन्नचित हो कर कहती है। वह कहती है कि कक्षा 8 के बाद आगे पढ़ाई के लिए दूसरे स्कूल में जाएंगी।

ऊपर: स्कूल की प्रधानाध्यापिका राधा कृष्णराज के साथ लिकिशा।

***बाएं और नीचे:** यालिनी और आकाश स्कूल के कंप्यूटर कक्ष में अपने सिस्टम पर काम करते हुए।*

इसके उपरान्त, क्लब के पूर्व अध्यक्ष और कुन्नूर में इस क्लब द्वारा बनाए गए अत्यधिक सुंदर श्मशान के निर्माण के प्रेरक, लेफ्टिनेंट जनरल एम जी गिरीश ने मुझे बताया कि वह यालिनी का मार्गदर्शन करने के लिए सेना (वेलिंगटन छावनी) की एक महिला डॉक्टर के साथ उसकी मुलाक़ात की व्यवस्था करेंगे।

लिकिशा भी अंग्रेजी में बात करती है और बताती है कि उसकी ''माँ 'गृहिणी है जबकि पिता किसान हैं। हमारा खेत है और वह गोभी, आलू, चुकंदर जैसी सब्जियां उगाते हैं।' '' उसने स्पेलबी (Spell Bee) प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है और बताती है कि वह कंप्यूटर पर टाइप करना सीख रही है। हम किताबों से कहानियाँ और उसके कुछ अंश टाइप करते हैं।

उसका सपना? आईएएस अधिकारी बनना!

आकाश कक्षा 8 में पढता है, अभी अपनी अंग्रेजी को लेकर आश्वस्त नहीं है और तमिल में बोलता है। इस आकर्षक लड़के का कहना है कि उसके माता-पिता दोनों खेत पर काम करते हैं, मैं आगे पढ़ना चाहता हूं और एक सिविल इंजीनियर बनना चाहता हूं।■

विद्यार्थियों के साथ क्लब के सदस्य। चित्र में क्लब के अध्यक्ष सी एच एन कुमार सबसे दाहिनी ओर दिखाई दे रहे हैं।

कि वे पूरे भारत में अपने बच्चों के लिए अवसर तलाश रहे हैं,'' डार कहते हैं।

रोटेरियनों द्वारा एक अंग्रेजी शिक्षक को नियुक्त कर दो साल तक उसके वेतन का भुगतान करने की जिम्मेदारी लेने से, बच्चों को अब द्विभाषी शिक्षा का लाभ मिल रहा है - कक्षाएँ तमिल और अंग्रेजी दोनों में संचालित की जाती हैं, जिसमें अंग्रेजी बोलने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। अंग्रेजी शिक्षक ने बहुत बढ़िया काम कार्य किया है, वह आठवीं कक्षा के उन अधिकांश बच्चों में देखा जा सकता है, जिन्हें मैंने बातचीत के लिए अंग्रेजी में बोलने के लिए चुना! (बॉक्स देखें)

स्कूल के पास अब एक बढ़िया, नई रसोई है और एक सुरक्षित भंडारण क्षेत्र जहाँ भोजन के लिए खाद्य सामग्री स्टेनलेस स्टील के कंटेनरों में रखी जाती है। भोजन की गुणवत्ता के बारे में क्लब के अध्यक्ष कुमार कहते हैं कि कई अन्य स्कूलों में इसकी समस्या थी, ''लेकिन यहां समस्या केवल सफाई की थी क्योंकि रसोई की स्थिति वास्तव में खराब थी। लेकिन अब हमारी रसोई उच्च श्रेणी की है - हमारे क्लब के पूर्व अध्यक्ष ताज होटल्स में काम करते हैं, और पिछले दिनों वह स्कूल के बगीचे में फल वाले पेड़ लगाने के लिए एक टीम के साथ आए थे। उन्होंने कहा, मयह रसोई हमारी रसोई के समकक्ष है!''

क्लब के सचिव सुनील गोयल ने बताया कि छोटे बच्चों की कक्षाओं में बहुत ज्यादा सिविल कार्य की आवश्यकता नहीं थी, बस वहां रंग रोगन कर सुसज्जित करना था, लेकिन बड़ी कक्षाओं के लिए हमने छत, दीवारें, खिड़कियाँ, प्रकाश व्यवस्था कर यहां नया फर्नीचर लगाया है।

चमकीले रंगों में - चटख हरा और लाल प्रमुख हैं - रोटेरियन बताते हैं कि इस क्षेत्र में बहुसंख्यक लोग बडागास के समुदाय है और उन्हें चमकीले रंग पसंद हैं, खासकर जब यहाँ मौसम उदास और नीरस रहता है। रंगों का चयन प्रधानाध्यापिका और शिक्षकों ने किया था,फ्फ़ क्लब प्रशासक शीला भसीन कहती हैं।

क्लब के एक सदस्य सिविल इंजीनियर हैं उन्होंने सभी आठ कक्षाओं, रसोईघर, शौचालय और ढके हुए भोजन क्षेत्र के नवीनीकरण का जिम्मा उठाया। दीपिका बताती हैं कि लड़कियों के लिए पानी की उपलब्धता के साथ एक साफ सुथरा पृथक शौचालय प्रदान करना उनका प्रमुख उद्देश्य था, ताकि किशोरावस्था प्राप्त कर रही लड़कियों को स्कूल छोड़ने से रोका जा सके, जैसा कि कई भारतीय गांवों में होता है।

एक दिलचस्प बात है, जिस जमीन पर 1967 में स्कूल का निर्माण किया गया था, वो एक रोटेरियन ने दान की थी। प्रधानाध्यापिका राधा कृष्णराज का कहना है कि पहले ये स्कूल केवल आठवीं कक्षा तक था और सिर्फ 41 बच्चे पढ़ते थे, लेकिन इसके पुनरुद्धार के बाद, एक

माता–पिता अपने बच्चों को प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं और हर आधे किमी पर आपको एक ऐसा स्कूल मिल जाएगा। मेरे ड्राइवर की बेटी ने एक संभ्रांत स्कूल में एलकेजी में दाखिला लिया वहां उस की फीस लगभग ₹40,000 प्रति वर्ष है।

पूर्व अध्यक्ष **विजय डार**

अंग्रेजी शिक्षक की नियुक्ति की गई, यहां बच्चों के लिए डेस्कटॉप और लैपटॉप सहित एक नई कंप्यूटर लैब भी है जिसके बाद यह संख्या बढ़ कर 68 पहुँच गई है। स्कूल के सबसे लोकप्रिय कमरों में से एक है यह कमरा जहां विज्ञान-सह-कंप्यूटर शिक्षक विजयलक्ष्मी बच्चों को कंप्यूटर के बारे में पढ़ा रही हैं। करीब एक दर्जन लड़के और लडकियां अपने लैपटॉप और डेस्कटॉप में व्यस्त थे - कुछ डेस्कटॉप स्कूल में पहले से उपलब्ध थे जो काम नहीं कर रहे थे और रोटेरियन ने उन्हें ठीक करवाया साथ ही कुछ नई मशीनें और भी जोड़ीं थीं।

वास्तव में इस जीवंत कमरे ने यहां के लोगों को अधिक आकर्षित किया है, धीरे-धीरे वो अपने बच्चों को इस स्कूल में भेजने के लिए प्रेरित हुए है। शिक्षकों द्वारा स्थानीय लोगों से अपने स्कूल में हुए बड़े परिवर्तन के बारे में चर्चा करने से भी संख्या बढ़ी है।

खन्ना बताते हैं, स्कूल में एक स्मार्टबोर्ड भी था जो काम नहीं कर रहा था, और हमने उसे ठीक करवा दिया और अब बच्चों के लिए इस पर कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। अन्य रोटेरियन ने मज़ाक में कहते हैं कि प्रोजेक्ट करने के दौरान वो भी स्कूल में भर्ती हो गए थे! पुस्तकालय में भी बहुत हलचल है और बच्चे किताबों में खोए हुए हैं। रोटेरियनों ने बच्चों के लिए चमकीले पीले रंग की पोशाकें बनवायी हैं, जिनमें रोटरी व्हील के साथ-साथ जूते भी प्रमुखता से चिन्हित हैं।

मैं छात्रों की किताबें पढ़ते हुए तस्वीरें खींच रही हूं या अपने कंप्यूटर स्क्रीन पर अंग्रेजी और तमिल में लिखते हुए, उसी समय एयर कमोडोर ने बताया कि पहले एक शिक्षक एक साथ तीन कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाता था, जैसे कि कक्षा 4, 5, और 6 के बच्चों को।

''पहली पंक्ति में कक्षा 4 के बच्चे दूसरी पंक्ति में कक्षा 5 के बच्चे होते थे और इसी प्रकार, आप सोचकर ही सिहर जाते हैं कि इन बच्चों को पहले कैसी शिक्षा मिलती होगी।'' कश्मीर से आये विजय डार बताते हैं कि कश्मीर के सरकारी स्कूलों में यह आज भी आम बात है। वह कहते हैं, ''कक्षा 4,5 और 6 के बच्चे एक ही कमरे में पढ़ते हैं।''

असल में, नीलगिरी में समस्या स्कूलों की संख्या नहीं है, वो तो बहुत हैं ; लेकिन समस्या बुनियादी ढांचे, स्कूलों की दयनीय स्थिति और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता की है। राधा का अनुमान है कि नीलगिरी जिले में 600 से अधिक सरकारी स्कूल हैं (3-4 किमी की परिधि में आपको 10 स्कूल मिल जाएंगे), डार टिप्पणी करते हैं: लेकिन अफ़सोस इस बात का है कि उनमें से कुछ में तो बच्चे ही नहीं हैं। क्योंकि माता-पिता अपने बच्चों को प्राइवेट इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं और हर आधे किमी पर आपको एक ऐसा स्कूल मिल जाएगा। इसीलिए हमने यहां एक अंग्रेजी शिक्षक नियुक्त किया है।फ़

उन्होंने मुझसे साझा किया कि हाल ही में मेरे ड्राइवर की बेटी ने एक संभ्रांत स्कूल में एलकेजी में दाखिला लिया वहां उस की फीस लगभग ₹40,000 प्रति वर्ष है और वह मदद के लिए मेरे पास आई थी। मैंने उसे कहा की लड़की को पढ़ने यहां भेज दो लेकिन मैं उसे नहीं समझा सका। स्कूल के नाम से काफी फर्क पड़ता है।

अधिकांश सरकारी स्कूलों के विपरीत, इस पंचायत स्कूल में एक अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए) सक्रिय है, जिसमें स्कूल के बुनियादी ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता दोनों में हुए भारी परिवर्तन और सुधार के बाद और भी अधिक जोश आ गया है। सरकार ने पाँच शिक्षकों की

नीलगिरी जिले में 600 से अधिक सरकारी स्कूल हैं, 3–4 किमी की परिधि में आपको 10 स्कूल मिल जाएंगे।

प्रधानाध्यापिका **राधा कृष्णराज**

नियुक्ति की थी ''लेकिन अगर छात्रों को सही तरीके से अच्छी शिक्षा प्राप्त करनी है तो अधिक शिक्षकों की आवश्यकता थी। क्या आप कल्पना कर सकते हैं... अधिक शिक्षकों की नियुक्ति करने के लिए यहां के सभी शिक्षक आगे आए और अपने वेतन से एक राशि का योगदान दिया! अब माता-पिता ने भी स्वेच्छा से प्रति बच्चा ₹100 का योगदान देने का निर्णय लिया है ताकि और अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की जा सके।''

वो बोले कि ₹68,000 प्रति माह एक बड़ी राशि है और पीटीए निश्चित करेगी कि इस राशि का उपयोग कहाँ और कैसे किया जाए। इस स्कूल के रख-रखाव के लिए सरकार की तरफ से वार्षिक सिर्फ ₹ 22,000 दिए जाते हैं। ''यह रुपये इमारत के रखरखाव, बल्ब बदलने, लीक हो रहे नल को ठीक करने और बाकी कामों के लिए दिया जाता है। लेकिन स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ने के बाद, हमारा अनुमान है कि जब ये 80 के पार हो जाएगी तो एक और शिक्षक नियुक्त किया जाएगा,'' खन्ना ने बताया। जहां हमारा क्लब अंग्रेजी शिक्षक का वेतन देता है, वहीं कंप्यूटर शिक्षक का वेतन क्लब के एक सदस्य के अमेरिका निवासी भाई द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

अब तो इस पंचायत स्कूल का परिदृश्य पूरी तरह से परिवर्तित हो गया है, यहां शिक्षकों, बच्चों और अभिभावकों के उत्साह और रुचि को देखते हुए, रोटेरियनों ने कक्षा 8 के आगे बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए एक योजना बनाई है। ''यहां से बाहर जाने से पहले, हम कम से कम कुछ प्रतिभाशाली बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना चाहते थे। जबकि प्रधानाध्यापिका का विचार हर साल कक्षा 8 के बाद एक उच्च कक्षा जोड़ने का था क्योंकि स्कूल में अब आवश्यक बुनियादी ढांचा बन कर खड़ा तो हो ही चुका है, हम

बच्चों की पाठ्येतर गतिविधियों में भी बहुत रुचि है और छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच की आवश्यकता थी।

दीपिका उन्नी

कुछ और लोगों से भी संपर्क कर रहे हैं,'' खन्ना मुस्कुराते हुए कहते हैं।

हमारी योजना है कि क्षेत्र का विशिष्ट संभ्रांत वर्ग का प्रत्येक निजी स्कूल एक सरकारी स्कूल को गोद ले ले। हमारे क्लब के इंटारेक्ट स्कूल, स्टैन्स हायर सेकेंडरी स्कूल, जिसके प्रिंसिपल ग्लेन क्रोनिंग हमारे क्लब के सदस्य भी हैं, ''इस वर्ष से प्रत्येक वर्ष, वे कक्षा 9 में दो छात्रों को प्रवेश देंगे, अन्य विशिष्ट स्कूलों से भी हम ऐसी ही अपेक्षा कर रहे हैं।''

लेकिन इस बीच स्कूल की आगे की यह यात्रा अनवरत चलेगी। ''बच्चों की पाठ्येतर गतिविधियों में भी बहुत रुचि है और छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच की आवश्यकता थी। इसलिए हमने उनके लिए एक मंच का निर्माण भी किया है। हम उनकी रुचियों को भी प्रोत्साहित करना चाहते हैं और अंग्रेजी अच्छी करने के लिए हम उन्हें अंग्रेजी फिल्में दिखाएंगे, हर 30 मिनट में फिल्म रोक कर उनसे पूछेंगे कि उन्हें क्या समझ आया। प्रत्येक शुक्रवार को कुछ अलग गतिविधि आयोजित की जाएगी; जैसे कारगिल विजय दिवस पर, हमारे क्लब अध्यक्ष ग्रुप कैप्टन कुमार ने बच्चों को बताया कि कारगिल में क्या हुआ था। प्रत्येक शुक्रवार को हम ऐसा ही आयोजन करना चाहते हैं,'' दीपिका कहती हैं।

चित्र: रशीदा भगत

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

ADVT.

KLE SOCIETY

Lingaraj College Road, Belagavi, Karnataka, India

300 Institutions | 18000+ Faculty | 138000+ Students | 4000+ Healthcare Beds

JOIN OUR
WEBINAR

Monday September 4 7 PM IST

REGISTER NOW
XUSOM.COM/INDIA/

Tuesday September 12 7 PM IST

6 YEARS
PRE-MED TO
DOCTOR OF MEDICINE / DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE
PROGRAMME

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

Limited Seats

The session starts in September 2023

To apply, Visit:
application.xusom.com

Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712
email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR H1/J1 Visa PROGRAMME

Rotary PEOPLE OF ACTION

युगांडा में शरणार्थी बच्चों के लिए भावनात्मक कल्याण सत्र

जयश्री

रोटरी ई-क्लब ऑफ एम्पावरिंग यूथ द्वारा गूगल मीट पर आयोजित एक ड्राइंग सत्र के बाद युगांडा के बच्चों ने अपनी कलाकृति प्रदर्शित किया।

युगांडा के रोटरेक्ट क्लब नकीवले रिफ्यूजी सेटलमेंट ने रोटरी ई-क्लब ऑफ एम्पावरिंग यूथ, रो ई मंडल 3132 के *प्रोजेक्ट माइंडस्ट्रॉन्ग* के तहत आयोजित एक मानसिक कल्याण कार्यक्रम के लिए 10-16 आयु वर्ग के 25 शरणार्थी बच्चों की पहचान की। मेजबान क्लब की सदस्य संगीता चंद्रन ने गूगल मीट पर इस 90 मिनट के संवादात्मक सत्र की मेजबानी की। उन्होंने बच्चों को कहानी कहने और चित्रकला सत्रों में व्यस्त रखा। संगीता कहती हैं, ''शरणार्थी शिविर में होना कठिन हो सकता है। लेकिन इन सत्रों ने बच्चों को खुशी के पल दिए। वे सभी जोशपूर्ण, उत्सुक और उत्साही थे।''

इस परियोजना की शुरुआत ई-क्लब के सदस्य बिंदु शिरसथ ने रोटरेक्ट क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन एरिक मुपिका के साथ बातचीत के बाद की जिसके लिए वह कहते हैं, ''शायद शरणार्थी शिविर में दुनिया की पहली रोटरी इकाई है। हमारे क्लब में युवा शरणार्थी हैं जो हमारे बंदोबस्त को सभी के लिए बेहतर और अधिक आरामदायक बनाना चाहते हैं।'' मुपिका कांगो के एक शरणार्थी और क्लब के चार्टर सदस्य हैं। वह बच्चों और वयस्कों को योगा सिखाते हैं और खाने के तेल एवं हस्तशिल्प के खुदरा विक्रेता हैं।

''हमारा ध्यान मुख्य रूप से मानसिक स्वास्थ्य पहल पर है। इसलिए, जब एरिक ने शरणार्थी बच्चों के बीच खुशी और सकारात्मकता फैलाने पर चर्चा की तो हमने *प्रोजेक्ट माइंडस्ट्रॉन्ग* तैयार किया,'' बिन्दु यह कहते हुए एक सत्र को याद करती हैं जिसमें बच्चों को इमोजी के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त करना था। ''हालांकि उनमें से ज्यादातर ने मखुशीफ वाली इमोजी दिखाए लेकिन जिन बच्चों ने 'गुस्सा' और 'उदासी' वाले इमोजी दिखाएं ''उन्होंने हमारे दिल को झकझोर दिया और वहाँ एक छोटा लड़का था जिसने 'मुझे शांति चाहिए' लिखी एक तख्ती दिखाई।''

क्रोध प्रबंधन पर एक सत्र, जिसका शीर्षक था 'जब मुझे बहुत गुस्सा आए तो क्या करना चाहिए?'

नकीवले रोटरेक्ट क्लब

नकीवले शरणार्थी बस्ती दक्षिण-पश्चिम युगांडा में तंजानिया की सीमा से लगे इसिंगिरो जिले में है। मुपिका कहती हैं कि रोटरेक्ट क्लब नकीवले रेफ्यूजी सेटल्मन्ट के गठन में स्वर्गीय सैम ओवोरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तत्कालीन आरआईपीएन के रूप में, ओवोरी ने एक कार्यक्रम में भाग लिया जहाँ उस बंदोबस्त के 13 युवा शरणार्थियों को समुदाय की मदद करने हेतु उनके परियोजना विचारों के लिए अमेरिकन रेफ्यूजी कमिटी (ARC) द्वारा सम्मानित किया गया था। उनके उत्साह और दृढ़ संकल्प से प्रभावित होकर उन्होंने उन्हें एक रोटरेक्ट क्लब में संगठित करने का सुझाव दिया। इस प्रकार 2017 में रोटरी क्लब किटवाटुले और मबारारा, युगांडा और रोजविले, यूएसए और ARC के समर्थन से इस क्लब का जन्म हुआ।

''जब शरणार्थी अपने देश को छोड़ते हैं तो वे अक्सर अपना सामान छोड़कर केवल अपने पहने हुए कपड़ों के साथ ही किसी शिविर में पहुंचते हैं। नकीवले बंदोबस्त में प्रवेश का पहला रास्ता रीसेप्शन सेंटर है जहाँ वे हफ्तों तक रहते हैं। शुरुआती दिन कठिन होते हैं क्योंकि वे यहाँ किसी भी सेवा का उपभोग नहीं कर पाते। इसलिए हम उन्हें ARC के समर्थन से अतिरिक्त कपड़े और अन्य आवश्यक चीजें देकर सहज महसूस करवाते हैं,'' मुपिका समझाते है।

रोटरेक्टर एरिक मुपिका शरणार्थी बस्ती में बच्चों का मनोरंजन करते हुए।

युगांडा रोटरेक्ट क्लब में 22 सदस्य है और यह वर्तमान में सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण और अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र के लिए सिलाई मशीनों की खरीद पर काम कर रहा है। ''हम महिलाओं को उनकी आय बढ़ाने के लिए सिलाई में प्रशिक्षित करना चाहते हैं; वे अपने ग्राहकों के लिए कपड़े सिलने हेतु हमारे केंद्र की सिलाई मशीनों का भी उपयोग कर सकते हैं,'' मुपिका कहते हैं।

प्रोजेक्ट माइंडस्ट्रॉन्ग ने बच्चों को भावनात्मक रूप से परिपक्व होने में मदद की और ''मैंने देखा कि वे सभी मेजबान क्लब के रोटेरियनों के साथ बातचीत करके कितने खुश थे। बाद में, उनमें से कई मेरे पास बहुत सारे सवालों के साथ आए कि खुद को कैसे व्यावहारिक रखें और कठिन परिस्थितियों में अपना आपा ना खोये। उनके माता-पिता ने मुझे उस अद्भुत कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया।''■

का जिक्र करते हुए संगीता कहती है कि गुस्से से जुड़े मुद्दों को संबोधित करना बेहद ज़रूरी है, खासकर किशोरों में। ''ये बच्चे एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहाँ वे बहुत अन्याय देखते हैं और कुकर्मों को रोकने की असमर्थता उनके बाद के जीवन में हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देती है।'' मुपिका इस बात से सहमत हैं कि ''यह एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान विषय है। इससे उन्हें गुस्सा दिलाने वाले कारकों को पहचानकर स्वयं को दूसरे व्यक्ति की जगह पर रखने का परिज्ञान प्राप्त हुआ। यह सत्र विशेष रूप से किशोर समूह के अनुकूल था, जिनमें से अधिकांश मानसिक आघात से जूझते है।''

संगीता एक इंटीग्रेटेड थेरेपी काउंसलर हैं और टीसीएस में वेलनेस डिपार्टमेंट की प्रमुख हैं। ''मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती है, खासकर युवाओं के लिए। हम नियमित रूप से भावनात्मक कल्याण कार्यक्रम आयोजित करते हैं ताकि उन्हें चिंता, अवसाद और क्रोध को समझने और उन्हें दूर करके एक सकारात्मक विचारधारा विकसित करने में मदद मिल सकें।'' बिंदु आगे कहती हैं, ''हम MSW के विद्यार्थियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भावनात्मक सहायक के रूप में स्वयंसेवा देने हेतु भी प्रशिक्षित करते हैं। वे स्कूलों, कॉलेजों और PHCयों का दौरा करते हैं ताकि मानसिक अस्थिरता वाले लोगों की पहचान करके उन्हें भावनात्मक सहायता प्रदान की जा सकें।''

पिछले साल अधिकृत किए गए ई-क्लब में वर्तमान में 12 सदस्य हैं जिनमें दो सदस्य कनाडा और अमेरिका से हैं। वह आगे कहती हैं, ''जैसा कि हमारे क्लब के नाम से पता चलता है, हम केवल युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम करते हैं।'' क्लब ने इस कार्यक्रम के दौरान शरणार्थी बच्चों को किताबें, कापियाँ, स्टेशनरी आइटम, कला सामग्री और जलपान प्रदान करने के लिए युगांडा के रोटरेक्ट क्लब को धनराशि हस्तांतरित की। इस साल रोटेरियन इस बंदोबस्त की महिलाओं के लिए सिलाई मशीनें खरीदने हेतु धनराशि प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। लेकिन, ''अफ्रीकी देश में धन हस्तांतरित करना इतना आसान नहीं है और हस्तांतरण शुल्क बहुत अधिक हैं। बिंदू कहती हैं, रोटरेकटरों तक पैसा पहुंचने में लगभग 10 दिन लगते हैं,'' बिन्दु कहती है।■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब बिलासपुर महिला कैदियों के उदास जीवन में खुशहाली लाता है

रशीदा भगत

वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना के समय से ही वहाँ वकालत करने वाली वकील हमीदा सिद्दीकी जो रोटरी क्लब बिलासपुर, रो ई मंडल 3261 की पूर्व अध्यक्ष भी है, को बिलासपुर की केंद्रीय जेल का दौरा करने के पर्याप्त अवसर मिले। यहाँ उन्होंने देखा कि अधिकांश महिला कैदी - कुल मिलाकर 208 - अवसाद की स्थिति में थीं और 6 वर्ष से कम उम्र के छोटे बच्चे, ''जिन्हें उनके साथ रहने की अनुमति है, बेहद दुखी हैं और मौलिक मानवाधिकारों से वंचित हैं।''

सेंट्रल जेल में इतनी सारी नकारात्मक बातें... तीव्र अवसाद, कष्ट, दर्द, दुख और सामान्य असंतोष होने के बाद भी वह उन तरीकों के बारे में सोचने लगी जिनसे इन दुर्भाग्यपूर्ण महिलाओं और बच्चों के जीवन में कुछ खुशी लायी जा सकें।

इस प्रकार *प्रोजेक्ट खुशी* का जन्म हुआ।

रोटरी न्यूज़ से बात करते हुए हमीदा ने कहा कि बिलासपुर जेल में अधिकांश महिला कैदी हत्या के अपराध में यहाँ पर हैं और जेल की नियमावली के अनुसार उनके 6 साल से छोटे बच्चों को उनके साथ रहने की अनुमति है; तथा बड़े बच्चों को पास में स्थित एक सुविधाजनक जगह पर रखा जाता है जिसकी देखभाल एक एनजीओ द्वारा की जाती है। यहाँ पर छोटे बच्चों की संख्या 20 हैं और बड़े बच्चों की संख्या 13 है।

महिला कैदियों के मनोरंजन के लिए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन।

वह समझाती हैं कि आम तौर पर जेल के अंदर जाना और कैदियों व उनके बच्चों के साथ बातचीत करना आसान नहीं होता। लेकिन चूंकि वह एक वकील है और छत्तीसगढ़ राज्य की उप-महाधिवक्ता हैं इसलिए उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (CSLSA) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी से संपर्क करके उनसे चर्चा की कि रोटरी क्लब बिलासपुर के अध्यक्ष के रूप में ''अपने कार्यकाल के दौरान मैं जेल के कैदियों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना चाहती हूँ जिसमें... ये औरतें और विशेष रूप से उनके बच्चे शामिल होंगे। जिसके अंतर्गत गाने और नृत्य करने, नुक्कड़ नाटक देखने, रंगोली बनाने, कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, प्रदर्शन करने, चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लेने आदि के अवसरों के माध्यम से उनके निराशाजनक जीवन में थोड़ी खुशियाँ लाने में मदद मिलेगी। इसके पीछे विचार बस यह है कि कम से कम एक या दो दिन के लिए ही उनके उदास जीवन में थोड़ी प्रसन्नता लाई जा सकें,'' हमीदा याद करती है।

न्यायाधीश ने तुरंत ही उन्हें जेल परिसर में इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करने की स्वीकृति दे दी। वह कहती हैं इस परियोजना का विवरण देने से पहले उन गंभीर परिस्थितियों को समझना महत्वपूर्ण है जिनके तहत उनमें से अधिकांश महिलाओं ने अपने पति की हत्या करने जैसा गंभीर अपराध किया। लंबे समय तक उनमें से अधिकांश औरतों ने अपने पतियों और परिवार के सदस्यों द्वारा उन पर किए गए अत्याचारों को चुपचाप असहाय रूप से सहा। उन्हें नशे में धुत होकर घर आने वाले अपने पतियों की क्रूरता और शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ा; ''वे न ही अपने बच्चों की देखभाल करते और ना ही घर में बच्चों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते।'' अक्सर, वह महिला पूरी तरह से निराश होने पर उस आदमी को मार देती जिसके हाथों उसने इस तरह की यातना झेली। चूंकि इन बच्चों की देखभाल के लिए उनके परिवार का कोई सदस्य आगे नहीं आता इसलिए मजबूरन उन्हें अपनी माताओं के साथ जेल में ही रहना पड़ता हैं, भले ही कानूनी रूप से वे कैदी नहीं होते।

लेकिन वास्तव में ये बच्चे एक पिंजरे में बंद जीव जैसे हैं, जो एक ऐसे वातावरण में बड़े हो रहे हैं जिसमें किसी भी बच्चे को नहीं होना चाहिए। ''मैंने कुछ बड़ी उम्र की लड़कियों के साथ बातचीत की जो इतनी उदास हैं कि वे आपको पूरी तरह से भावशून्य दृष्टि से देखती हैं... और

मैंने कुछ बड़ी उम्र की लड़कियों के साथ बातचीत की जो इतनी उदास हैं कि वे आपको पूरी तरह से भावशून्य दृष्टि से देखती हैं...और आप उनसे चाहे जो भी बोले उनके लिए सबकुछ निरर्थक है।

हमीदा सिद्दीकी
IPP, रोटरी क्लब बिलासपुर

आप उनसे चाहे जो भी बोले उनके लिए सबकुछ निरर्थक है,'' वह कहती है।

यह पूछे जाने पर कि क्या अवसाद ग्रस्त महिलाओं और बच्चों के पास मनोवैज्ञानिक परामर्श की सुविधा नहीं है, वह व्यंग्यपूर्वक मुस्कुराते हुए कहती हैं: ''हां, तकनीकी रूप से यह सब उपलब्ध है लेकिन यह अधिकतर यांत्रिक रूप से होता है और जैसी देखभाल माता-पिता कर सकते है उसका कोई मुकाबला नहीं है। केवल संवेदनशील आंखें ही इसे देख सकती हैं; यदि आप यहाँ मौजूद अवसाद को देख ही नहीं सकते तो आप किसी को राहत या उपचार कैसे देंगे?''

वडंबना यह है कि पुरुष कैदी महिलाओं की अपेक्षा खुश हैं। उन्हें हंसते-मुस्कुराते और मस्ती करते हुए देखा जा सकता हैं, लेकिन महिला वर्ग की अनदेखी की जाती है और वे प्रत्यक्ष रूप से नाखुश दिखाई देती हैं।

यह सब देखते हुए हमीदा ने अपने क्लब के सदस्यों के सामने दो दिवसीय *प्रोजेक्ट खुशी* की योजना तैयार करके उसे निष्पादित करने का विचार रखा। हमीदा ने व्यक्तिगत रूप से धन का आयोजन किया और क्लब के कई सदस्यों ने कपड़े, बच्चों के लिए उपहार, चित्रकला और रंगाई प्रतियोगिताओं के लिए स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामग्रियाँ उपहार में देकर इस कार्यक्रम का समर्थन किया, बिलासपुर केंद्रीय जेल मई में इन दो दिनों के लिए पूरी तरह से बदल गई।

''जेल को रोशनी और फूलों से ऐसा सजाया गया जैसे कि वहाँ कोई शादी समारोह हो रहा हो।

महिला कैदियों ने अपनी गायन कला का प्रदर्शन किया।

उन महिलाओं के चेहरे की खुशी देखने लायक थी; चूंकि उन लोगों ने गंभीर अपराध किए थे इसलिए हम उन्हें बाहर नहीं ले जा सकते थे लेकिन हम उनके दुख, उदासी तथा अवसाद से भरे और भविष्य के लिए ना के बराबर उम्मीद वाले जीवन में निश्चित रूप से दो दिनों की खुशी ला सकते थे।''

यह दावा करते हुए कि भारत की किसी भी जेल में यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था, हमीदा कहती हैं कि महिलाओं की पूरी कोठरी को रोशन करके चमकीले रंगों में सजाया गया। दिन की शुरुआत योगा और ध्यान सत्र से हुई। महिलाओं ने गायन, नृत्य, मेहंदी लगाने और रंगोली बनाने जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, ''और हम उनकी प्रतिभाओं को देखकर आश्चर्यचकित थे, खासकर गायन और नृत्य में।''

बच्चों ने बहुत मज़ा और मस्ती की। उन्होंने नृत्य, चित्रकला, रेखाचित्रण, कंचा दौड़ और फैंसी-ड्रेस प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया। दूसरे दिन उन्होंने कठपुतली और जादू के शो का पूरा आनंद लिया। महिलाओं और बच्चों को सिलाई मशीनें, किताबें, अध्ययन सामग्री, स्टेशनरी और क्रेयॉन, बॉल, बैट, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन रैकेट आदि वितरित किए गए। बच्चों और महिलाओं के लिए एक छोटा सा पुस्तकालय भी स्थापित किया गया।

कैदियों के बच्चों द्वारा एक फैंसी ड्रेस कार्यक्रम।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के बिहेव्यर्स क्लब द्वारा अवसाद और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से जुड़े गंभीर मुद्दे पर एक नाटक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायमूर्ति भादुड़ी ने की और इसमें पुलिस और जेल अधीक्षक दोनों ने भाग लिया।

लेकिन क्या यह एक बार का कार्यक्रम है और बच्चों के भविष्य का क्या, मैंने हमीदा

रोटरी क्लब बिलासपुर की आईपीपी हमीदा सिद्दीकी ने छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सीएसएलएसए) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी की उपस्थिति में महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की।

योग और ध्यान सत्र।

से पूछा। ''मैं इस साल भी इस परियोजना को दोहराना पसंद करूंगी और इसके लिए मैं इस वर्ष के क्लब नेताओं के साथ चर्चा कर रही हूँ। बहुत अच्छा होगा अगर यह कार्यक्रम सदैव आयोजित होता रहे, इन महिलाओं को वाकई इस तरह के कार्यक्रम की आवश्यकता है। हमने उन्हें एक हारमोनियम भी उपहार में दिया ताकि उनका कुछ मनोरंजन हो सकें।''

हमीदा फिर लिंग भेदभाव से जुड़ी एक घटना का वर्णन करती है। ''विडंबना यह है कि पुरुष कैदी महिलाओं की अपेक्षा खुश हैं। उनके पास बहुत सी चीजें हैं... सिलाई मशीन, हारमोनियम आदि और उन्हें हंसते-मुस्कुराते और मस्ती करते हुए देखा जा सकता हैं, लेकिन महिला वर्ग की अनदेखी की जाती है और वे प्रत्यक्ष रूप से नाखुश दिखाई देती हैं। मैं तीन बेटियों की मां हूँ। महिलाओं के मुद्दे मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं,'' वह आगे कहती है।

यह वकील अब सोच रही है कि पास की इमारत में रहने वाले और एक गैर सरकारी संगठन द्वारा देखभाल किए जाने वाले बड़े बच्चों की मदद कैसे की जाए। वह बड़े बच्चों की सहायता करने

भावनात्मक रूप से बच्चे बहुत भ्रमित हैं... हर कोई आता है और उन्हें कुछ देकर चला जाता है। हमेशा लोगों से चीजें लेने में कोई सम्मान नहीं होता। उन्हें गरिमामय तरीके से जीना आना चाहिए।

की कोशिश कर रही है; यहाँ से कुछ बच्चों को बाहर निकालकर उन्हें नियमित छात्रावासों और विद्यालयों में डालने की। वे अपनी उत्पत्ति या जड़ों से अवगत नहीं हैं; उन्हें नहीं पता कि वे किस धर्म और समुदाय से संबंधित हैं। ''मैं ये नहीं कह रही हूँ कि धार्मिक विभाजन अच्छा है लेकिन खुद की पहचान होना और अपनी जड़ों को जानना अच्छा होता है। भावनात्मक रूप से वे बहुत भ्रमित हैं... हर कोई आता है और उन्हें कुछ देकर चला जाता है। हमेशा लोगों से चीजें लेने में कोई सम्मान नहीं होता। उन्हें गरिमामय तरीके से जीना आना चाहिए... छात्रावास या आवासीय विद्यालय में।''

हमीदा आगे कहती हैं, ''माता-पिता के बिना बच्चों का जीवन पूरी तरह से अलग होता है। उनके पास भावनात्मक जुड़ाव की कमी होती है क्योंकि उनका किसी से कोई भावनात्मक संबंध नहीं होता; भौतिक रूप से उनके पास भोजन, नींद, किताबें तो होती है लेकिन देखभाल, स्नेह और सुरक्षा के अभाव में उनके भावी अपराधी होने की संभावना बढ़ जाती है। हम जानते हैं कि सभी क्रमिक हत्यारों का बचपन बहुत खराब रहा है।''

आगे का काम चुनौतीपूर्ण है लेकिन उन्हें खुशी है कि कम से कम दो दिनों के लिए ही क्लब इन महिलाओं को खुश करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, ''मीडिया ने इस कार्यक्रम को व्यापक कवरेज दिया और महिलाएं बहुत खुश थीं। मुझे तब बहुत खुशी हुई जब उनमें से एक

न्यायमूर्ति भादुड़ी और हमीदा ने महिला कैदियों द्वारा बनाई गई रंगोली का आनंद लिया।

ने कहा 'आप ने हमारे लिए इतना सोचा, हम आपका शुक्रिया अदा नहीं कर सकते।' मीडिया कवरेज को देखते हुए एक अन्य ने कहा, 'आप ने हमें इतनी इज्जत दी की हम अखबार में आए।' हम उन महिलाओं की मदद हेतु ज्यादा कुछ तो नहीं कर सकते जिनकी जमानत खारिज कर दी गई है... उनमें से कुछ 14 साल से यहाँ हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि इस परियोजना के माध्यम से हमारा क्लब उन लोगों को थोड़ा सम्मानित महसूस करवा पाया जो अपनी पहचान खो चुके थे।''

चलिए एक मुस्कान के साथ इस लेख को समाप्त करते हैं। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के दौरान इन बच्चों में से एक ने विलंबित न्याय पर एक हिंदी फिल्म के प्रसिद्ध दृश्य के शानदार संवाद का अभिनय किया: *तारीख पे तारीख; कोर्ट में यही मिलता है, मगर इंसाफ नहीं मिलता।* इस पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति भादुड़ी हंसने लगे! ■

परोपकार की एक यात्रा

राजेन्द्र साबू

एक रोटेरियन के रूप में मेरी यात्रा को कई लोगों ने प्रभावित किया है। कुछ अनुभवी और बुद्धिमान लोगों ने मेरा मार्गदर्शन किया, अन्य ने उदारता से दान दिया। आज पीछे मुड़ कर जब मैं अपने जीवन के अस्सी वर्षों पर नज़र डालता हूं, तो मैं सोच भी नहीं सकता कि मेरे जन्म स्थल बिड़लापुर ने मेरे जीवन में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां से पहले मैं अपने काम के सिलसिले में कलकत्ता गया और वहां से अपनी कर्मभूमि चंडीगढ़ जा पहुंचा।

मुझे एक प्रसिद्ध उद्योगपति और स्वतंत्रता सेनानी जीडी बिड़ला के निकट रह कर सार्थक संबंध बनाने का सौभाग्य मिला है। बिरलापुर में जन्म लेने और बिड़ला जूट मिल्स में अपने पिता के उच्च पदासीन होने के कारण मैं बिड़ला परिवार के साथ सहजता से जुड़ गया था। ये उस समय की बात है जब मैं कलकत्ता में हिंदुस्तान मोटर्स में कार्य करता था, मैं पहली बार बीएम बिड़ला से मिला जो बिड़ला भाइयों में सबसे छोटे थे, जिन्होंने नवीन लेखा प्रणाली का अमूल्य ज्ञान दिया।

जब मैंने अपनी व्यावसायिक यात्रा शुरू की, मैं हिंद मोटर्स में लौट आया और इंडियन कार्ड यार्न विनिर्माण के साथ जुड़ गया। इस दौरान, बिड़ला पार्क में आदित्य विक्रम बिड़ला और सुदर्शन बिड़ला दोनों के साथ खूब क्रिकेट खेला। हमारी घनिष्ठता बढ़ती गयी और कालान्तर में वो मित्रता और प्रगाढ़ हुई।

पिलानी और कलकत्ता से चंडीगढ़: काम और सामाजिक सेवा का जीवन जीडी बिरला के मार्गदर्शन में, मंडेलिया के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में सेवा करते हुए मेरे पिता ने रेनुकोट में हिंदुस्तान एल्यूमीनियम लिमिटेड की स्थापना की।

1960 में, जब मैंने चंडीगढ़ में अपने सुई निर्माण कारखाने, ग्रोज़ बेकर्ट साबू की स्थापना की तो भाग्य ने मुझे एक अद्भुत अवसर दिया, जीडी बिड़ला स्वयं मेरे ससुर मंडेलिया और मेरे पिता साबू के साथ कारखाने आये थे। जीडी बिड़ला ने चंडीगढ़ कारखाने के अलावा भी मेरे प्रयासों में एक वास्तविक रुचि दिखाई। जब मैंने रोटरी से अपने जुड़ाव का ज़िक्र किया, तब तो उन्होंने साफ़ कह दिया कि मैं अपना समय खराब कर

पीआरआईपी राजेंद्र साबू एनआईडी के दौरान एक बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाने में आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला की मदद करते हैं। राजश्री के पीछे पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी की पत्नी बिनोटा नजर आ रही हैं।

रहा था। हालांकि, जब मैंने उन्हें रोटरी अंतर्राष्ट्रीय निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति की जानकारी दी, तब उनका दृष्टिकोण बदला और उन्होंने मुझे शीर्ष का लक्ष्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वर्गीय जीडी बिड़ला, महात्मा गांधी से प्रभावित थे, उन्होंने गाँधी जी की न्यास प्रणाली (ट्रस्टीशिप) की अवधारणा को आत्मसात किया जो कि व्यापारिक लाभ कमाने से कहीं अधिक है। बिड़ला समूह का उद्देश्य अप्रयुक्त संसाधनों को विकसित करना, शिक्षा को बढ़ावा देना और एक नए, स्वतंत्र भारत के निर्माण में योगदान देना था। इस प्रतिबद्धता के अंतर्गत, बिड़ला समूह के मुनाफे का एक भाग सार्थक कल्याण गतिविधियों और समाज सुधार सेवा में पुनर्निवेशित किया जाता था।

1991-92 में रो ई अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान, मुझे आदित्य बिड़ला और उनकी पत्नी राजश्री बिड़ला से मिलने का सौभाग्य मिला, जिन्होंने परिवार की परोपकारी परंपरा को जारी रखा। 2008 में वो शिकागो आये थे और शैक्षिक प्रयासों के लिए रोटरी फाउंडेशन को 300,000 डॉलर का दान दिया था। इसके बाद, मैंने उनसे पोलियो उन्मूलन के लिए जीडी बिड़ला की स्मृति में 1 मिलियन डॉलर दान करने के लिए कहा जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

इवान्स्टन के मुख्यालय में एक रोटरी समारोह के दौरान राजश्री के दान की घोषणा की गई जहां गणमान्य रोटेरियन उपस्थित थे। अगले दिन, उन्हें सम्मानित करने के लिए एक शानदार रात्रि भोज का आयोजन किया गया, जिसमें कई प्रतिष्ठित रोटरी नेता एकत्रित हुए। ये समारोह बिड़ला परिवार की रोटरी सेवा आदर्शों के प्रति झुकाव और सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राजश्री, माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स और पीआरआईपी साबू की उपस्थिति में एक बैठक को सम्बोधित करती हुयी।

सामाजिक कार्यों के प्रति राजश्री की निष्ठा आर्थिक योगदान से कहीं अधिक थी। पुणे में उन्होंने आदित्य बिड़ला मेमोरियल अस्पताल की स्थापना की जो आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर समाज के स्वास्थ्य में योगदान करता है। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा शिविर आयोजित करने और पोलियो टीके लगाने जैसी स्वास्थ्य देखभाल में उनकी सहभागिता, समाज के लोगों का जीवन बेहतर बनाने में उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता का परिचायक है।

अपने कार्यों के माध्यम से, उन्होंने रोटरी के मूल्यों - स्वयं से ऊपर सेवा और मानवता के प्रति समर्पण का उदाहरण स्थापित किया है। मुंबई की मलिन बस्तियों में जा कर, व्यक्तिगत रूप से बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाना, सामाजिक चुनौतियों से निपटने में उनके व्यक्तिगत प्रयासों पर रोशनी डालता है।

राजश्री को उनके अद्वितीय योगदान और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डालने के अथक प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया है। वह पोलियो के विरूद्ध लड़ाई में अग्रणी रही हैं, जिन्होंने इसके उन्मूलन के लिए अभी तक कुल 15 मिलियन डॉलर का दान दिया है। 1 मिलियन डॉलर के वार्षिक योगदान से शुरुआत करते हुए, वे 2014 में भारत को पोलियो मुक्त घोषित किए जाने के बाद भी निरंतर सहयोग कर रही हैं और उन्होंने तब तक दान करते रहने की प्रतिबद्धता जताई है जब तक कि सम्पूर्ण विश्व इस बीमारी से मुक्त नहीं हो जाता।

वे आदित्य बिड़ला सेंटर फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट (एबीसीसीआईआर)की अध्यक्ष हैं और वह शिक्षा, रोजगार, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण गरीबों और शारीरिक रूप से विकलांगों की सहायतार्थ कई दान संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं की निगरानी करती हैं। एबीसीसीआईआर के ज़रिये उन्होंने थाईलैंड और मिस्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराते हुए, विश्व के 3,000 गांवों में लगभग 7 मिलियन लोगों की सहायता करके एक समेकित, उल्लेखनीय प्रभाव डाला है। ये संगठन स्कूलों, अस्पतालों का सहयोग करता है और हजारों छात्रों को शिक्षा उपलब्ध करवाता है।

पोलियो उन्मूलन के अन्यत्र राजश्री के परोपकारी कार्यों का विस्तार कई सामाजिक सरोकारों में फैला हुआ है। कन्या भ्रूण हत्या से निपटने के लिए वह पॉपुलेशन फर्स्ट जैसे संगठनों के साथ सक्रिय रूप से जुडी हुई हैं और हैबिटेट फॉर ह्यूमैनिटी की एशिया प्रशांत और वैश्विक समितियों में काफी नज़दीक रह कर कार्य करती है। वह कई भारतीय गांवों में सामाजिक वर्जनाओं को सीधी चुनौती देते हुए विधवा के पुनर्विवाह की भी वकालत करती हैं।

पहली बार इंडियन एक्सप्रेस
में प्रकाशित

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष है

मुंबई में रोटरी डाक टिकटों के एक उत्साही संग्रहकर्ता

रशीदा भगत

इस रोटेरियन को ''रोटरेक्ट में अपने 100 महीनों के कार्यकाल'' पर उतना ही गर्व है जितना उन्हें सभी पांच महाद्वीपों के 50 से अधिक देशों के फर्स्ट डे कवर के साथ रोटरी डाक टिकटों के अपने संग्रह पर है।

मिलिए रोटरी क्लब बॉम्बे सीफेस, रो ई मंडल 3141 के एक सदस्य भरत मर्चेंट से, जो पिछले 30 वर्षों से रोटरी स्टैम्प और फर्स्ट डे कवर संग्रहित कर रहे हैं। इस संगठन में इस उत्साही रोटेरियन की दिलचस्पी आधी सदी पहले से है ''जब मैं बॉम्बे रोटरेक्ट क्लब का अध्यक्ष था। मैं कॉलेज में था और बॉम्बे शहर के पहले रोटरेक्ट क्लब का संस्थापक निदेशक था और मेरे भाई संस्थापक अध्यक्ष थे।''

वह 100 महीनों तक एक रोटरेक्टर रहे। ''उस दौरान मुझे रोटरी में इतनी दिलचस्पी हुई कि मेरे कॉलेज के दिनों के बाद (जब उनकी रोटरेक्ट यात्रा समाप्त हुई) जब भी मैं या मेरा कोई दोस्त यात्रा करता था तो हम रोटरी टिकटों या फर्स्ट डे कवर के बारे में पूछताछ करते थे। लेकिन मुझे अधिक सफलता नहीं मिली, दो साल में शायद एक ही स्टाम्प/कवर मिला,'' वह कहते हैं।

बाद के वर्षों में मर्चेंट अपने व्यवसाय (एक कारखाने के मालिक) में व्यस्त हो गए और केवल 1997 में रोटरी क्लब बॉम्बे सीफेस के एक सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल हो पाए। एक पूर्ण रोटेरियन होने के नाते उन्होंने रोटरी टिकटों के लिए अपने जुनून को और अधिक लगन से पूरा करना शुरू किया; जब भी वह या उनके दोस्त विदेश यात्रा करते थे, तो वे रोटरी टिकटों की तलाश करके उन्हें खरीद लेते थे। ''लेकिन जल्द ही मुझे पता चला कि रोटरी टिकटों को संग्रहित करने का सबसे अच्छा तरीका डाक टिकट की दुकानों के माध्यम से था। बॉम्बे की डाक टिकट के दुकान के मालिकों में से एक ने मेरी रुचि को समझा और जब भी उन्हें कोई रोटरी स्टाम्प मिलता तो वह मुझे फोन कर देते और मैं तुरंत जाकर उसे

रोटरी क्लब बॉम्बे सीफेस के सदस्य भरत मर्चेंट के संग्रह से कुछ रोटरी फर्स्ट डे कवर।

ब्राज़ील से सबसे पुराना रोटरी स्टैम्प, दिनांक 10-5-48

ले लेता; स्टाम्प जितना पुराना होता उसे पाने के लिए मैं उतना ही उत्साहित रहता।''

वह ₹1,000 की महंगी कीमत चुकाते थे - यह 15-20 साल पहले के हिसाब से बहुत बड़ी राशि थी; ''कीमत वास्तव में देश और मांग पर निर्भर करती।''

मर्चेंट के उत्साही जुनून की वजह से उनके पास कम से कम 500 रोटरी स्टाम्प और 100 फर्स्ट डे कवर एकत्रित हो गए। उनके पास मौजूद सबसे

मर्चेंट अपने संग्रह के कुछ कवर के साथ।

पुराना रोटरी टिकट 1948 का है और वो ब्राजील से है (चित्र देखें)। वह बताते हैं कि ''अधिकांश रोटरी टिकट विशेष अवसरों पर जारी किए जाते हैं जैसे किसी देश में रोटरी की रजत, स्वर्ण, हीरक जयंती पर; कुछ सम्मेलनों, CoL, एवरेस्ट अभियानों और निश्चित रूप से पोलियो प्लस कार्यक्रमों के लिए जारी किए जाते हैं। 2005 में रोटरी के शताब्दी समारोह के दौरान भारत सहित अन्य देशों में सबसे अधिक रोटरी स्टाम्प जारी किए गए थे।''

स्टाम्प संग्रह में धीरे-धीरे रुचि कम होने के साथ, वह गंभीरता से ''अपना पूरा संग्रह रोटरी क्लब बॉम्बे वेस्ट को देने का विचार कर रहा हूँ। मुंबई के जुहू में एक रोटरी सर्विस सेंटर में उनकी अपनी इमारत है और वहाँ पर मेरे स्टाम्प को प्रदर्शनी में लगाया जा सकता है ताकि कई लोग इसका आनंद ले सकें।''

मर्चेंट एक उत्साही रोटेरियन है जो अब 70 वर्ष के हो चुके हैं और उन्हें इस बात से ''सबसे अधिक खुशी मिलती है कि वह रोटरी के माध्यम से समुदाय के लिए सामाजिक सेवा करने में सक्षम है। 25 वर्षों से मैं अपने क्लब का बहुत सक्रिय सदस्य रहा हूँ, हमेशा बोर्ड का एक सदस्य रहा हूँ, अध्यक्ष कभी नहीं रहा।''

यह पूछे जाने पर कि ऐसा क्यों, तो वह मुस्कुराते हुए कहते है, ''ऐसा कभी हो नहीं पाया, मगर कोई बात नहीं; रोटरी ने मुझे अपने समुदाय की सेवा करने का अवसर दिया। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। भारत में मैंने जिस भी शहर का दौरा किया, मैं कभी भी उस शहर के रोटरी क्लब की बैठक में भाग लेने और झंडे का आदान-प्रदान करने से नहीं चूका।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक दृष्टिहीन केंद्र को लैपटॉप दिया गया

टीम रोटरी न्यूज़

एक दृष्टिबाधित लड़की एनवीडीए सॉफ्टवेयर के समर्थन से लैपटॉप का उपयोग करती हुई।

रोटरी क्लब ठाणे वेस्ट, रो ई मंडल 3142, ने दृष्टिहीन छात्रों के लिए श्री एम के चौधरी मेमोरियल सेंटर डोंबिवली को नॉन-विजुअल डेस्कटॉप एक्सेस (एनवीडीए),वाला एक लैपटॉप दिया, एनवीडीए एक सॉफ्टवेयर है जो टेक्स्ट को आवाज में बदल देता है। श्री एम के चौधरी मेमोरियल सेंटर डोंबिवली,एक गैर सरकारी संगठन स्नेहांकित हेल्पलाइन द्वारा चलाई जाती है।

केंद्र को दो ब्लूटूथ, हेड फोन, कीपैड के साथ, जिन्हें एक स्मार्ट फोन से जोड़ा जा सकता है, भी दिए गए। इस सुविधा से 40 से अधिक नेत्रहीन छात्र लाभान्वित होंगे।

पूर्व अध्यक्ष सूचित गडकरी द्वारा अक्षय निधि से होने वाले आय द्वारा यह परियोजना पूरी की गई थी। लैपटॉप सौपनें के कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष श्रीरंग देशपांडे, परियोजना निदेशक साधना वेज और अन्य सदस्यों ने भाग लिया था। स्नेहांकित हेल्पलाइन की अध्यक्ष परिमाला भट्ट भी उपस्थित थीं। ■

रोटेरियन में मानवीय संवेदना होनी चाहिए: RID सुब्रमण्यन

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब रूपनगर की अध्यक्ष नमृता परमार ने टीआरएफ के लिए रु 9.84 लाख का योगदान रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन को सौंपा। पीआरआईपी राजेंद्र साबू और उनकी पत्नी उषा भी चित्र में मौजूद हैं।

रोटरी क्लब रूपनगर, रो ई मंडल 3080 की नई अध्यक्ष नम्रता परमार, के स्थापना दिवस पर रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन ने कहा- ''एक रोटेरियन की सफलता और पूर्ति का सही मापदंड पुरस्कार और मान्यता प्राप्त करने से नहीं होता है, बल्कि समुदाय में जरूरतमन्द लोगों के जीवन पर सार्थक और सकारात्मक प्रभाव डालने से होता है।'' उन्होंने व्यक्तिगत लाभ या मान्यता प्राप्त करने के बजाय दूसरों की भलाई और देखभाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होने कहा ''आइए हम मानवीय संवेदनाओं का समर्थन करें, जहां प्राथमिक लक्ष्य गरीबों की पीड़ा को कम करना और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।''

उन्होने कहा, संवेदना के साथ सेवा करना, सहानुभूति दिखाना और समुदाय के लोगों के सामने आने वाले संघर्षों और चुनौतियों को समझना एक रोटेरियन की पहचान है। एक रोटरी लीडर में दो गुण होने चाहिए- नम्रता और शालीनता। रोटरी नेतृत्व में अहंकार और अहं की कोई भूमिका नहीं है। हम सेवा के छोटे-छोटे कार्य करके जरूरतमंद लोगों में आशा जगाते हैं।

रोटेरियन को अपने संगठन के प्रति जुनूनी होना चाहिए ताकि वे अच्छा परिणाम दिखा सकें। उन्होने सभा से आग्रह किया, ''जितना संभव हो सके सेवा करें और सेवा के हर क्षेत्र में सेवा करें।'' स्थापना कार्यक्रम को आरआईपी राजेन्द्र साबू और उनकी पत्नी उषा ने भी संबोधित किया।■

डी कमारगो 2025-26 के रो ई अध्यक्ष चुने गए

ब्राजील के साओ पाउलो के रोटरी क्लब सैंटो आंद्रे के सदस्य मारियो सीज़र मार्टिंस डी कमारगो को नामांकन समिति द्वारा 2025-26 के लिए रो ई अध्यक्ष चुना है। अगर कोई अन्य उम्मीदवार उन्हें चुनौती नहीं देता है, तो वह आधिकारिक तौर पर 15 सितंबर को उम्मीदवार बन जाएंगे।

डी कमारगो ने ऊपर से नीचे तक काम करके रोटरी की सार्वजनिक छवि को और अच्छा करने की योजना बनाई है। वह कहते है, ''आज रोटरी में सदस्यों और धन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। हमें उस ब्रांड को फिर से जीवंत करने की आवश्यकता है, खासकर कुछ क्षेत्रों में। अध्यक्ष को दुनिया भर में रोटेरियनों को संबोधित करने के लिए हमें महामारी के बाद के मीटिंग उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। आइए हमारी सबसे बड़ी संपत्ति पर जोर दें: 1.4 मिलियन स्वयंसेवक।''

उन्हें नियुक्तियों और प्रशासन के क्षेत्र में भी रोटरी की प्रक्रिया में सुधार की उम्मीद है। रोटरी को स्पष्ट मानदंडों और डेटाबेस आधारित परिणामों पर स्वयंसेवकों की नियुक्ति के लिए अधिक पारदर्शी प्रणाली अपनानी चाहिए।

वह ग्राफ़िका बैंडिरेंटेस के अध्यक्ष थे और ब्राज़ील में प्रिंट उद्योग के सलाहकार रहे हैं। उन्होंने ब्राज़ीलियाई एसोसिएशन ऑफ़ ग्राफ़िक टेक्नोलॉजी और ABIGRAF, ब्राज़ीलियाई प्रिंटिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन सहित कई मुद्रण और ग्राफिक्स व्यापार संघों के अध्यक्ष और अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है।

उन्होंने अपने रोटरी क्लब द्वारा प्रायोजित एक अस्पताल कासा दा एस्पेरांका (हाउस ऑफ होप) के बोर्ड में सेवा दी है जो हर साल 150,000 विकलांग बच्चों की सेवा करता है।

डी कमारगो ने अमेरिका और जर्मनी में अपनी पढाई पूरी की और व्यवसाय प्रशासन एवं कानून में डिग्री हासिल की। 1980 से एक रोटेरियन होने के नाते, उन्होंने रोटरी में निदेशक, न्यासी, रो ई लर्निंग फैसिलिटेटर, समिति के सदस्य तथा अध्यक्ष, और टास्क फोर्स सदस्य के रूप में कार्य किया है। वह और उनकी पत्नी, डेनिस, टीआरएफ के प्रमुख दानकर्ता और बेनेफेक्टर है।

©Rotary.org

Rotary PEOPLE OF ACTION

चेन्नई में मैमोग्राफी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

वी मुत्तुकुमारन

रोई निदेशक अनिरुद्ध रायचौधरी ने चेन्नई स्थित श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (एसआरआईएचईआर) के प्रांगण से एक कैंसर स्क्रीनिंग बस को रवाना कर प्रोजेक्ट कमलम उदयार मोबाइल मैमोग्राफी सेंटर का शुभारम्भ किया। 170,000 डॉलर की ये वैश्विक अनुदान परियोजना रोटरी क्लब मद्रास वडापलानी, मद्रास वेस्ट और रोई मंडल 9685 ऑस्ट्रेलिया के द हिल्स-केलीविले संयुक्त प्रयासों से संपन्न की गई है। वाहन के लिए एक गैर-लाभकारी पारिवारिक ट्रस्ट ने भी ₹25-30 लाख का योगदान दिया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों का ज़िक्र किया, जिन्होंने पीआरआईपी शेखर मेहता को रोटरी अध्यक्ष रहते हुए अन्य राष्ट्रों की यात्रा के दौरान भारत सरकार के *पोषण अभियान,* गर्भवती महिलाओं, लड़कियों और छह साल से कम उम्र के बच्चों की सहायतार्थ सृजित एकीकृत राष्ट्रीय पोषण मिशन को प्रचारित करने का परामर्श दिया था, रॉयचौधरी ने क्लबों से महिलाओं और बच्चों की देखभाल के क्षेत्र में समाज कल्याण विभाग के साथ मिल कर 2 मिलियन डॉलर की संयुक्त पोषण परियोजना को क्रियान्वित करने का आग्रह किया।

''जिस प्रकार अफगानिस्तान, केन्या और घाना के बच्चों की सर्जरी रायपुर, बेंगलुरु और कोलकाता के अस्पतालों में की जाती है, उसी तरह श्री रामचंद्र अस्पताल में बाल एवं शिशु हृदय की सर्जरी भी की जा सकती है,'' उन्होंने कहा, और आईपीडीजी एन नंदकुमार के कार्यकाल के दौरान ₹80 करोड़ की सेवा परियोजनाएं निष्पादित करने के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रोटरी का कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट, एंड पोलियो, जिसे 1985 में शुरू किया गया था, ''इस वर्ष पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सिर्फ पांच मामलों की रिपोर्ट के साथ पोलियो के अंत के करीब है और हम अगले 3-4 वर्षों में इसे पूरी तरह से समाप्त कर देंगे।'' उन्होंने कहना था कि जाम्बिया में हाल ही में मलेरिया से लड़ने के लिए शुरू किये गए प्रोग्राम्स ऑफ स्केल प्रोजेक्ट से उस देश में मृत्यु दर में भारी कमी आई है, जिसकी लागत 6 मिलियन डॉलर है।

दो अतिरिक्त बसें

ये मैमोग्राफी बस SRIHER की तीसरी परियोजना है, पूर्व में रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल आदित्य द्वारा मार्च 2022 में कार्डियक केयर बस प्रदान करने के बाद और पीडीजी जे श्रीधर के कार्यकाल के दौरान 10 मशीनों सहित एक डायलिसिस सुविधा की स्थापना भी की गई थी, आईपीडीजी एन नंदकुमार ने कहा। अभी तक ₹2 करोड़ की लागत वाली कार्डियक केयर बस 10,000 मरीजों की जांच कर चुकी है, उन्होंने कहा और मोबाइल मैमोग्राफी परियोजना की निगरानी करने के लिए परियोजना के मुख्य समन्वयक

बाएं से: मैमोग्राफी बस के उद्घाटन पर परियोजना समन्वयक डॉ एच तमिलसेल्वन, आईपीडीजी एन नंदकुमार, रोटरी क्लब मद्रास वडापलानी की अध्यक्ष हेमा मणि और सुमेधा नंदकुमार।

(बाएं से) RID 3233 के डीजीई महावीर बोथरा, रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी, पीडीजी एस मुत्तुपळनियप्पन और RID 3232 के डीजी रवि रमन।

डॉ तमिलसेल्वन, डीन, श्री रामचंद्र डेंटल कॉलेज और अस्पताल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ''शीघ्र ही दो अतिरिक्त मैमोग्राफी बसों को भी हरी झंडी दिखाई जाएगी,'' उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में *प्रोजेक्ट शक्ति* के अंतर्गत चेन्नई और उसके समीप स्थित सरकारी अस्पतालों, पीएचसी और एनजीओ क्लीनिकों को 10 मैमोग्राम उपकरण उपलब्ध कराए गए थे, जिसका उद्देश्य महिलाओं में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की प्रारंभिक जांच के बारे में जागरूकता पैदा

करना है। वाहन का संचालन और रखरखाव श्री रामचंद्र अस्पताल द्वारा किया जाएगा और पैरामेडिकल स्टाफ ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर लगा कर लोगों की जांच करेगा।

डीजी रवि रमन ने इस अभूतपूर्व कार्य को संयुक्त रूप से निष्पादित करने के लिए तीनों सहभागी क्लबों की प्रशंसा की, ''एक ऐसी परियोजना जो चेन्नई और उसके आसपास के वंचित लोगों की सहायता करेगी।'' तमिलनाडु समाज कल्याण विभाग के आयुक्त वी अमुदवल्ली ने कहा, राज्य सरकार मैमोग्राफी बसों के माध्यम से स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रोटरी के साथ सहभागिता करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''हम विभिन्न समुदायों तक पहुंचने के लिए इन बसों में एसएचजी सदस्यों और पैरामेडिक्स को तैनात करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''राज्य की सभी 55,000 आंगनबाड़ियों का उपयोग कैंसर की प्रारंभिक जांच, पता लगाने और समय पर उपचार कराने का संदेश प्रसारित करने के लिए किया जा सकता है।''

SRIHER की कुलपति डॉ. उमा शेखर ने कहा कि ''भारत में, युवा महिलाएं कैंसर की चपेट में अधिक आती हैं; इसका शीघ्र पता लगना और उपचार ही आगे बढ़ने का एकमात्र उपाय है।''

इस अस्पताल ने रोटरी क्लबों के साथ मिल कर लगभग 50 चिकित्सा और दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किए हैं। ''कार्डियक बस ने 284 रोगियों की पहचान करने में मदद की है जिनमें से 38 की सर्जरी हो चुकी है और 70 मरीज प्रतीक्षारत हैं।'' रोटरी और चेन्नई कॉर्पोरेशन के संयुक्त प्रयासों से, *प्रोजेक्ट नलम* के तहत नियमित रूप से प्रसवपूर्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, उन्होंने बताया।

रोटरी न्यूज़ से चर्चा करते हुए, रोटरी क्लब मद्रास वडापलानी के परियोजना समन्वयक बूवरगन ने बताया, मैमोग्राफी बस के माध्यम से चेन्नई और उसके नज़दीकी जिलों में निगम, अस्पतालों, पीएचसी और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से प्रति वर्ष 2,000 महिलाओं की जांच करने का लक्ष्य रखा है। पीडीजी आई एस ए के नज़र, मुत्तुपळनियप्पन, पूर्व डीआरएफसी एम अंबालावनन, डीजीई महावीर बोथरा (रो ई मंडल 9685 3233), और डीजीएन विनोद सरावगी (रो ई मंडल 9685 3234) को मैमोग्राफी परियोजना में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

क्या आपने
रोटरी न्यूज़ प्लस
पढ़ा है?
या यह आपके जंक
फोल्डर में जा रही है?

हम हर महीने आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन **ROTARY NEWS PLUS** निकालते हैं। यह प्रत्येक सदस्य को महीने के मध्य तक ई-मेल द्वारा भेजा जाता है।

रोटरी न्यूज़ प्लस हमारी वेबसाइट www.rotarynewsonline.org पर पढ़ें।

रोटरी भावना को नमन

विद्योत्तमा शर्मा

रोई के पूर्व अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने रोटरी के सर्वोच्च पद पर अपने चयन के बाद, पूरी दुनिया से प्राप्त उपहारों और स्मृति चिन्हों की एक खूबसूरत दीर्घा सजाई है।

वापी के जीआईडीसी क्षेत्र में, चारों तरफ हरयाली से आच्छादित मनोहर बंगले में एक विशाल कमरा है जो अब भारत में रोटरी दुनिया के लोकसाहित्य का एक हिस्सा बन गया है। *करुविका* नामक बंगले के बरामदे के ऊपर लगभग 750 वर्गफुट का हॉल बनाया गया है, जिसमें पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी का बेहद लोकप्रिय निजी संग्रहालय है। भारत में कल्याणदा के नाम से मशहूर, रो ई अध्यक्ष के पद को सुशोभित करने वाले चार भारतीयों में से तीसरे, बेनर्जी ने 2011-12 में रोटरी विश्व का नेतृत्व किया है।

कल्याण बेनर्जी गैलरी के नाम से मशहूर संग्रहालय में विभिन्न देशों से प्राप्त सिर के पहनावे का काफी बड़ा संग्रह है, जिसमें टोपी, कैप, बोटर्स, बॉलरहैट, बीनीज़, फेडोरा और बेरेट शामिल हैं। वे कई प्रकार की सामग्री और कपड़ों से बनाये गए हैं जैसे रेशम, कपास, बांस और पुआल और उन पर अनेकों डिजाइनों में कढ़ाई भी की गई है। ये टोपियाँ गैलरी के छोटे प्रवेश द्वार, बैठक में दीवार के ऊपरी भाग में सजाई गई हैं। सैकड़ों वस्तुओं को विभिन्न खंडों में बड़े करीने से प्रदर्शित करने के साथ, ये गैलरी बेनर्जी के रोटरी सफर और उन यात्राओं और बैठकों के दौरान मिले उपहारों की एक झलक पेश करती है। तस्वीरें, किताबें, मूर्तियां, प्रमाण पत्र, प्लेटें, स्कार्फ, ट्राफियां, दीवार पर टंगी वस्तुएं, कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग, गलीचे, शॉल, झंडे, पोशाकें, टी शर्ट और कई अन्य वस्तुएं, ध्यान आकर्षित करने के लिए एक-दूसरे से होड़ करती लगती हैं। गैलरी के मध्य में इसका केंद्रक है और इसके चारों ओर भूलभुलैया जैसे बनाया हुआ मार्ग हैं। कोई भी स्थान रिक्त नहीं है।

''शत प्रतिशत यह मेरी पत्नी बिनोता का सुझाव था।'' बेनर्जी ने बताया। ''गत वर्षों में हमें बहुत सारे उपहार और स्मृति चिन्ह मिले हैं। और उसने कहा, 'क्यों न हम उन्हें डिब्बों में पड़े रहने की अपेक्षा उन्हें प्रदर्शित करें?' वह दर्शाना चाहती थी कि रो ई अध्यक्ष जहां जहां गए, दुनिया से उन्हें कैसी प्रतिक्रियाऐं मिलीं।'' टीआरएफ (रोटरी फाउंडेशन) ट्रस्टी (2001-05), रो ई के निर्वाचित अध्यक्ष, तत्कालीन रो ई अध्यक्ष और टीआरएफ ट्रस्टी चेयरमैन (2016-17) के रूप में, इस युगल

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी और उनकी पत्नी बिनोटा (दाएं से तीसरी) इन्टीरीअर डिज़ाइनर मोना शाह (बाएं), यूनिफोस की उपाध्यक्ष सैंड्रा श्रॉफ और रोटरी क्लब वापी के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल देवानी के साथ चर्चा कर रहे हैं।

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी के निजी संग्रहालय का एक दृश्य।

को प्रेम और सम्मान के प्रतीक के रूप में उपहार में मिले कई स्मृति चिन्ह यहां संजोये गए हैं।

हालाँकि सुझाव तो बहुत बढ़िया था, लेकिन बेनर्जी दम्पति ये नहीं जानते थे कि इसका क्रियान्वन कैसे होगा। इसे मूर्त रूप देने के लिए के लिए उन्हें एक विशेषज्ञ सलाहकार की आवश्यकता थी। और वह विशेषज्ञ थीं मुंबई की इंटीरियर डिजाइनर-वास्तुकार-लैंडस्केपर मोना शाह। शाह द्वारा इसकी डिजाइनिंग शुरू करने से भी पहले काम था गैलरी के लिए जगह बनाना। इसलिए, बेनर्जी परिवार ने वापी में अपने बंगले के पोर्टिको के ऊपर एक विशाल कमरा बनवाया। कमरा बन जाने के बाद, शाह ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा से सृजन करना शुरू कर दिया। ''वर्गीकरण और डिज़ाइन का पूरा श्रेय मोना को जाता है।'' पूर्व रो ई अध्यक्ष का कहना है, उसी ने निश्चित किया कि प्रदर्शित वस्तुओं को किस प्रकार विभिन्न खंडों में वर्गीकृत कर उन्हें सुचारु रूप से व्यवस्थित किया जाए। ''हालाँकि उसने बिनोता और मुझसे ज़रूर विचार विमर्श किया था, पर डिज़ाइनिंग पूरी तरह से उसका क्षेत्र था।'' गैलरी की डिजाइनिंग मोना शाह ने की परन्तु इसका निर्माण कार्य, बढ़ई का काम और फर्नीचर की डिज़ाइन बनाने का कार्य बेनर्जी के होम क्लब, रोटरी क्लब वापी के रोटेरियन प्रफुल्ल दीवानी ने किया था।

गैलरी का काम रो ई अध्यक्ष के रूप में बेनर्जी का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात शुरू हुआ। 2015 से ये परिचालन में है, इसमें वर्ष 2009-10, 2011-12 और 2013-15 की वस्तुएं रखी गई हैं। वो कहते हैं, ''मैं 2013-14 में नहीं कर सका।'' इसमें लगभग आठ से दस खंड बने हैं जिनमें से एक पोलियो प्लस को समर्पित है, जो दुनिया भर में रो ई की सफलता की सबसे बड़ी गाथा है।

इसके अन्य भाग और उप-वर्गीकरण इस प्रकार हैं चीन, अफ्रीका, सियोल, दुबई, कल्याण बेनर्जी ट्रस्टी चेयर, सम्पूर्ण विश्व से प्राप्त सम्मान और रोटरी फाउंडेशन।

प्रदर्शनी में प्रतीकों आदि के साथ-साथ शाह ने चित्रों और दृश्य-श्रव्य सामग्री को भी काफी अहमियत दी गई है। युवा कल्याण बेनर्जी की तस्वीरें प्रदर्शित हैं, जब रोटरी विश्व में उनका पदार्पण हुआ था और जब उनका और बिनोता का विवाह हुआ था, एक विशिष्ट कोने में उन्होंने सुविधा बनाई है जहां पूर्व अध्यक्ष के पांच महत्वपूर्ण भाषण देखे सुने जा सकते हैं। यहां इयर फ़ोन भी उपलब्ध हैं। हॉल के दो कोनों में, उनके जीवन के व्यापक और विशाल व्यक्तित्व को दर्शाती तस्वीरें क्रमबद्ध रूप से बदलती रहती हैं। उनकी दिवंगत पत्नी, दयालु बिनोता, कई तस्वीरों में मुस्कुराती नज़र आती हैं। जो लोग इस मृदुभाषी रोटरी सहभागिनी से मिल चुके हैं, वे इस युगल की तस्वीरों को निहारने के लिए अवश्य ठिठक जाते हैं।

''चार दीवारों के भीतर, कई दशकों तक चली कल्याण बेनर्जी की रोटरी यात्रा को क्रमवार लगाने और इसे डिज़ाइन करने में बहुत आनंद आया,'' मोना कहती हैं। ''गैलरी के विशाल कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करना और इस गैलरी के माध्यम से रोटरी सदस्यों को मिली प्रेरणा और उनके चेहरों पर छलकती खुशी को देखना एक अद्भुत अनुभव था।'' उन्होंने एक बार में एक ही कदम उठाया था। ''हमने उनके कार्यालयों और घर के विभिन्न हिस्सों में रखे हुए संग्रह को भूगोल

और घटनाक्रम के वर्षों के आधार पर व्यवस्थित करने जैसे सरल कार्य से शुरुआत की थी। जिसमें मुझे मुझे सबसे अधिक आनंद, रोटरी जीवन के दौरान उन्हें मिले हर स्मृति चिन्ह और उपहार के लिए एक स्पॉटलाइट का सृजन करने में आया।''

देवानी याद करते हैं, ''बिनोता का सपना साकार हो गया जब उन्होंने अपने पति को ''उनकी रोटरी यात्रा की स्मृतियों'' को वर्षों तक संजोये रखने के लिए यह गैलरी उपहार में सौंपी। इसमें देशव्यापी स्मृति चिन्ह, विश्व और भारत के महत्वपूर्ण नेताओं के साथ प्रलेखित चित्र, विभिन्न अवसरों पर ली गई विश्व के महत्वपूर्ण रोटेरियनों की तस्वीरें, प्रेम और सम्मान के देशव्यापी प्रतीक, रोटरी के अलावा अन्य कई क्लबों से प्राप्त हुए क्रिस्टल स्मृति चिन्ह, विभिन्न कपड़ों पर काढ़ी गई अध्यक्ष की थीम और विभिन्न वर्षों के रो ई निदेशक मंडल की तस्वीरें, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों से प्राप्त हुई नाना प्रकार की टोपियां, हैट, पगड़ी और पूर्व अध्यक्ष के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालती तस्वीरें और एक हिस्से में उनके परिवार की जानकारी।''

रो ई अध्यक्ष रहते हुए बेनर्जी को 97 देशों की यात्रा का अवसर मिला और अध्यक्ष - निर्वाचित के रूप में उन्होंने लगभग 45 देशों का दौरा किया। टीआरएफ ट्रस्टी और ट्रस्टी अध्यक्ष के रूप में भी उन्हें कई स्मृति चिन्ह और उपहार मिले। इस गैलरी में लगभग 140 देशों के उन स्मृति चिन्हों को प्रदर्शित किया गया है। मुख्य गैलरी में प्रवेश करने पर गुरबानी या मनोहर

संगीत की धुन आगंतुक का स्वागत करती है जो पूरे समय बजती रहती है। ''क्योंकि विदेशी लोग गुरबानी नहीं समझते इसलिए हमने संगीत का एक सेट और भी रखा है,'' बेनर्जी बताते हैं। यहां आने वाले दर्शकों में मुख्यतः विभिन्न देशों के रोटेरियन, जीएसई (ग्रुप स्टडी एक्सचेंज) टीमें और कॉलेज के छात्र हैं।

एक वक्त ऐसा लगा कि गैलरी कभी नहीं बन पाएगी। यह समय था रोटरी वर्ष 2016-17 और बेनर्जी टीआरएफ अध्यक्ष थे। ''मेरी ट्रस्टीशिप के अंतिम वर्षों में बिनोता का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। वह बीमार थी और मैं अपना पूरा समय उन्हें देना चाहता था,'' वह याद करते हैं। एक दयालु, विनम्र और शांत बिनोता को रोटेरियन और उनके सहयोगियों से बहुत प्रेम और सम्मान मिला। बेनर्जी द्वारा विभिन्न स्तरों पर रोटेरियन के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के दौरान वह हमेशा अपने पति के साथ खड़ी रहीं। जब बिनोता की हालत और बिगड़ने लगी तो बेनर्जी ने अपनी पत्नी को अधिक समय देने और उनका ध्यान रखने के लिए अपने पद से त्याग पत्र दे दिया। ''मुझे लगा कि आज बिनोता को मेरी जरूरत है तो मैं अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पाउँगा। लेकिन रोटरी के कई वरिष्ठ नेताओं का सुझाव था कि छह महीने तो बीत ही चुके हैं और जो भी नया व्यक्ति मेरी जगह लेगा, वह आगामी छह माह में ज्यादा कुछ नहीं कर पायेगा। इसलिए, बेहतर यही है कि मैं पद पर बना रहूँ। उसके बाद मैंने अपना त्याग पत्र वापस ले लिया।''

आईआईटी, खड़गपुर से स्नातक 82 वर्षीय बेनर्जी पेशे से केमिकल इंजीनियर हैं और कई दशकों तक अपनी सेवाएं देने के बाद गत वर्ष यूनाइटेड फॉस्फोरस बोर्ड से सेवानिवृत्त हुए थे। यूपीएल, बांग्लादेश के चेयरमैन रह चुके, वह वापी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष और भारतीय उद्योग परिसंघ के गुजरात चैप्टर के अध्यक्ष भी रहे हैं।

जिस रूप में गैलरी ने आकार लिया है, क्या वह इस से खुश हैं? ''मुझे लगता है कि जितना मैंने जो सोचा था यह उससे भी बेहतर निखर के आई है। मैं आज भी इसमें चीजें जोड़ता रहता हूं।''

वह साक्षरता और चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में अपनी कोशिशों को नए सिरे से अंजाम दे रहे हैं। इस प्रयास में उनके साथ सम्मिलित हैं प्रोफेसर नयन पटेल, जो ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के समरविले कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड में कार्यरत हैं। पूर्व मंडल अध्यक्ष रह चुके पटेल भारत में कुष्ठ रोग की रोकथाम पर काम कर रहे हैं, विशेषकर महाराष्ट्र में। बेनर्जी कहते हैं, ''मैं साक्षरता और स्वास्थ्य सेवा कार्यो में फिर से जुड़ रहा हूं, यह मुझे शुरू से पसंद है।''

''आप भले ही वृद्ध और सेवानिवृत्त हो गए हों पर आपको काम करना बंद करने की आवश्यकता नहीं है। आप भलाई के काम करना जारी रख सकते हैं। संभव है कि मैं आने वाले दिनों में साक्षरता और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गए कार्यों पर भी एक गैलरी बनाऊं,'' अंतिम में कहते हैं, हाल ही में विंबलडन से लौटे खेल प्रेमी। ■

मुंबई का एक रोटरेक्ट क्लब बड़े सपने देखता है

रशीदा भगत

मुंबई में एक रोटरेक्ट क्लब, रोटरेक्ट क्लब जय हिंद कॉलेज ने बहुत ही दिलचस्प और अद्भुत कार्य किये हैं, इसकी अध्यक्ष खुशी शेट्टी जब वह पिछले साल को याद करती है तो उनके चेहरे पर गर्व मिश्रित मुस्कान बिखर जाती है। जैसे कि, उन्होंने वो कर दिखाया जिसका उसके क्लब के पूर्व अध्यक्षों ने केवल सपना देखा था, एक साहित्यिक उत्सव (लिट फेस्ट) का सफल आयोजन, वो भी एक पुस्तक के लोकार्पण के साथ।

178 सदस्यों वाले इस क्लब में 70 प्रतिशत महिलाएं हैं, उनकी सबसे अच्छी परियोजनाओं में से एक है *मस्ती मेला* आयोजित करना, एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती - धारावी के बच्चों के लिए एक जीवंत और आनंददायक मनोरंजक मेला। इस विशाल बस्ती में

> *मस्ती मेला* का उद्देश्य सिर्फ एक मजेदार मेला आयोजित करने के सम्बन्ध में नहीं था; यह प्रेम, प्रसन्नता और सामुदायिक भावना का प्रसार करने के सम्बन्ध में था।
>
> **खुशी शेट्टी**
> IPP, रोटरेक्ट क्लब जय हिन्द कॉलेज

पल रहे बच्चों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में खुशी, उत्साह और मस्ती के कुछ पल देना इस का उद्देश्य था ताकि उनके नीरस और दयनीय जीवन में रोजमर्रा के काम से कुछ देर के लिए उन्हें मुक्ति मिल सके।

बच्चों की कल्पनाशीलता का विस्तार और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए आकर्षक खेल और विभिन्न गतिविधियाँ रखी गई थीं। सबसे लोकप्रिय खेलों में से कुछ, गेंद फेंकना और रिंग टॉस गेम थे, जब बच्चे लक्ष्य पर निशाना लगाते तो उन्हें पुरस्कार मिलता था। उनके अवलोकन कौशल को सुधारने के लिए 'सही टाइल ढूंढें' था, और 'जंपिंग जैक' पर वो खुशी से चहक रहे थे।

''कैंडी फ्लॉस स्टॉल पर रखी मिठाई से उत्सव के माहौल में बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान देखने लायक थी। पोषण के महत्व को समझते हुए, हमारे क्लब ने यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को दोपहर का पौष्टिक भोजन दिया जाए, जिसमें इडली-चटनी पाव-भाजी, और मीठे में शीरा जैसे व्यंजन शामिल हों। मस्ती मेला का उद्देश्य सिर्फ एक मजेदार मेला

ऊपर: मस्ती मेले में एक बच्चे के साथ क्लब सचिव ज़ैनब जेतपुरवाला।

बाएं: बच्चे धारावी स्लम में रोटरेक्ट क्लब जय हिंद कॉलेज द्वारा आयोजित मस्ती मेला का आनंद लेते हुए।

आयोजित करने के सम्बन्ध में नहीं था; यह प्रेम, प्रसन्नता और सामुदायिक भावना का प्रसार करने के सम्बन्ध में था। इस कार्यक्रम ने दयालुता के सहज कार्यों की परिवर्तनकारी शक्ति और दूसरों के जीवन पर पड़ने वाले असीम प्रभाव को प्रदर्शित किया,'' क्लब की अध्यक्ष ख़ुशी ने कहा।

दिन की समाप्ति हंसी-मजाक के साथ हुई ; क्लब सचिव ज़ैनब जेतपुरवाला बोले, हमें यकीन है कि आने वाले कई दिनों तक बच्चों के दिमाग में इस की यादें ताज़ा रहेंगी।

अगला प्रोजेक्ट, हाल ही में महत्वाकांक्षी युवा फिल्म निर्माताओं को एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से क्लब द्वारा आयोजित मुंबई स्टूडेंट्स फिल्म फेस्टिवल अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर गया। इस महोत्सव में 10-12 मिनट अवधि की लघु फिल्मों की 20 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं और विविध विषयों और दृष्टिकोण प्रदर्शित किये गए। इस आयोजन में कार्तिक मल्लूर, सौरभ भारत, प्रियंका तंवर और अपूर्व

मैं इतनी खुश हूं कि अंततः हमने एक साहित्यिक समारोह आयोजित कर ही लिया। कई पूर्व अध्यक्षों ने इसका सपना देखा था।

शालिग्राम जैसे जाने-माने विख्यात पेशेवरों ने जज की भूमिका निभाने के साथ सलाह दी और मार्गदर्शन किया।

''शीर्ष 10 फ़िल्में वर्सोवा के प्रतिष्ठित 'क्रिएटिव अड्डा' पर दिखाने के लिए चुनी गई। दर्शक फिल्म निर्माताओं के कलात्मक कौशल और कहानी की अभिव्यक्ति देख मंत्रमुग्ध हो गए, उन्होंने फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी में छिपी प्रतिभा को प्रत्यक्ष रूप से देखा। मफफ़िल्मों में मुंबई की विंटेज कार संस्कृति और आज के जटिल समाज में किशोरों द्वारा पहने जाने वाले अदृश्य मुखौटे सहित कई रोचक विषयों पर अनुसंधान किया गया था,'' ख़ुशी ने बताया।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, छायांकन और संपादन के लिए पुरस्कार वितरित किये गए। प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार से विजेताओं को सम्मानित किया गया। उत्सव का समापन शानदार तरीके से हुआ क्योंकि अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए पूरी टीम एक साथ मंच पर आ गई थी। माहौल खुशी और उत्साह से सराबोर हो गया था क्योंकि उस कोलाहल के बीच प्रतिभागियों ने आरसीजेसी रोटरेक्ट क्लब के साथ सम्मिलित रूप से नृत्य करते हुए अपनी एकजुटता दर्शाई थी।

जून माह में, स्पीकिंग सोल्स और री-क्रिएट स्पेसेस के सहयोग से क्लब ने अपने बहुप्रतीक्षित लिट फेस्ट 23 आयोजित किया, जो साहित्यिक अनुसंधान और कलात्मक अभिव्यक्ति हेतु एक जीवंत मंच उपलब्ध करवाता है। पूरा कार्यक्रम मनोरम घटनाओं से

मॉडल यूएन कार्यक्रम के 5वें संस्करण में क्लब के कार्यकारी बोर्ड के साथ क्लब की अध्यक्ष ख़ुशी शेट्टी (दाएं से छठे स्थान पर खडी हैं)।

भरा हुआ था, जिसमें एक पुस्तक का विमोचन और लेखक चट्टाननाथन के साथ चर्चा शामिल थी। एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो - 'कॉमेडी सेंट्रल,' ओपन माइक कार्यक्रम *अल्फ़ाज़,* एक संगीतमय शाम *वाइब्ज़* और साथ में एक हाट बाजार भी लगाया गया था।

पुस्तक विमोचन और एक प्रश्नोत्तर सत्र में चट्टाननाथन, *द हील* के लेखक ने दर्शकों को उनकी लेखन यात्रा के बारे में जानकारी दी। स्टैंड-अप कॉमेडी शो में कॉमेडियन रोलैंड डोमिनिक और प्रवीण पूरे कार्यक्रम में हंसाते ही रहे। *अल्फ़ाज़* ने उभरते कवियों और बोलने वाले कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दे कर एक सहयोगी और समावेशी रचनात्मक समुदाय को प्रोत्साहित किया। संगीतमय शाम वाइब्ज़ में प्रतिभावान संगीतकारों और गायकों ने भाग लिया, जिन्होंने मूल रचनाओं और बॉलीवुड मैशअप के साथ दर्शकों को रोमांचित कर दिया, सारा वातावरण मंत्रमुग्ध कर देने वाला था,'' ख़ुशी ने बताया।

हाट बाजार में रोटरेक्टर्स ने किराए पर स्टॉल देकर कुछ परियोजनाओं के लिए धन जुटाया, छोटे व्यापारियों को अपने ब्रांड प्रदर्शित करने की अनुमति दी और प्रतिभागियों को स्थानीय उद्यमिता का पता लगाने और सहयोग करने का मौका दिया। ज़ैनब ने कहा, ''हाट बाजार ने उत्सव के वातावरण को और जीवंत कर दिया और सामुदायिक व आपसी भाई चारे की भावना को बढ़ावा दिया।''

एक लिट फेस्ट आयोजित कर मैं बहुत उत्साहित हूं - आये दिन जयपुर, बैंगलोर और अन्य बड़े साहित्यिक समारोह बड़ी सुर्खियां बटोरते हैं - खुशी ने कहा: ''मैं इतनी खुश हूं कि अंततः हमने एक साहित्यिक समारोह आयोजित कर ही लिया। कई पूर्व अध्यक्षों ने इसका सपना देखा था, लेकिन वे नहीं कर पाए। लेकिन हमने भी ठान रखी थी कि इस साल यह कर के ही रहेंगे। इसलिए हमने सबसे पहले कुछ पूर्व अध्यक्षों से सलाह की, उनके सपनों, विचारों और योजनाओं के बारे में समझा। अंत में, मेरी टीम ने हाट बाजार

ऊपर: मुंबई स्टूडेंट्स फिल्म फेस्टिवल टीम एक विजेता को सम्मानित करती हुई।

नीचे: मस्ती मेले में खेलों में भाग लेते बच्चे।

के साथ एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया।'' इन सभी आयोजनों के लिए उनकी मुख्य टीम में सात सदस्य थे।

वह बताती हैं कि पॉप-अप बाज़ार, ब्रांड विशिष्टता के साथ छोटे पैमाने पर बनाया गया अस्थायी हाट बाज़ार है और छोटे व्यवसायों को ब्रांड विशिष्टता बताने का अवसर देता है, और वास्तव में सारी भीड़ की दिलचस्पी इसी में होती है। ''हम पुस्तक लॉन्च, मूवी चर्चा, स्टैंड-अप कॉमेडी, कविता और छोटे व्यवसायों के ब्रांडों को प्रदर्शित करते हैं... सब कुछ एक ही जगह पर होने से दर्शकों को विभिन्न तरह के अनुभव एक साथ मिल जाते हैं।''

वह आगे बताती हैं कि ''वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देने और युवा मस्तिष्क में राजनैतिक कौशल की भावना जगाने के लिए, क्लब ने पांचवें रोमांचक कार्यक्रम का आयोजन किया - संयुक्त राष्ट्र का शैक्षिक अनुकरण। इस प्रेरणादायक पहल का उद्देश्य छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मामलों को गहराई से समझने और गंभीर वैश्विक मुद्दों का समाधान खोजने की दिशा में सहयोगपूर्वक काम करने का एक अमूल्य अवसर उपलब्ध करना है।''

संयुक्त राष्ट्र का शैक्षिक अनुकरण का उद्देश्य छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मामलों को गहराई से समझने और गंभीर वैश्विक मुद्दों का समाधान खोजने की दिशा में सहयोगपूर्वक काम करने का एक अमूल्य अवसर उपलब्ध करना है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की चर्चा का विषय था संघर्ष के क्षेत्रों में मानवाधिकारों का उल्लंघन। ''दो दिवसीय गहन अनुकरण के बाद छात्रों के विविध समूह सामने आये, प्रत्येक समूह एक अलग राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता था। प्रतिभागियों ने दुनिया की वास्तविक चुनौतियों से जूझते हुए राजनयिकों की भूमिका निर्वहन करते हुए, सक्रीय और जीवंत परिचर्चा के माध्यम से नए समाधान सुझाये। इस कार्यक्रम ने न केवल उनके वैश्विक मामलों के ज्ञान का संवर्धन किया बल्कि उनकी तार्किक शक्ति, आलोचनात्मक सोच और सार्वजनिक भाषण के कौशल को भी निखारा।''

अंत में एक प्रस्ताव का प्रारूप तैयार किया गया। प्रतिभागियों को अपने विचारों का योगदान देने, लाभकारी चर्चाओं में सम्मिलित होने और आपसी सहयोग से एक ऐसा प्रस्ताव बनाने का अवसर मिला जो उनकी सामूहिक बुद्धिमत्ता दर्शाता है। इस आयोजन ने सामान्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में टीम वर्क, सहभागिता और आपसी सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। लेकिन वातावरण में संजीदगी से की गई बहस से उपजी गंभीरता को दूर करने के लिए युवाओं ने एक मनोरंजन की योजना भी बनाई थी ''जिसमें वे आमोद प्रमोद की कई हल्की-फुल्की गतिविधियों में शामिल हुए। उन्होंने चिटों के माध्यम से अज्ञात संदेशों का आदान-प्रदान किया, जिससे खेल में कार्यवाही में कौतुहल और आश्चर्य का तत्व जुड़ गया। नृत्य और विभिन्न प्रकार की भूमिकाओं के लिए एक मंच उपलब्ध था, आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मकता दिखाने के लिए, ताकि प्रतिभागी खुल सकें और उन्हें आनंद उठाने का मौका मिल सके,'' उन्होंने कहा।

अब आगे क्या, इसके जवाब में ख़ुशी मुस्कुराती हैं: ''अब जब एक नया रोटरी वर्ष शुरू हो गया है, तो मैंने नई नेता, वेदिका बंसल को कमान सौंपी है और हमारा क्लब रोचक और सार्थक कार्यक्रम करना जारी रखेगा,'' वह कहती हैं।

(अगले अंक में इसी क्लब द्वारा क्रियान्वित अधिक परियोजनाएँ)

लिट फेस्ट '23 से एक सत्र।

मूल्यों को बनाये रखें : पीआरआईपी बेनर्जी

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब चंडीगढ़ के अध्यक्ष अनिल चड्ढा के स्थापना समारोह में पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी। चित्र में बाईं ओर डीजी अरुण मोंगिया हैं।

रोटरी क्लब चंडीगढ़, रो ई मंडल 3080, में नए नेतृत्व की स्थापना पर, पीआरआईपी कल्याण बैनर्जी ने रोटेरियनों को ''विंबलडन की भावना की तरह विरासत, अखंडता, सम्मान और उत्कृष्टता के मूल्यों को भी बनाए रखने'' के लिए प्रेरित किया। वह विंबलडन के मैचों का आनंद लेने के लिए यूके में थे, जब उन्हें पीआरआईपी राजेंद्र साबू, जो क्लब के सदस्य भी हैं, द्वारा स्थापना कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

उन्होंने कहा कि टेनिस में हर खेल 'Love All' से शुरू होता है और यह भावना हमारे सभी प्रयासों में व्याप्त होनी चाहिए।'' उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया, विशेष रूप से स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं सहित भारतीय आबादी पर कोविड महामारी के दूरगामी प्रभाव के संदर्भ में। बेनर्जी ने रोटेरियनों से तेजी से बदलती दुनिया के साथ बने रहने के लिए एआई जैसी उन्नत तकनीक को अपनाने का आग्रह किया।

क्लब के इतिहास को दर्शाते हुए, साबू ने 1961 में मुर्दाघर को दान में दी गई वैन को याद किया। उन्होंने क्लब के प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड की सराहना की और भारत के दो मुख्य न्यायाधीशों और छह सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को इसके सदस्य के रूप में शामिल किया।

डीजी अरुण मोंगिया ने रो ई मंडल 3080 में 10 लाख स्कूली बच्चों को संबोधित करने के लिए व्यापक नेत्र जांच शिविर, अंबाला छावनी में एक ब्लड बैंक की स्थापना, चार डायलिसिस केंद्र और विभिन्न शहरों में दो नेत्र अस्पतालों को स्थापित करने की योजना साझा की।

रोटरी क्लब चंडीगढ़ के नए अध्यक्ष अनिल चड्ढा ने अपने उद्घाटन भाषण में क्लब द्वारा इस वर्ष की जाने वाली प्रभावशाली सामाजिक कल्याण पहलों की एक श्रृंखला का अनावरण किया। क्लब, मोहाली में ₹31 लाख की लागत से मानव दूध बैंक स्थापित करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इसके अतिरिक्त, क्लब रोटरी ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्स सेंटर में ₹16.6 लाख की लागत से एफेरेसिस मशीन के लिए एकल-उपयोग बैग प्रदान करेगा। चड्ढा ने क्लब की 65वीं वर्षगांठ और चंडीगढ़ के 70वें वर्ष के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम और सेवा गतिविधियों की योजना भी साझा की।

पीआरआईपी बेनर्जी ने शहर भर में अपनी कई परियोजनाओं और प्रयासों को उजागर करने के लिए क्लब द्वारा संकलित एक कॉफी टेबल बुक जारी की। ■

***बाएं से:** पूर्व अध्यक्ष विनोद कपूर, डीजी अरुण मोंगिया, पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी, पीआरआईपी राजेंद्र साबू, क्लब अध्यक्ष अनिल चड्ढा और टीना अवनिंदर विर्क, निदेशक, सामुदायिक सेवा, कॉफी टेबल बुक का अनावरण करते हुए।*

मानसिक बीमारी का इलाज करने के लिए एक परिष्कृत उपकरण

जयश्री

रोटरी क्लब दिल्ली नॉर्थ, रो ई मंडल 3012, ने कॉसमॉस इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल एंड बिहेवियरल साइंसेज (सीआईएमबीएस), नई दिल्ली, में मानसिक बीमारी का इलाज करने के लिए अमेरिका से आयात किया गया एक डीप ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेटर स्थापित किया है। क्लब के अध्यक्ष राजगोपाल रंगवाला कहते हैं, पिछले साल इस परियोजना का चुनाव करते समय, हमने रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली की उस अपील का अनुकरण किया जिसमें उन्होंने रोटेरियनों से मानसिक स्वास्थ्य से पीड़ित लोगों की मदद करने का आह्वान किया था। यह चीरफाड़हीन मशीन अत्यधिक अवसाद, द्विध्रुवीय विकार, मनोग्रसित-बाध्यता विकार, सिज़ोफ्रेनिया, मादक द्रव्यों की लत और मल्टीपल स्केलेरोसिस एवं स्ट्रोक जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारी से पीड़ित लोगों के इलाज में प्रभावी है, जहां उनकी बीमारी का इलाज दवाओं या परामर्श सहायता के माध्यम से नहीं किया जा सकता।

रोटरी क्लब बिरतामोड मिडटाउन, रो ई मंडल 3292, नेपाल, और टीआरएफ के वैश्विक अनुदान सहायता से प्राप्त किये गए ₹1.5 करोड़ के उपकरणों का उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन, आईपीडीजी ललित खन्ना, डीआरएफसी शरत जैन और सीआईएमबीएस के निदेशक डॉ सुनील मित्तल की उपस्थिति में जून में किया गया था।

आमभाषा में प्रक्रिया को समझाते हुए, रंगवाला कहते हैं कि इस उपकरण को हेलमेट की तरह रोगी

रोटरी क्लब दिल्ली नॉर्थ द्वारा प्रायोजित नई डीप टीएमएस मशीन का डेमो।

बाएं से: आईपीडीजी ललित खन्ना, रोटरी क्लब दिल्ली नॉर्थ के अध्यक्ष राज गोपाल रंगवाला, सीआईएमबीएस के निदेशक डॉ सुनील मित्तल, आईपीपी अशोक मित्तल, रो ई निदेशक राजू सुब्रमण्यन और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सीआईएमबीएस में चिकित्सा उपकरणों के उद्घाटन के दौरान।

के सिर पर लगाया जाता है। चुंबकीय क्षेत्र द्वारा पैदा किया एक विद्युत प्रवाह उपचार के लिए मस्तिष्क के उस हिस्से को उत्तेजित करता है जो डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया गया है। वह आगे कहतें है, ''प्रत्येक सत्र 30 मिनट तक चलता है और रोगी को एक महीने में कम से कम 20 सत्र लेने की सलाह दी जाती है। अब तक इस मशीन की मदद से सीआईएमबीएस में 14 लोगों का इलाज चल रहा है, और उन्होंने उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दिखाई है।''

यह क्लब अन्य क्लबों और मंडलों में इस उपकरण की उपलब्धता के बारे में जागरूकता फैला रहा है ताकि वे अस्पताल में उपचार के लिए आने हेतु जरुरतमंद रोगियों की सिफारिश कर सकें। हम चाहते हैं कि यह एक आत्मनिर्भर परियोजना बने। ''इसलिए हमने एक मापदंड तैयार किया है जहां रोटरी द्वारा अनुशंसित 33 प्रतिशत रोगियों को मुफ्त उपचार मिलेगा, अन्य 33 प्रतिशत रोगियों को 50 प्रतिशत की आर्थिक सहायता दी जाएगी, और बाकीयों से सामान्य शुल्क लिया जाएगा।'' सिफारिश करने वाला क्लब उपयुक्त श्रेणी निर्धारित करने से पहले व्यक्ति की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखेगा।

91 सदस्य वाले इस क्लब ने पिछले साल अपनी 75वीं सालगिरह मनाई थी, और ''यह परियोजना हमारी समर्पित टीम के लिए एक उचित सम्मान था,'' आईपीडीजी ललित खन्ना कहते है, जो इस क्लब के सदस्य भी हैं। गांव के स्कूलों के लिए कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और स्मार्ट कक्षाएं, मोतियाबिंद सर्जरी एवं कृत्रिम अंग शिविर, तथा गांवों में छात्राओं के लिए साइकिलें इस क्लब की कुछ सर्वाधिक निष्पादित सेवा परियोजनाएं हैं। पिछले साल क्लब द्वारा चार एकल विद्यालयों - एकल-शिक्षक स्कूल जो 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करते हैं - और पलवल जिले के टेहरकी गांव में महिलाओं को सिलाई में प्रशिक्षित करने के लिए एक केंद्र प्रायोजित किया गया था।■

अब तक इस मशीन की मदद से सीआईएमबीएस में 14 लोगों का इलाज चल रहा है, और उन्होंने उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दिखाई है।

राजगोपाल रंगवाला
अध्यक्ष, रोटरी क्लब दिल्ली नॉथ

दाएं: आईपीडीजी खन्ना और क्लब के सदस्य नगर निगम बालिका इंटर कॉलेज, मकनपुर में 154 छात्रों को ई-टैबलेट वितरित करने के बाद।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मॉरिशस में बच्चों की आँखों का इलाज

टीम रोटरी न्यूज़

सर्जरी ने उनके व्यक्तित्व को बदल दिया है और उसका आत्मविश्वास बढ़ाया है, वह अब दुनिया के सामने आने के लिए उत्साहित है'' - एक 18 वर्षीय बेटी की माँ ने कहा, जिसने अपनी बेटी की भेंगी आँखों को ठीक करने की सर्जरी कारवाई थी। अस्पताल के बिस्तर पर बैठा एक और लड़का, जिसकी बाईं आँख पर प्लास्टर लगा हुआ था, उत्साहित होकर कहा कि - ''मैं 16 सालों से ऐसे लोगों के साथ रह रहा हूँ जो मेरी भेंगेपन का मजाक उड़ाते रहे हैं। इस सर्जरी के बाद मैं अच्छा महसूस कर रहा हूँ। अब मैं अपने जीवन पर ध्यान केन्द्रित कर सकता हूँ।''

रोटरी क्लब पांडिचेरी अगरम, रो ई मंडल 2981 ने रोटरी क्लब बगाटेल्ले के आग्रह पर मॉरिशस, अफ्रीका में भेंगापन नेत्र सर्जरी प्रोजेक्ट की शुरुआत की। भारत के पाँच नेत्र विशेषज्ञों- मुंबई के डॉ मिलिंद कीलेडर, रोटरी क्लब पांडिचेरी इव्स के डॉ माधुरी, डॉ प्रियंका और डॉ वनजा वैध्यनाथन ने पोर्ट लुइस के सुब्रमनिय भारती गवर्नमेंट आई हॉस्पिटल में भेंगापन और अन्य नेत्र विकारों के लिए लगभग 175 बच्चों की जाँच की। सभी बच्चे 18 वर्ष से कम उम्र के थे। अप्रैल में एक सप्ताह में चुने गए 65 बच्चों की भेंगे आँखों को ठीक करने की सर्जरी की गई।

मॉरीशस के स्वास्थ्य मंत्री कैलाश कुमार सिंह जगुतपाल, रोटरी क्लब पांडिचेरी अगरम के आईपीपी के सौरीराजन और रोटरी क्लब बागाटेल के आईपीपी अमरेश रामलागुन (दाएं) के साथ अस्पताल में एक बच्चे से मुलाकात करते हुए।

स्वास्थ्य और निरोग मंत्री, डॉ कैलेश कुमार सिंह जगतपाल, जिन्होंने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा-''इस क्षेत्र के लोगों की 16 महीने की प्रतीक्षा खत्म हुई, यह प्रोजेक्ट भेंगापन से पीड़ित बच्चों के लिए निःशुल्क उपचार प्राप्त करने का एक सुनहरा अवसर है।''

शिविर के उद्घाटन दिवस पर क्लब अध्यक्ष रामलागुन और सौरीराजन के साथ भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञों की टीम।

आँखों का विकार ''भेंगापन'' यहाँ एक सामान्य घटना है। जब उपचार के अन्य विकल्प सफल नहीं होते हैं तब ही सर्जरी की जाती है- रोटरी क्लब पांडिचेरी अगरम के अध्यक्ष के सोवरिराजन ने कहा। ''शायद यह हमारे जिले की पहली अंतर्राष्ट्रीय सेवा परियोजना है। हमने मॉरिशस स्वास्थ्य मंत्रालय और रोटरी क्लब बागाटेल्ले के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है ताकि हम द्वीपीय देश में नेत्र- विकारों के इलाज का समर्थन जारी रख सकें।'' भारतीय डॉक्टरों ने मॉरिशस के सहकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण दिया ताकि इस सिंड्रोम के बारे में बेहतर तरीके से बताया जा सके।

आँखों का विकार भेंगापन या स्ट्राबिसमस आँखों की एक ऐसी स्थिति होती है जिसमें दोनों आइ बॉलस(शूश लरश्रश्री) का आपस में ताल-मेल नहीं होता। ''मनोवैज्ञानिक रूप से इसका असर खराब पड़ता है, विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों पर क्योंकि वे अक्सर दोस्तों द्वारा और सार्वजनिक स्थानों पर उपहास का शिकार होते हैं। इलाज नहीं कराने पर, दृष्टि क्षीण होती जाती है'' अमरेश रामलगुन अध्यक्ष रोटरी क्लब बागाटेल्ले ने कहा। ■

ADVT.

www.iisuniv.ac.in

IIS (deemed to be UNIVERSITY) JAIPUR

FORMERLY **ICG**

BHAAVIKA THANVI

B.A. (HONS.)-PSYCHOLOGY, 2020 BATCH

UPSC CIVIL SERVICES 2022
RANK - 100

Admissions Open 2023-24

UG/PG/Ph.D./D.Litt./D.Sc. & Professional Programmes

Undergraduate Programmes

- B.A.
- B.Sc.
- B.Com.
- B.A./B.Sc./B.Com. Hons.
- B.A./B.Sc./B.Com. - Research
- B.A./B.Sc./B.Com. Hons. - Research

Specialized Programmes

- **B.Com. Hons.** (Proficiency in Chartered Accounting/Proficiency in Company Secretaryship) Specialized programmes and separate academic calendars for aspirants of CA & CS.
- **B.Com. Hons.** (Applied Accounting and Finance) Accredited by ACCA UK

UG-Professional Programmes

- **B.A.** (J.M.C.)
- **B.F.A.**
- **B.C.A.**
- **B.Sc. Hons.** (Forensic Science)
- **B.Sc. Hons.** (Data Analytics & AI)
- **B.Sc. Hons.** (Home Science)
- **B.Sc. Hons.** (Fashion Design)
- **B.Sc. Hons.** (Multimedia & Animation)
- **B.Sc. Hons.** (Jewellery Design & Technology)
- **B.B.A.**
- **B.B.A.** (Aviation & Tourism Management)
- **B.Voc.*** *UGC Approved

Integrated Programmes

- **B.A. B.Ed.***
- **B.Sc. B.Ed.*** *NCTE Approved
- **B.Sc. M.Sc.** (Nano Science & Technology)

Post Graduate Programmes

- M.A.
- M.Sc.
- M.Com.
- M.F.A.
- M.S.W.
- M.Sc. Home Science
- M.B.A. (Semester Based)
- M.A./M.Sc. in Yogic Sciences
- RCI approved professional diploma in Clinical Psychology

DISTINGUISHING FEATURES

- Extra & Co-curricular Activities
- Placement Support
- Wi-Fi enabled campus
- Conveyance / Hostel Facility
- NCC, NSS, Sports

Co-Educational Programmes

@ IISU Block, ISIM Campus,
Mahaveer Marg, Mansarovar

- **B.C.A.**
- **B.B.A.**
- **B.Lib.Sc.**
- **M.A.** (Digital Media & Communication)
- **M.C.A.**
- **M.B.A.** (Dual Specialization, Trimester based)

MBA/MCA AICTE Approved

Short Term Courses

- Cyber Security and Cyber Law (Online)
- Certificate Course in Textile Design

Research Programmes

- **Ph.D.** (Admission through Research Entrance Test.)

Research Entrance Test : **22 July 2023**

Preparatory Classes along with UG/PG Programmes

- Civil Services
- NET
- USCMA

College of Physiotherapy & Allied Health Sciences

(Co-Educational) & IIS Sitapura Campus

- **B.P.T.**
- **M.P.T.**
- **Ph.D.**

FOR COUNSELLING AND ANY QUERIES, CONTACT AT

9358819994
ARTS & SOCIAL SCIENCES

9358819995
SCIENCE

9358819996
COMMERCE & MANAGEMENT

8949322320
PHYSIOTHERAPY

or mail at : **admissions@iisuniv.ac.in**

SOME OF OUR DISTINGUISHED ALUMNAE

Padmini Solanki
IAS

Aruna Rajoria
IAS

Yasha Mudgal
IAS

Darshika Rathore Ajinkya
Endpoint, Middle East, UAE

Laxmi Tatiwala
Chartered Accountant

Shweta Sirohi Gupta
Careflight, Sydney, Australia

Beenu Dewal
8th Rank, RAS 2018

Manvi Soni
International Shooter

Priyanka Raghuvanshi
RPS

Fg. Lieutenant Swati Rathore
Indian Air Force

Vasundhara Singh
Dietician, AIIMS, New Delhi

Fg. Off. Shivanshi Pathak
Indian Air Force

Bhawana Garg
RAS

Maj. Komal Rathore
Indian Army

Lt Karnika Singh
Indian Army

Sqn. Ldr. Unnati Sahera
Flying Officer

Gurkul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan-302020
+0141 2400160 / 161, 2397906 / 07
Toll Free No. : **1800 180 7750**

चेन्नई के एननेट्स की एवरेस्ट बेस कैंप यात्रा

किरण ज़ेहरा

चेन्नई में अपने घर में आराम से बैठकर अपनी मां के मोबाइल में एवरेस्ट बेस कैंप की चढ़ाई की लुभावनी तस्वीरों को देखते हुए रोई मंडल 3232 के एजी विद्या रागू के बेटे ओवियम लक्ष्मणन ने अपनी असाधारण यात्रा की यादों को जीवंत कर दिया। ''ऐसा लगता है मानो कल ही मैं अपनी शारीरिक और मानसिक शक्तियों की सीमाओं को पार करते हुए इस शक्तिशाली हिमालय के सामने विस्मित खड़ा था,'' वह कहते है। एवरेस्ट बेस कैंप हिमालय पर 5,364 मीटर (17,600 फीट) पर स्थित है। इस 11 वर्षीय ने सात दिनों में अपना ट्रेक पूरा करके एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में 'माउंट एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक को सबसे तेज पूरा करने वाले बच्चे' के रूप में अपना नाम दर्ज करवाया।

रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट के एक सदस्य महेश पट्टाभिरामन की 12 वर्षीय बेटी तुसीता जिसने एक अन्य समूह के साथ इस ट्रेक को पूरा किया, कहती है ''यह एक अद्भुत अनुभव था और इसने मुझे व्यक्तिगत रूप से बदल दिया।'' जैसे ही उसके आठ सदस्यों का समूह काठमांडू से रामेछाप पहुंचने के लिए रवाना हुआ, ''हम हलचल भरे शहर से निकलकर धीरे-धीरे ग्रामीण परिवेश में पहुँच गए। पहाड़ियों और छोटे गांवों से घिरी सड़कें हमें पारंपरिक नेपाली जीवन की झलक प्रदान कर रही थी। हमने नदियों, सीढ़ीदार खेतों और हरे-भरे जंगलों को भी पार किया जिससे हमारी यात्रा का प्राकृतिक आकर्षण बढ़ गया।''

ओवियम आगे कहता है कि ''हमारे अभियान के मुख्य आकर्षणों में से एक हिमालय श्रृंखला का दृश्य था। चूंकि आसमान साफ था, इसलिए हम दूर से बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर खुश हुए, जिसने हमारी इस यात्रा में एक सुंदर दृश्य की पृष्ठभूमि शामिल की।''

ऊपर : एवरेस्ट बेस कैंप की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद रोटरी क्लब मद्रास ईस्ट के सदस्य महेश पट्टाभिरामन की बेटी तुसिता।

नीचे: RID 3232 की एजी विद्या रागु के बेटे ओवियम लक्ष्मणन, 17,600 फीट की ऊंचाई पर एवरेस्ट बेस कैंप, हिमालय में।

रामेछाप में ''हम नेपाल के लुकला में स्थित तेनर्जिंग-हिलेरी हवाई अड्डे, जिसे इसकी भौगोलिक स्थिति के साथ ही बहुत छोटे रनवे और सीमित बिजली जैसे संयुक्त कारकों की वजह से दुनिया का सबसे खतरनाक हवाई अड्डा माना जाता है, तक की उड़ान भरने के लिए एक 10 सीटर विमान में सवार हुए। यह रोमांचक इसलिए था क्योंकि वो पूरा विमान हमारा था और उड़ान आरामदायक थी। मुझे डर नहीं लगा,'' तुसीता कहती है। ओवियम ने इस उड़ान को ''आकाश में एक मिनी-बस के रूप में'' वर्णित किया। ''यह रोमांचकारी था!''

उसने शेरपाओं पर आश्चर्य व्यक्त किया, ''जिन्होंने हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन और समर्थन किया। उन्हें इस इलाके और यहाँ के बदलते मौसम की गहरी जानकारी थी और उन्होंने हमारे लिए एक सुरक्षित और सफल यात्रा सुनिश्चित की। मेरे शेरपा भी उतने ही थके हुए थे फिर भी बेस कैंप में हमारे रुकने के दौरान हमें गर्म पेय पदार्थ और भोजन परोसने के लिए वो दौड़-भाग करते रहे क्योंकि वहाँ पर कर्मचारियों की कमी थी। खतरनाक रास्तों से गुजरने से लेकर कठोर परिस्थितियों में टेंट लगाने तक उन्होंने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक ट्रेकर को एवरेस्ट क्षेत्र की विस्मयकारी सुंदरता का अनुभव लेने का अवसर मिले।''

दोनों बच्चों ने पूरे ट्रेक के दौरान परोसे गए भोजन का आनंद लिया। शुरुआत में राजमा और दाल के प्रति ओवियम द्वारा अरुचि व्यक्त करने के बाद, हिचकिचाते हुए उसे खाकर बहुत मज़ा आया। ''इसका स्वाद अलग, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक लगा।'' तुसीता को ''नामचे गांव के एक कैफे में परोसी जाने वाली दाल भात और हॉट चॉकलेट बहुत पसंद आया।''

58 बार बेस कैंप ट्रेक करने वाले एक वैज्ञानिक और एक 82 वर्षीय व्यक्ति जिसने 21,000 फीट पर स्थित कैंप 2 तक ट्रेक की योजना बनाई थी, से मिलना ओवियम के लिए प्रेरणादायक था। ''मैं भाग्यशाली था की मैं सन डॉग नामक एक दुर्लभ घटना को देख पाया जिसमें सूर्य एक गोलाकार इंद्रधनुष से घिर जाता है। यह शानदार था।''

एवरेस्ट बेस कैंप पर उनके विजयी आगमन के बारे में बात करते हुए, एनेट्स ने कड़कड़ाती ठंडी हवाओं, उनके जमे हुए चेहरों और सभी कठिनाइयों को पार करने के बाद उनके चेहरे पर एक उपलब्धि की भावना को याद किया। ''थकान के बावजूद, मैं दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर भारतीय ध्वज और उसके बाद रो ई मंडल 3232 के एनेट्स बैनर को थामकर बहुत खुश महसूस कर रहा था। मैंने जो हासिल किया उस पर मुझे बहुत गर्व हुआ।'' तुसिता के लिए ''यह ट्रेक एक अद्भुत अनुभव था जिसका उपयोग मैं अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए कर सकती हूँ।'' ■

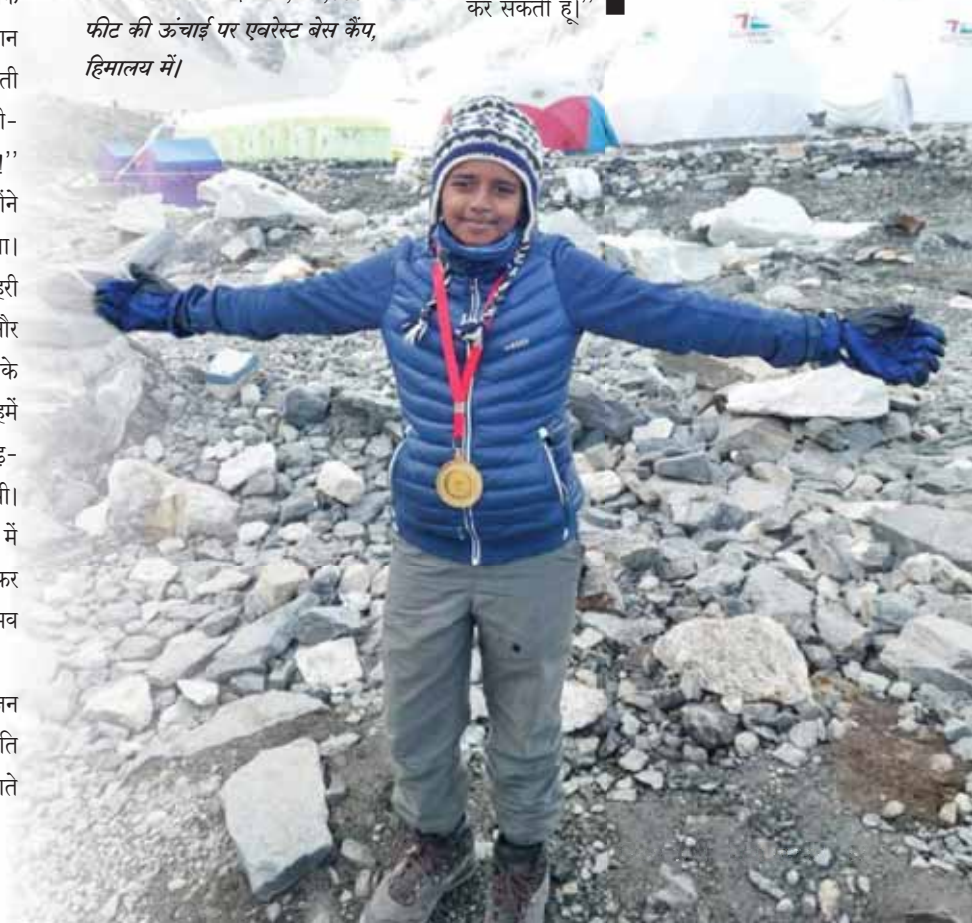

Rotary PEOPLE OF ACTION

पुणे में किसानों के लिए उपयोगी किट

जयश्री

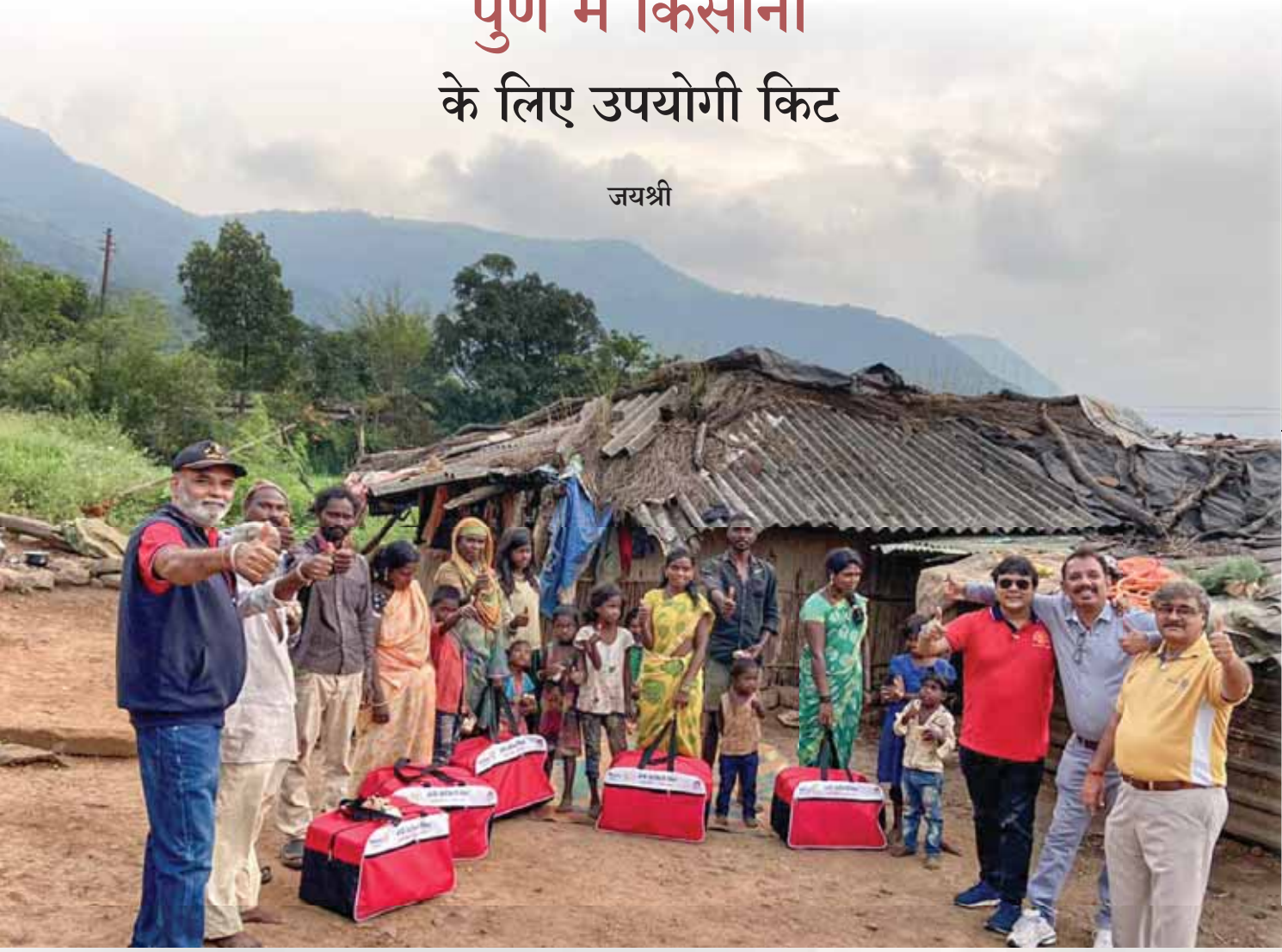

एक गांव में रोटरी क्लब पुणे ईस्ट के सदस्य ग्रामीणों को 'हैप्पी फैमिली किट' वितरित करने के बाद।

तीन सालों से रोटरी क्लब पुणे ईस्ट, रो ई मंडल 3131, पुणे के ग्रामीण इलाकों में प्रवासी और आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों को 'हैप्पी फैमिली किट' वितरित कर रहा है। प्रत्येक किट में बायोगैस स्टोव, सोलर लैंप, डिटर्जेंट साबुन, प्रसाधन सामग्री, स्टेनलेस स्टील के डिब्बें, बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स, सैनिटरी पैड पैकेट और तिरपाल सहित दस वस्तुएं शामिल है। इस परियोजना की परिकल्पना क्लब की सदस्य और डीजीई शीतल शाह ने 2020-21 में की थी। इस परियोजना से अब तक लगभग 2,500 परिवार लाभान्वित हुए हैं।

पुणे के बाहरी इलाके में गन्ने के कई खेत हैं। फसल कटाई के दौरान, वे किसान, जो अन्य रूप से कम मजदूरी के लिए कहीं और कार्यरत रहते हैं, लगभग चार महीने के लिए अपने खेत पर आ जाते हैं। उनमें से ज्यादातर मुश्किल से ही कुछ बचाकर ला पाते है। हैप्पी फैमिली किट परियोजना के मंडल अध्यक्ष विनय पाटिल कहते हैं, ''हमने ऐसे किसानों की पहचान की और उन्हें परिवार किटें उपहार में दीं, जो उन्हें उनकी फसल की कटाई के दौरान आराम से रहने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान करेंगी।'' इन यात्राओं के दौरान, रोटेरियन आस-पास की बस्तियों में लोगों के दयनीय जीवन की स्थिति

से द्रवित हुए और उन्हें भी किट के लाभार्थियों के रूप में शामिल करने का फैसला किया।

प्रत्येक किट की कीमत लगभग ₹3,500 है और फोसेको इंडिया अपने सी एस आर फंड के साथ इस परियोजना का सिलसिलेवार समर्थक बना हुआ है। रोटरी क्लब पुणे ईस्ट अपने ट्रस्ट के माध्यम से अपने हिस्से का धन प्रदान करता है और पिछले तीन वर्षों में 72 रोटरी क्लबों को भी इस कार्य में योगदान देने के लिए शामिल किया है। वह कहते हैं, ''इन क्लबों ने लाभार्थी परिवारों की पहचान करने में भी मदद की है।''

पिछले साल क्लब ने किट के साथ 1,400 लोगों की मदद करने के लिए 62,500 डॉलर के वैश्विक अनुदान के लिए आवेदन किया था। लेकिन स्थिरता कारकों की वजह से अनुदान स्वीकृत नहीं हुआ। क्लब के अध्यक्ष साहिल विजय शाहा कहते है, ''लेकिन हमें सी एस आर अनुदान और आतंरिक कोष के साथ इस परियोजना को जारी रखने की उम्मीद है।'' इस साल, क्लब शुरुआत में 700 किटें वितरित करने की योजना बना रहा है और इस संख्या को 2,000 तक बढ़ाने पर काम कर रहा है, ''अगर हमें खुशकिस्मती से सी एस आर साझेदार मिल जाये तो,'' शाहा मुस्कुराते हुए कहते हैं।

वेल्हे गाँव में बुनियादी सुविधाओं की कमी हैं, और ये किटें वहां के लोगों के लिए बहुत मूल्यवान होंगी।

साहिल विजय शाहा
अध्यक्ष, रोटरी क्लब पुणे ईस्ट

इस साल, रोटेरियनों ने पुणे से 70 किलोमीटर दूर एक दूरदराज के गांव वेल्हे में परिवारों की पहचान की है। ''वहां पहुंचने में दो घंटे लगते हैं। उस गांव में बहुत सी बुनियादी सुविधाओं की कमी हैं, और ये किटें वहां के लोगों के लिए बहुत मूल्यवान होंगी।'' क्लब ने अपने सहयोगी रोटरी क्लबों के साथ एक योजना तैयार की है जिसमें किसी क्लब द्वारा एक किट के आर्डर दिए जाने पर दो किटें मुफ्त दी जाती है। ''इस तरह हम अधिक लाभार्थियों तक भी पहुंच सकते हैं, क्लब के अध्यक्ष कहते हैं।'' ■

TRF की मदद से अच्छे कार्य

कारकाला में खुला एक रोटरी ट्रौमा केयर सेंटर

टीम रोटरी न्यूज़

टीआरएफ के ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या और आईपीडीजी जयगौरी हादीगल ने डॉ टीएमए पाई रोटरी अस्पताल में ट्रॉमा केयर सेंटर का उद्घाटन किया।

टीआरएफ के ट्रस्टी वाइस चेयर डॉ भरत पांड्या ने हाल ही में कर्नाटक के उडुपी जिले के कारकाला के डॉ टीएमए पाई रोटरी अस्पताल में यरमल रेवती प्रेमानन्द शेनोय रोटरी ट्रौमा और आपातकालीन देखभाल केंद्र का उदघाटन किया। वैश्विक अनुदान के माध्यम से रोटरी क्लब पॉइंट और चेस्टर काउंटी (लायनविले), रो ई मंडल 6540, यूएसए और टीआरएफ के सहयोग से ₹52 लाख के उपकरण के साथ रोटरी क्लब कारकाला रॉक सिटी, रो ई मंडल 3182 द्वारा ट्रौमा सेंटर की स्थापना की गई थी।

उद्घाटन के दौरान डी जी डॉ जय गौरी हादीगल, पी डी जी डॉ भरतेश, डी आर एफ सी डॉ पी नारायण, रोटरी क्लब चेस्टर काउंटी से वसंत प्रभु और MAHE विश्वविद्यालय, मनिपाल के प्रो- चांसलर एच एस बल्लाल उपस्थित थे। ■

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल ने स्त्रीरोग ओपीडी का पुनर्निर्माण किया

वी मुत्तुकुमारन

रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल, रो ई मंडल 3232, ने ₹8 लाख की लागत से 2,000 वर्ग फुट में फैले एक 36-सीटर, पूर्ण रूप से ढके आगंतुको के विश्राम कक्ष की स्थापना की। साथ ही, प्रजनन अनुसंधान केंद्र (एफ आर सी) को भी ₹3 लाख में नया रूप दिया गया। इस नए विश्राम कक्ष और स्त्रीरोग ओपीडी उन्नयन को रो ई मंडल 3234 के डीजीएन और क्लब सदस्य विनोद सरोगी के स्वामित्व वाले मेरिडियन ग्लोबल वेंचर्स, परिधान निर्यातकों, के सी एस आर अनुदान (₹11 लाख) से संभव बनाया गया।

डीजीएन की मां के नाम पर प्रतीक्षा कक्ष का नाम मोहिनी सरोगी विसिटर्स लाउन्ज रखा गया है। सरोगी ने कहा, ''हम जल्द ही इस परिसर में एक आरओ वाटर यूनिट और एक कैंटीन स्थापित करेंगे ताकि विश्राम कक्ष में अपनी बारी का इंतजार करते समय मरीजों को आराम मिल सके।'' आईओजी की उप निदेशक डॉ मीना सुरेश जब स्त्रीरोग ओपीडी को उन्नत करने के लिए दानदाताओं की तलाश कर रही थीं, तब उन्हें तमिलनाडु के पूर्व स्वास्थ्य सचिव पी सेंथिल कुमार ने रोटरी से संपर्क करने का निर्देश दिया। सरोगी ने याद करते हुए कहा, डॉ मीना हमारे पास तब आईं जब हम तीन महीने पहले मां और बच्चे के ध्यानाकर्षण क्षेत्र में चिकित्सा परियोजनाएं करने की तलाश कर रहे थे।

हमने एफआरसी का दौरा किया, जो तब एक बड़ा कमरा था, जिसमें रोगियों की जांच के लिए कोई विभाजन या केबिन नहीं थे, प्रयोगशाला अच्छी तरह से सुसज्जित नहीं थी, और पूरा काम संगठित तरीके से नहीं किया जा रहा था। लेकिन मरीजों का लगातार आगमन हो रहा था, इसलिए हमने आगंतुको का विश्राम कक्ष स्थापित करने के साथ-साथ प्रजनन केंद्र को फिर से बनाने के बारे में सोचा,'' सरोगी ने कहा।

इस क्लब के आईपीपी के पी श्रीकुमार ने इस चिकित्सा परियोजना में वित्तीय मदद करने के लिए कॉर्पोरेट्स से संपर्क किया, लेकिन सरोगी, स्त्रीरोग ओपीडी की खराब स्थिति को देखने के बाद, जिसे भारी संरक्षण मिल रहा है, अपनी कंपनी के माध्यम से नवीकरण कार्य को निधि देने के लिए आगे आए।

प्रजनन केंद्र का नया रुप

एक चमचमाते रूप में, एफ आर सी में सुव्यवस्थित ढंग से विभाजित ओपीडी चिकित्सालय, पर्यवेक्षण कक्ष, परामर्श कक्ष, आई यू आई (अंतर्गर्भाशयी गर्भाधान) कक्ष, वीर्य विश्लेषण प्रयोगशाला, और वीर्य एवं रक्त संग्रह कक्ष है। आईओजी के निदेशक डॉ के कलाइवानी ने कहा, ''सुधार के बाद, एफ आर सी में एक दिन में आने वाले मरीजों की संख्या 30-40 से बढ़कर 50-60 हो गई है। एक साथ, यहाँ कम से कम 10 रोगियों की जांच या मामूली सर्जरी से हो सकती है।''

नए आगंतुकों के लाउंज में RID 3234 के डीजीएन विनोद सरावगी और उनकी पत्नी उषा (बीच में), डीजी रवि रामन (दाएं से तीसरे), उनके बाईं ओर,रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल के अध्यक्ष प्रकाश वैद्यनाथन और RID 3232 पब्लिक इमेज चेयर सी मुत्तुसामी (सबसे दाएं)।

पुनर्निर्मित फर्टिलिटी क्लिनिक में RID 3234 डीजीएन सरावगी, डीजी रवि रमन और क्लब के सदस्य।

स्त्रीरोग ओपीडी में एक दिन में लगभग 120 मरीज आते है। रोटरी को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा, ''रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल द्वारा अपना काम शुरू करने के बाद ही, सरकार जागृत हुई और एफ आर सी में उपकरण प्रदान करना शुरू किया। अब, उन्होंने एफ आर सी-लेवल 2 के लिए ₹1.5 करोड़ की प्रारंभिक राशि दी जो जल्द ही मिल जाएगी। एक बार फिर हम विस्तार कार्य को पूरा करने में समर्थन और मौद्रिक मदद के लिए क्लब से संपर्क करेंगे।''

डीजी रवि रमन ने कहा ये आगंतुक कक्ष और उन्नत एफआरसी उत्कृष्ट हैं और ''यह क्लब द्वारा अच्छी तरह से पूरी की गई एक परियोजना थी। अब आईओजी की टीम सरोगी और इस क्लब को नहीं छोड़ेगी क्योंकि वे सुविधाओं को और ज्यादा बढ़ाना चाहते हैं।'' उन्होंने आश्वासन दिया कि ये क्लब चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करके या विस्तार कार्य करके अस्पताल के कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

क्लब अध्यक्ष प्रकाश वैद्यनाथन ने कहा, ''हमें खुशी है कि हम इस चिकित्सा परियोजना का हिस्सा बन सकें। आईओजी और अस्पताल के कर्मचारियों को हमसे पूछते रहना चाहिए और वे जो चाहते हैं उसे करने में हमें काफी खुशी होगी।'' विनोद सरोगी की पत्नी उषा ने कहा कि वह उस समय रोमांचित हो गईं जब नवजात शिशु के साथ एक मां ने कहा कि यहां सुविधाएं बहुत अच्छी हैं, यह बहुत बढ़िया था।

चित्र: वी मुत्तुकुमारन

दिल्ली के अस्पतालों को मिली रोटरी एम्बुलेंस

टीम रोटरी न्यूज़

बाएं से: पूर्व अध्यक्ष विकास ढींगरा, रो ई निदेशक टीएन राजू सुब्रमण्यन, डीजी जीतेंद्र गुप्ता और उनकी पत्नी दीप्ति, क्लब के सदस्यों के साथ एक एम्बुलेंस के उद्घाटन के बाद।

रोटरी क्लब दिल्ली साउथ वेस्ट, रो ई मंडल 3011 ने फरीदाबाद, रोहतक, दिल्ली, पलवल और गुड़गांव के अस्पतालों को सात एम्बुलेंस और ऑटिज्म विकार वाले बच्चों की देखभाल करने वाले शौर्य फाउंडेशन को एक वैन दिया। ₹80 लाख की इस परियोजना को पूर्व अध्यक्ष अजीत जालान के आग्रह पर 'ईवैल्यू सर्व' के सीएसआर अनुदान के माध्यम से प्रायोजित किया गया था।

रो ई मंडल टीएन सुब्रमण्यन ने परियोजना का उद्घाटन करते हुए क्लब के सदस्यों की सराहना की और कोविड के दौरान आपातकालीन देखभाल के लिए एम्बुलेंस की कमी के कारण लोगों के भीषण कष्ट को याद किया। उन्होंने कहा, ''आप जानलेवा बीमारियों से पीड़ित लोगों को जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता दिलाने में अमूल्य सेवा कर रहे हैं।'' उद्घाटन के अवसर पर डीजी जीतेंद्र गुप्ता, आईपीडीजी अशोक कंतूर, पीडीजी संजीव राय मेहरा और विनय भाटिया भी उपस्थित थे।■

WE WANT YOUR FEEDBACK

Rotary

THE ALL-MEMBER SURVEY IS COMING IN OCTOBER!

This is your chance to tell us what you like, what you don't like, and what you want from your Rotary membership.

To make sure you receive the survey, update your email address at my.rotary.org/profile/me.

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

क्लब ने एक रोटरी भवन बनाया

टी आर एफ के ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने आई पी डी जी आनंद झुनझुनूवाला और क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में रोटरी भवन का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब चोपड़ा, रो ई मंडल 3030 ने अपने शहर में रोटरी भवन के उद्घाटन के साथ अपना 52 वर्ष का सपना साकार किया। धन जुटाने के प्रयासों और पूर्व अध्यक्ष एल एन पाटिल के ₹5 लाख के दान से क्लब को 2,000 वर्ग फुट का हॉल बन पाया। टीआरएफ के ट्रस्टी उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने पूर्व विधान सभा अध्यक्ष अरुण भाई गुजराती और आईपीडीजी आनंद झुनझुनूवाला की उपस्थिति में नए स्थान का उद्घाटन किया।■

बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता

बाढ़ राहत सामाग्री के साथ रोटेरियन।

रोटरी क्लब चंडीगढ़ सेंट्रल, रो ई मंडल 3080 द्वारा दो सबमर्सिबल पंप, 300 किराना बैग और 50 बेडशीट उपायुक्त और नगर निगम, मोहाली को सौंपे गए। जबकि पंप निचले इलाकों में हाल ही में भारी बारिश के कारण जमा हुए बाढ़ के पानी को निकालने में मदद करेगा और आवासीय परिसरों के बेसमेंट में बाढ़ पीड़ितों को किराने की थैलियाँ वितरित की जाएंगी।■

रोटरी क्लब मुलुंड ने राजश्री बिड़ला को सम्मानित किया

राजश्री बिड़ला, चेयरपर्सन, आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट, को पीआरआईडी अशोक महाजन (बाएं से दूसरे) की उपस्थिति में ब्रह्माकुमारीज आंदोलन की प्रेरक वक्ता बी के शिवानी द्वारा सम्मानित किया गया।

रोटरी क्लब मुलुंड, रो ई मंडल 3141 ने आदित्य बिड़ला फाउंडेशन फॉर कम्युनिटी इनिशिएटिव्स एंड रूरल डेवलपमेंट की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला को परोपकार के प्रतिमान से सम्मानित किया। राजश्री, ₹150 करोड़ से अधिक का योगदान देकर, टीआरएफ में दूसरी सबसे बड़ी व्यक्तिगत योगदानकर्ता है।■

नोटबुक दान अभियान

छात्रों को नोटबुक वितरित करते क्लब सदस्य।

सूरत के पास कुकेरी गाँव में शांताबा स्कूल के छात्रों को रोटरी क्लब सूरत, रो ई मंडल 3060 द्वारा नए नोटबुक दिए गए। लगभग 3,057 नोटबुक वितरित की गई और क्लब के सदस्य संजय जालान और अनुराग कपूर ने प्रत्येक छात्र के वार्षिक खर्च को प्रायोजित करने का वादा किया, जो कुल ₹30,000 प्रति वर्ष था। ■

रोटरी फाउंडेशन के ट्रस्टी

रो ई के निर्वाचित अध्यक्ष ट्रस्टियों को मनोनीत करते हैं, जिनका चयन रो ई बोर्ड द्वारा चार वर्ष के लिए किया जाता है। चार नए ट्रस्टी 1 जुलाई को पदभार ग्रहण किया।

बेरी रेसिन

अध्यक्ष 2023-24

ट्रस्टी 2020-24

रोटरी क्लब ईस्ट नासाउ बहामास

बेरी रेसिन वर्तमान में डॉक्टर्स हॉस्पिटल हेल्थ सिस्टम नसाउ, बहामास के अध्यक्ष हैं और पूर्व निदेशक रह चुके हैं जहां वे 38 साल कार्य करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। 1980 से रोटेरियन, रेसिन ने 2018-19 में रो ई अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और 2019 की सीओएल में रोटरक्ट क्लबों को शामिल करने के लिए रो ई में सदस्यता की परिभाषा को और व्यापक करने वाला वाला प्रस्ताव दिया था। रो ई में वे निदेशक, टीआरएफ ट्रस्टी और उपाध्यक्ष, वित्त और शेपिंग रोटरी फ्यूचर की समितियों के अध्यक्ष और रो ई प्रशिक्षण नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। वह और उनकी पत्नी, एस्टर, मेजर डोनर, बेनेफेक्टर्स, पॉल हैरिस फेलो और पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं।

मार्क मलोनी

अध्यक्ष-निर्वाचित 2023-24

ट्रस्टी 2021-25

रोटरी क्लब डिकेटर, अलबामा, यूएसए

मार्क मैलोनी ब्लैकबर्न, मलोनी और शूपर्ट लॉ फर्म के मुखिया हैं। वे 2019-2020 में रो ई अध्यक्ष रहे, जब उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान आयोजित पहली आभासी रो ई कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की थी। 1980 से रोटेरियन मलोनी ने रो ई निदेशक फाउंडेशन के ट्रस्टी और उपाध्यक्ष; और 2003-04 रो इ अध्यक्ष जोनाथन माजियाबे के सहयोगी (एड) के रूप में भी कार्य किया है । 2014 में उन्होंने सिडनी कन्वेंशन कमेटी की अध्यक्षता की थी और चार बार रो ई की संचालन समीक्षा समिति (ऑपरेशन रिव्यु कमिटी) की अध्यक्षता की। मलोनी की पत्नी, गे, रोटरी क्लब डिकेटर डेब्रेक, अलबामा, यूएसए की सदस्य और पूर्व अध्यक्ष हैं। दोनों पॉल हैरिस फेलो, मेजर डोनर और बक्रेस्ट सोसाइटी के सदस्यों के रूप में टीआरएफ का सहयोग करते हैं।

भरत पांड्या

ट्रस्टी 2022-26

रोटरी क्लब बोरीवली, महाराष्ट्र

भरत पांड्या एक जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जन हैं। वह और उनकी पत्नी, स्त्री रोग विशेषज्ञ, माधवी, मुंबई में एक निजी अस्पताल के मालिक हैं। 1989 में अपने क्लब के चार्टर सदस्य बन कर रोटरी में शामिल हुए। रो ई मंडल 3140 के मंडल अध्यक्ष रहे और उनके कार्यकाल में टीआरएफ में 2 मिलियन डॉलर से अधिक का योगदान दे कर उनका मंडल उस वर्ष 2006-07 में विश्व का शीर्ष योगदानकर्ता बन गया। उन्होंने रो ई निदेशक, रो ई कोषाध्यक्ष, प्रशिक्षण नेता और रोटरी की सदस्यता, रणनीतिक योजना, नेतृत्व विकास और कन्वेंशन प्रमोशन समितियों और इंडिया पोलियोप्लस समिति के सदस्य के रूप में रोटरी को अपनी सेवाएं दी हैं। उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड, टीआरएफ का डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड और रोटरी फाउंडेशन का साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज मिला है पंड्या और माधवी फाउंडेशन में लेवल 2 के मेजर डोनर हैं।

मार्था पीक हेलमैन

ट्रस्टी 2022-26

रोटरी क्लब बूथबे हार्बर, मैंन, यूएसए

मार्टी हेलमैन मैकग्रा-हिल में एक पत्रिका संपादक रह चुकी हैं उन्होंने अपने कार्यकाल में अमेरिकन मैनेजमेंट एसोसिएशन और व्यापारिक अधिकारियों के लिए लेखन किया। बाद में, उन्होंने ओटो और फ्रैन वाल्टर फाउंडेशन के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जो एक गैर-लाभकारी संस्था है जिसने नए रोटरी पीस सेंटर को वित्त पोषित करने के लिए टीआरएफ के साथ सहभागिता की है जिसका सृजन इस्तांबुल के बाचिसे विश्वविद्यालय में किया जायेगा। हेलमैन और उनके दिवंगत पति, फ्रैंक, 2003 में रोटरी क्लब बूथबे हार्बर के सदस्य बने थे। उन्होंने पीस मेजर गिफ्ट्स इनिशिएटिव के अध्यक्ष के रूप में कार्य कारी में रोटरी की सेवा की है। हेलमैन AKS सदस्य हैं साथ ही पॉल हैरिस सोसाइटी और पोलियोप्लस सोसाइटी के सदस्य हैं। वह और फ्रैंक टीआरएफ की लिगेसी सोसाइटी के चार्टर सदस्य थे।

चुन-वूक ह्यून

ट्रस्टी 2023-27

रोटरी क्लब सियोल-हंसू, कोरिया

चुन-वूक ह्यून सियोल स्थित किम एंड चांग में वरिष्ठ भागीदार हैं। 1991 में रोटरी क्लब सियोल-हंसू के चार्टर सदस्य, ह्यून ने रो ई को प्रशिक्षण नेता, आरआईपीआर और मेजबान संगठन समिति के सदस्य और 2016 में सियोल सम्मलेन के कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य किया है। वह रोटरी फाउंडेशन कोरिया के निदेशक हैं। ह्यून AKS सदस्य हैं।

गीता मानेक

ट्रस्टी 2020-24

रोटरी क्लब मुथैगा, केन्या

गीता मानेक, दूसरी पीढ़ी की केन्याई हैं और अपने परिवार के रिटेल और संपत्ति प्रबंधन व्यवसाय संभालती हैं। 1997 में रोटरी में शामिल हुईं गीता आरसी, हेल्थ मेजर गिफ्ट्स इनिशिएटिव और सहभागिता पर गठित संयुक्त समिति की अध्यक्ष, मेजर गिफ्ट्स इनिशिएटिव ओवरसाइट टीम की सदस्य और रोटरी इंस्टीट्यूट होस्ट ऑर्गनाइजिंग कमेटी की सदस्य रही हैं। उन्होंने "किक पोलियो आउट ऑफ अफ्रीका" अभियान में अपने मंडल के समन्वयक के रूप में भी काम किया है। वह केन्या और आस पास के क्षेत्र में रोटरी साक्षरता की पहल का नेतृत्व करने में सहायता कर रही हैं। गीता को सर्विस एबव सेल्फ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वह और उनके पति, कौशिक 2008-09 में डीजी रहे हैं और मेजर डोनर बेनेफैक्टर हैं साथ ही बक्केस्ट सोसाइटी सदस्य और AKS सदस्य भी हैं।

जेनिफ़र जोन्स

ट्रस्टी 2023-27

रोटरी क्लब विंडसर-रोज़लैंड, ओंटारियो

जोन्स ओंटारियो में एक मीडिया कंपनी की संस्थापक हैं। वह पहली महिला थीं जो 2022-23 में रो ई अध्यक्ष बनीं। उन्हें रोटरी के सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस से सम्मानित किया गया है। जोन्स का विवाह पारिवारिक चिकित्सक निक क्रेयासिच से हुआ है। वे AKS सदस्य हैं और पॉल हैरिस सोसाइटी और बेक्केस्ट सोसाइटी की सदस्य के रूप में टीआरएफ का सहयोग करती हैं।

होल्गर नेक

ट्रस्टी 2022-26

रोटरी क्लब हर्ज़ोग्टम लॉएनबर्ग-मोलेन, जर्मनी

नेक एक रियल एस्टेट कंपनी नेक केजी के स्वामी हैं। 1992 से रोटरी सदस्य नैक रोटरी अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, निदेशक और कई समितियों के अध्यक्ष और सीओएल के प्रतिनिधि रह चुके हैं। वह हैम्बर्ग में 2019 के रो ई कन्वेंशन के लिए एक एन्डोमेन्ट /मेजर गिफ्ट एडवाइजर और कन्वेंशन की मेज़बान संगठन समिति के सह-अध्यक्ष भी रह चुके हैं। नेक और उनकी पत्नी, सुज़ैन, मेजर डोनर हैं और बक्केस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

स्यु-मिंग लिन

ट्रस्टी 2020-24

रोटरी क्लब ताइपे तुंगटेह, ताइवान

लिन कॉन्टिनेंटल वर्ल्डवाइड एंटरप्राइजेज कंपनी लिमिटेड, उपग्रह संचार प्रणालियों की डिज़ाइन और एकीकृत करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक हैं। 1988 में रोटेरियन बने लिन ने आरआरएफसी, आरसी, आरआईपीआर के रूप में सेवाएं दी हैं और वे रो ई बोर्ड के निदेशक और कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। वह और उनकी पत्नी, चेन-यी, AKS सदस्य हैं। लिन टीआरएफ के बेनेफैक्टर और पॉल हैरिस फेलो भी हैं।

लेरी लन्सफ़ोर्ड

ट्रस्टी 2021-25

रोटरी क्लब कैनसस सिटी-प्लाज़ा, मिसूरी, यूएसए

लेरी लन्सफ़ोर्ड, एक प्रमाणित सार्वजनिक लेखाकार हैं और बर्नस्टीन-रीन एडवरटाइजिंग, इंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी हैं। वह 1991 में रोटरी में सम्मिलित हुए थे, रो ई में उन्होंने निदेशक के रूप में सेवा की है और रो ई अध्यक्ष मार्क मैलोनी के सहयोगी और टीआरएफ की रोटरी पीस सेंटर्स कमेटी के अध्यक्ष हैं। लन्सफ़ोर्ड और उनकी पत्नी, जिल मेजर डोनर, बेनेफैक्टर और बक्केस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं। उन्हें रोटरी फाउंडेशन के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज और रो इ के सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

अज़ीज़ मेमन

ट्रस्टी 2020-24

रोटरी क्लब कराची, पाकिस्तान

अजीज मेमन किंग्स ग्रुप पाकिस्तान के अध्यक्ष हैं जिस में पांच कंपनियां हैं। 1995 में रोटरी में शामिल हुए उस के बाद से, पोलियो उन्मूलन में उनके नेतृत्व के अंतर्गत किये गए कार्यों से उनकी व्यापक पहचान बनी। आप आईपीपीसी के सदस्य और पाकिस्तान पोलियोप्लस समिति के अध्यक्ष रहे हैं। मेमन को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड, पोलियो मुक्त विश्व के लिए अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सेवा पुरस्कार और टीआरएफ का डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड और रोटरी फाउंडेशन के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज अवार्ड से नवाज़ा गया है। वह और उनकी पत्नी समीना AKS सदस्य हैं।

अकीरा मिकी

ट्रस्टी 2021-25

रोटरी क्लब हिमेजी, जापान

अकीरा मिकी, पेशे से दंत चिकित्सक, 1981 में रोटरी में आए थे। उन्होंने 2020-21 में रो इ निदेशक और फाउंडेशन ट्रस्टियों के लिए एक विशेष सलाहकार के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आरआईपीआर, ट्रेनिंग लीडर, गेट्स ट्रेनर, एआरसी और सीओएल प्रतिनिधि के रूप में भी सेवाएं दी हैं। वह रो ई जापान यूथ एक्सचेंज कमेटी के निदेशक हैं। एक पूर्व इंटरेक्टर रह चुके मिकी टीआरएफ के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज के प्राप्तकर्ता हैं। वह और उनकी पत्नी, चिहारू दोनों ही AKS सदस्य, बेनेफैक्टर्स और मेजर डोनर हैं।

ग्रेग ई पॉड

ट्रस्टी 2022-26

रोटरी क्लब एवरग्रीन, कोलोराडो, यूएसए

ग्रेग 1979 से एक प्रमाणित सार्वजनिक लेखाकार और व्यक्तिगत वित्तीय विशेषज्ञ (सेवानिवृत्त) हैं। वह 1982 में रोटरी में सामिलित हुए और उन्होंने उपाध्यक्ष और निदेशक रहते हुए रो ई की सेवा की है। रोटरी फाउंडेशन के प्रमुख उपहार सलाहकार के रूप में, ग्रेग ने अपने मंडल के लिए मिलियन डॉलर डिनर का आयोजन किया था और एक रात में 3.1 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए थे। ग्रेग को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और रोटरी फाउंडेशन का साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज मिला है। वह और उनकी पत्नी, पाम, मेजर डोनर हैं और AKS सदस्य होने के साथ बक्रेस्ट सोसाइटी और पॉल हैरिस सोसाइटी के भी सदस्य हैं।

कार्लोस सैंडोवल डेलगाडो

ट्रस्टी 2023-27

रोटरी क्लब सैन निकोलस डे लॉस गार्ज़ा, मेक्सिको

सैंडोवल ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी कंपनी ऑर्सन कॉर्प के अध्यक्ष हैं। वह 1975 में रोटरी में शामिल हुए थे और उन्होंने आरआरएफसी, फंड डेवलपमेंट एंड पीस सेंटर समितियों के सदस्य और एक्स्ट्रा आर्डिनरी डोनेशंस एंडोमेंट / मेजर गिफ्ट्स एस्सेसर के रूप में रो ई और टीआरएफ की सेवा की है। वह रोटरी में 2025 तक कम्युनिटी इकनोमिक डेवलपमेंट मेजर गिफ्ट्स इनिशिएटिव के सलाहकार के रूप में भी कार्य करेंगे। सैंडोवल को सराहनीय सेवा के लिए रोटरी फाउंडेशन का साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज टीआरएफ के प्रशस्ति पत्र के प्राप्तकर्ता हैं। वह और उनकी पत्नी, मार्था, AKS के प्लेटिनम ट्रस्टी सर्कल के सदस्य हैं।

डेनिस जे शोर

ट्रस्टी 2023-27

रोटरी क्लब हॉथोर्न, ऑस्ट्रेलिया

डेनिस शोर, पेशे से चार्टर्ड केमिकल इंजीनियर, 1980 में रोटरी में आये। उन्होंने एंडोमेंट / मेजर गिफ्ट्स एडवाइजर के रूप में काम किया है और ऑस्ट्रेलिया में रोटरी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने तीन बार आरआईपीआर के रूप में और दो बार सीओएल का प्रतिनिधित्व किया है। 2017 में उन्होंने एक मिलियन डॉलर का रात्रिभोज आयोजन किया था और टीआरएफ के लिए 3.5 मिलियन डॉलर से अधिक जुटाए गए। शोरे और उनकी पत्नी, लिंडा, मेजर डोनर और बक्रेस्ट सोसाइटी सदस्य हैं। वह मंडल 9800 से पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं और रोटरी साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विसेज प्रशस्ति पत्र के प्राप्तकर्ता हैं।

जॉन ह्यूको

महासचिव और सीईओ, रोटरी क्लब कीव, यूक्रेन

ह्यूको की जीवनी के लिए अगस्त'23 अंक देखें।

©Rotary.org

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय डेस्क से

जून 2023 तक का ज़ोन-अनुसार टीआरएफ योगदान अपडेट (अंतरिम अनऑडिटेड)

US$ में

Zone	Annual giving	PolioPlus	Endowment Fund	Other giving	Total contribution
4	2,884,115	177,420	1,664,264	8,427,642	13,153,441
5	2,293,397	498,792	567,171	3,572,777	6,932,137
6	1,368,954	140,348	374,507	1,776,751	3,660,560
7	2,645,959	302,428	932,757	3,121,046	7,002,190
Total	9,192,424	1,118,987	3,538,700	16,898,216	30,748,328
#Total	8,950,358	2,074,372	3,416,792	16,778,662	31,220,184
1B*	189,936	86,524	55,125	462,120	793,705
#Total	9,497,439	2,216,404	3,699,592	17,454,994	32,768,429

#भारत और दक्षिण एशिया के कुल योगदान में पोलियो के लिए राजश्री बिड़ला का 1 मिलियन डॉलर का योगदान शामिल है।

** ज़ोन-1बी के आंकड़े में केवल पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।*

दक्षिण एशिया मिलियन डॉलर मंडल 2022-23 (अंतरिम अनऑडिटेड अपडेट)

Zone	District	Total contribution	Worldwide rank
4	3141	$6,510,341	1
7	3131	$2,615,321	5
5	3232	$1,998,018	9
4	3011	$1,836,479	12
5	3201	$1,808,675	13
4	3012	$1,765,200	14
7	3190	$1,633,379	17
6	3110	$1,311,847	34
4	3060	$1,054,754	58

दक्षिण एशिया से रोटरी वर्ष 2022-23 के लिए धन संचयन समारोह के मुख्य अंश

- भारत ने 31.2 मिलियन डॉलर का अपना उच्चतम योगदान देकर दुनिया भर में टीआरएफ को देने में अपने दूसरे नंबर के स्थान को बरकरार रखा।
- 6.5 मिलियन डॉलर के कुल योगदान के साथ रो ई मंडल 3141 दुनिया में नंबर 1 स्थान पर है।
- भारत के नौ मंडलों ने 1 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है।
- 2022-23 के दौरान दक्षिण एशिया से 38 नए एकेएस सदस्य (स्तर परिवर्तन सहित) शामिल किए गए हैं।
- 71 प्रतिशत क्लबों और 32 प्रतिशत सदस्यों ने टीआरएफ में योगदान दिया है जिनमें 10 मंडलों ने 100 प्रतिशत दान देने वाले क्लबो का दर्जा प्राप्त किया है।

मंडलों के लिए प्रशस्ति प्रमाण पत्र

90 प्रतिशत से अधिक अनुदान रिपोर्टिंग अनुपालन करने वाले मंडलों की पहचान करते हुए टीआरएफ न्यासियों ने अप्रैल 2023 में इस उपलब्धि को सालाना सम्मानित करने का फैसला किया। अधिक जानकारी के लिए कृपया टीआरएफ कोड ऑफ पॉलिसीज की धारा 34.050.3 को देखें।

विश्व स्तर पर 39 मंडलों को 2022-23 में असाधारण रिपोर्टिंग के लिए मान्यता देते हुए न्यासी अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। टीआरएफ न्यासी उपाध्यक्ष भरत पांड्या ने रो ई मंडल 3203 को इस सम्मान के लिए बधाई दी।

रोटरी सभी मंडलों से अगले चार तिमाही विश्लेषणों में 90 प्रतिशत रिपोर्टिंग अनुपालन को पार करने और रोटरी वर्ष 2023-24 में मंडल अनुदान और वैश्विक अनुदान का 100 प्रतिशत अनुपालन करने का आग्रह करता है। पारदर्शी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रभावशाली सामुदायिक प्रगति को बढ़ावा देते है। उत्कृष्ट कार्य जारी रखें; आपके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।■

प्रकृति की ओर से ख़तरनाक संदेश

प्रीति मेहरा

दुनिया में अब तक की सबसे गर्म जुलाई का अनुभव होने के बाद, खतरे की घंटी बज रही है

क्या उत्साही पर्यावरण कार्यकर्ताओं द्वारा ग्लोबल वार्मिंग के बारे में चिंताओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है? जो लोग समस्या को दूर करना चाहते हैं वे ऐसा सोचना चाहेंगे। वे आपको यह भी याद दिला सकते हैं कि कैसे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ताओं को विनाश के पैगंबर के रूप में संबोधित कर बदनाम किया था। उन्होंने जलवायु संरक्षण समूहों को खतरनाक कह उन्हें खारिज किया था वे हमारी जिंदगी के हर पहलू को नियंत्रित करना चाहते हैं।

लेकिन 2023 में जब दुनिया ने इतिहास में दर्ज की गई सबसे गर्म जुलाई महीने का अनुभव किया और अप्रत्याशित मौसम का सामना किया - अचानक बाढ़, जंगलों की आग, पिघलते ग्लेशियर, तेज गर्मी और समुद्र के पानी का रिकॉर्ड स्तर तक गर्म होना - तो इस पर संदेह रखने वालों के विचार बदले हैं।

सरकारों के बीच आम सहमति यह है कि हम जलवायु आपातकाल का सामना कर रहे हैं। यह अहसास कुछ साल पहले हुआ था, लेकिन जलवायु की गिरावट की गंभीरता के कारण 2023 में खतरे की घंटी बजने लगी।

हम कारपूलिंग के बारे में बहुत कुछ सुनते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग इसे अपने दैनिक जीवन में लागू करते हैं?

लेकिन सभी चेतावनी संकेतों के बावजूद, मैं अभी भी ऐसे लोगों से मिलता हूं जो कहते हैं कि हरित सक्रियता केवल अभिजात वर्ग द्वारा प्रचलित एक सनक है। वे दावा करते हैं कि ''जलवायु परिवर्तन कोई नई बात नहीं है और प्रकृति खुद ही इसे ठीक कर लेगी। दूसरों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग मनगढ़ंत बातें हैं क्योंकि अभी भी ठंड के मौसम आते हैं। वास्तव में, वार्मिंग उतनी बुरी नहीं हो सकती जितनी इसे बताया जाता है,'' वे कहते हैं, इस मुद्दे को प्रकाश में लाना है।

उन लोगों द्वारा मन बहलाने के लिए हरित होने की बातें नहीं करनी चाहिए। जिनके पास करने के लिए कुछ भी बेहतर नहीं है, न ही यह उन लोगों के लिए शौक का घोड़ा है जो प्लास्टिक या वायु प्रदूषण के खिलाफ युद्ध छेड़ने से खुशी प्राप्त करते हैं। यह एहसास होना चाहिए कि यह एक गंभीर मुद्दा है, और एक हरित जीवन शैली को हमारे जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। हमें पर्यावरण को बचाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर कार्य करना होगा। हम सभी को

इसमें अपनी भूमिका निभानी है, जिसमें सरकारें भी शामिल हैं।

जिम्मेदार नागरिक के रूप में हमें उदाहरण प्रस्तुत करके नेतृत्व करना चाहिए। हम कारपूलिंग के बारे में बहुत कुछ सुनते हैं, लेकिन हममें से कितने लोग इसे अपने दैनिक जीवन में लागू करते हैं? यहां तक कि अगर हम ईमानदारी से शुरुआत भी करते हैं, तो जल्द ही हम इसमें रुचि खो देते हैं क्योंकि वाहन में अकेले अपने निजी स्थान का आनंद लेना निस्संदेह दूसरे के साथ साझा करने से कहीं बेहतर है। यहीं पर प्रतिबद्धता और थोड़ा सा त्याग आता है। याद रखें कि सड़क पर प्रत्येक अतिरिक्त वाहन का मतलब है अधिक जीवाश्म ईंधन का जलना और अधिक वायु प्रदूषण।

कोई भी आपसे तब तक अपनी कार को कबाड़ में डालने के लिए नहीं कह रहा है जब तक कि आप एक महंगी ईवी खरीदने में सक्षम न हो जाएं। लेकिन इसका उपयोग कम करने से निश्चित तौर पर मदद मिलेगी। इस प्रकार, यदि आप इत्मीनान से किसी नजदीक जगह तक पैदल जा सकते हैं तो यह ड्राइविंग से बेहतर और स्वस्थ विकल्प होगा। और यह भी ध्यान रखें कि वाहन साझा करना, कार्बन उत्सर्जन और सड़क पर वाहनों की संख्या को कम करते हैं।

फिर, हम अक्सर निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने में समझदारी के बारे में बात करते हैं। लेकिन स्कूलों के बाहर कारों की कतार इस बात का सबूत है कि कई माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल बसों के बजाय निजी वाहनों में भेजना पसंद करते हैं। इसे बदलना होगा।

यही बात एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर भी लागू होती है। मैं ऐसे दोस्तों को जानता हूं जो कपड़े या जूट के थैले लेकर खरीदारी करने जाते हैं। लेकिन वे पड़ोस के सब्जी विक्रेता को नहीं रोकते जब वह बीन्स या टमाटर को प्लास्टिक की थैली में देता है, ताकि वे सभी थैले में मिल न जाए। इसका नतीजा यह है कि वे बाजार से गैर-पुनर्चक्रण योग्य प्लास्टिक से भरे पर्यावरण-अनुकूल थैले के साथ लौटते हैं।

मैं ऐसे दोस्तों को जानता हूं जो कपड़े या जूट के थैले लेकर खरीदारी करने जाते हैं। लेकिन वे पड़ोस के सब्जी विक्रेता को नहीं रोकते जब वह बीन्स या टमाटर को प्लास्टिक की थैली में देता है, ताकि वे सभी थैले में मिल न जाए।

लेकिन 2050 तक दुनिया भर में 1.1 अरब टन वार्षिक उत्पादन होने के अनुमान के साथ प्लास्टिक विस्फोट की स्थिति में एक व्यक्ति या यहां तक कि व्यक्तियों का एक समूह क्या कर सकता है? यह लड़ाई एकतरफा लगती है लेकिन इसमें हममें से हर कोई योगदान दे सकता है।

सरकारों और उद्योग को सक्रिय करने के लिए पर्यावरणीय मुद्दों और जलवायु परिवर्तन के प्रति सामूहिक जागरूकता आवश्यक है। लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर आप अपने पड़ोसियों, समुदाय और अपने क्लब को प्रभावित कर सकते हैं। आप उन्हें सरकारों को याचिका दायर करने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं। सामूहिक दबाव अक्सर काम करता है।

पर्यावरणीय संकट की तात्कालिकता पर अधिक बल नहीं दिया जा सकता। दुनिया में अब तक की सबसे गर्म रही जुलाई महीने के अंत में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दुनिया के लिए यह संदेश था: जलवायु परिवर्तन यहाँ है, यह भयावह है, और यह तो बस शुरुआत है। ग्लोबल वार्मिंग का युग समाप्त हो गया है; वैश्विक उबाल का युग आ गया है, उन्होंने कहा, अब और कोई झिझक नहीं हो सकती, ज्यादा बहाने नहीं, अब दूसरों के पहले आगे बढ़ने का इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा।

अब समय आ गया है कि हम सभी कार्य करें और इस उद्देश्य पर ईमानदारी से कार्य करें।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

आपके गवर्नर्स

अरुण भार्गवा

पैकेजिंग डिजाइनर

रोटरी क्लब मुंबई अंधेरी, रो ई मंडल 3141

परिवर्तन को अपनाना

अरुण भार्गवा कहते हैं, ''मांग करने के बजाय देने के लिए प्रेरित करें। यह दृष्टिकोण सदस्यों के बीच वास्तविक उत्साह पैदा करेगा, जिसके परिणामस्वरूप प्रचुर मात्रा में योगदान होगा।'' वह अपने सदस्यों को *rotary.org* पर मूल्यवान संसाधनों तक पहुंचने के साथ-साथ कार्यक्रम विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का आग्रह करते हैं।

भार्गवा रोटरी की बदलती दुनिया के अनुकूल होने और विभिन्न युगों में प्रासंगिक बने रहने की उल्लेखनीय क्षमता से मोहित हैं। उनका नेतृत्व इस सक्रिय प्रकृति से प्रेरित है। ''परिवर्तन को गले लगाओ, इसका उपयोग करो और विकास के लिए इसे उत्प्रेरक में बदल दो।''

इरादतन सदस्यता में दृढ़ विश्वास रखने वाले, भार्गव किसी को भी रोटरी में शामिल होने के लिए जल्दबाजी ना करने के महत्व पर जोर देते हैं। ''भावी सदस्यों को रोटरी के परिवर्तनकारी लाभों के साथ-साथ इसमें शामिल प्रतिबद्धताओं की एक स्पष्ट तस्वीर मिलनी चाहिए।''

" हमारे रोटरी क्लबों में विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। अप्रैल 2023 में अधिकृत रोटरी क्लब इक्विवैलेंस, LGBTQIA व्यक्तियों, उनके परिवारों, दोस्तों और सहयोगियों का स्वागत करते हुए उन्हें एक स्थान प्रदान करता है।"

वह भारतीय सेना के सहयोग से राष्ट्रीय एकता परियोजना पर काम करना जारी रखेंगे, जिसका उद्देश्य कश्मीर में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। नर्सिंग में 100 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित करके, रो ई मंडल 3141, कश्मीर के 300 गांवों में महत्वपूर्ण चिकित्सा कमी को संबोधित करेगा।

आशा वेणुगोपाल

पत्रकारिता, रोटरी क्लब नासिक ग्रेपसिटी, रो ई मंडल 3030

उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करें

एक युवा कन्या गाइड और एनसीसी कैडेट के रूप में शुरुआत करने वाली, आशा वेणुगोपाल के माता-पिता ने उनके अन्दर ''शुरुआत से अति महत्वाकांक्षी होने के गुण निहित किये,'' जिसे उन्होंने 2010 से उनकी रोटरी यात्रा में भी शामिल किया। डीजी के रूप में अपनी नियुक्ति वाले दिन, उन्होंने एकेएस सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए टीआरएफ को 250,000 डॉलर का योगदान दिया। वह कहती हैं, ''जहां एक तरफ एकेएस सदस्य बनने से संस्थान के प्रभाव को बढ़ावा मिलता है, वहीँ यह मेरे मंडल के सदस्यों को आगे आने और टीआरएफ में दान करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा।'' आशा का लक्ष्य अपने मंडल के माध्यम से संस्थान के लिए 500,000 डॉलर जुटाने का है।

उन्होंने सरल, करने योग्य पहलें निर्धारित की है। प्रोजेक्ट आकांक्षा: स्मार्टफोन के माध्यम से व्यापक पाठों को प्रदान करने वाला एक एप कक्षा 7 से 10 के 50,000 छात्रों को पढ़ाने का लक्ष्य रखता है। प्रोजेक्ट बूँद के तहत, घरों में एरेटर वितरित किए जाएंगे, जिससे पानी की बर्बादी में 60 प्रतिशत की कमी आएगी। 5,500 नियोजित साइकिलों में से 1,000 पहले ही वंचित छात्रों को दी जा चुकी हैं।

मंडल के क्लब LGBTQIA सदस्यों का स्वागत कर रहे हैं, ''लेकिन महिलाओं की सदस्यता में वृद्धि की आवश्यकता है,'' आशा स्वीकार करती हैं और आगे कहती हैं कि ''विविध सदस्यता का मतलब है रोटेरियनों की संख्या, सदस्यता शुल्कों, कार्यक्रमों में भागीदारी और धन संचयन में वृद्धि, जिससे रोटरी के विकास और उपक्रमों को मजबूत आर्थिक समर्थन मिल सकें।''

वह भावी सदस्यों को शामिल होने के लिए आमंत्रित करने से पहले पृष्ठभूमि की जांच का सुझाव देती है और नए लोगों को रोटरी के विषय में अपनी समझ को बढ़ाने के लिए रोटरी लीडरशिप इंस्टीट्यूट कार्यक्रम में सम्मिलित होने की सिफारिश करती है।

से मिलिए

किरण ज़ेहरा

आनंदा जोती

हॉस्पिटैलिटी, रोटरी क्लब डिंडीगुल, रो ई मंडल 3000

रोटरी महिलाओं के लिए सर्वोत्कृष्ट मंच

आनंदा जोती अपने जीवन को दो चरणों में विभाजित करती है - 2006 में क्लब अध्यक्ष बनने से पहले, और उसके बाद। इस महत्वपूर्ण भूमिका ने मुझे एक व्यापक परिप्रेक्ष्य दिया जिसने मुझे एक समग्र दृष्टिकोण के साथ निर्णय लेने में सक्षम बनाया। सदस्यता वृद्धि के लिए, वह हर एक लाये एक पद्धति की वकालत करती है और सदस्यों को अपनी व्यक्तिगत सफलता की कहानियों को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करती है। वह अपनी टीम से आग्रह करतीं है, ''महिला पेशेवरों और उद्यमियों के लिए रोटरी एक उत्तम मंच प्रदान करता है। जब आप किसी सशक्त महिला सदस्य से मिलते है, तो उन्हें इसके बारे में बताये।'' उन्हें खुशी है कि रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली बटरफ्लाईस; एक अखिल महिला क्लब को हाल ही में मौजूदा 33 में 22 नए सदस्यों को जोड़कर 150 प्रतिशत वृद्धि हासिल करने के लिए सम्मानित किया गया था। वह मुस्कुराते हुए कहती है, ''मैं उन क्लबों की यथास्थिति और दृष्टिकोण को चुनौती देने के लिए दृढ़ हूँ जिनमें केवल पुरुष सदस्य हैं। हमने पहले ही 11 मिश्रित क्लबों के गठन की शुरुआत की है, और उनमें से दो को विशेषाधिकार दिया है। विशेषकर, केवल पुरुषों वाले एक 67 वर्षीय पुरानें क्लब ने अब युवा सदस्यों और महिलाओं का स्वागत किया है।'' उनके कार्यकाल के दौरान, मंडल का लक्ष्य लड़कियों के लिए 100 शौचालय खंडों का निर्माण करना तथा महिलाओं के लिए 100 ऑटोरिक्शा का वितरण करना है। टीआरएफ के लिए उनका लक्ष्य 2.5 मिलियन डॉलर का है।

राघवन एस

ऊर्जा संरक्षण, रोटरी क्लब होसुर, रो ई मंडल 2982

परियोजना संचालित रोटरी पथ

राघवन आश्चर्य करतें हैं कि एक छात्र के रूप में एक सरकारी स्कूल और कॉलेज के गलियारों से लेकर, मंच की कमान संभालने, परियोजनाओं का उद्घाटन करने और अद्भुत व्यक्तियों के साथ जुड़ने तक - यह असाधारण यात्रा रोटरी द्वारा संचालित है। वह 1997 में रोटरी से उनको जुड़वाने का श्रेय अपने दोस्त सत्य परसा को देते हैं।

उनका मानना है कि क्लब की सदस्य संरचना के हिस्से के रूप में ''वर्गीकरण, दोस्ती को बढ़ावा देता है, जो क्लबों में विविध प्रकार के कौशल लाता है। वह अपनी टीम से आग्रह करते हैं कि नए सदस्यों की भर्ती से पहले रोटरी को आवश्यक वित्तीय प्रतिबद्धता, समय और समर्पण की रूपरेखा तैयार करें।'' राघवन ने *रोटरी न्यूज़,* और रोटरी (पत्रिका) के माध्यम से अच्छी तरह से अवगत रहने के मूल्य पर प्रकाश डाला। उन्हें रोटरी द्वारा विश्व युद्धों के दौरान दिखाया गया लचीलेपन प्रेरित करता है लेकिन संगठन का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज इसे क्या देते हैं। टीआरएफ के लिए उनका लक्ष्य 10 लाख डॉलर का योगदान करने का है। डीजी 100 रोटरेक्ट, इंटरेक्ट और आरसीसी क्लबों को अधिकृत करने की योजना बना रहे है। अंगदान और अन्य कारणों के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए उनकी सूची में 10 मैराथन और कन्याकुमारी से कश्मीर तक एक रोटरी ट्रेन यात्रा शामिल है। ₹1.4 करोड़ की लागत से कैंसर का पता लगाने वाली एक वैन भी कतारबद्ध में है। सभी परियोजनाओं के लिए धन क्लब, अनुदान और सी एस आर द्वारा जुटाए जाएंगे।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

जमशेदपुर के पास एक सामुदायिक वन

टीम रोटरी न्यूज़

पिछले साल जून तक, पूर्वी सिंहभूम जिले में जमशेदपुर से 35 किलोमीटर दूर पाटमदा गांव के बाहरी इलाके में एक एकड़ का एक भूखंड बंजर पड़ा हुआ था। रोटरी क्लब जमशेदपुर स्टील सिटी, रो ई मंडल 3250 के रोटेरियनों ने भूमि के इस टुकड़े पर 1,000 देशी पौधे लगाकर नए रोटरी वर्ष की शुरुआत की जिसे मद होप ग्रोवफ नाम दिया गया।

क्लब की अध्यक्ष अमृता वखारिया कहती है, ''हम मानसून के आने का इंतजार कर रहे हैं और आने वाले महीनों में हम यहाँ और भी पौधे लगाएंगे।''

क्लब के सदस्य त्रिलोक सिंह ने गैरीग्राम गांव के सरपंच, लायन रमेश सेठ, रोटरी क्लब जमशेदपुर स्टील सिटी की अध्यक्ष अमृता वखारिया और मंजू सिंह की उपस्थिति में पौधारोपण किया।

पर्यावरण विशेषज्ञों और समुदाय के सदस्यों से परामर्श के बाद सागौन, शीशम, करंज, नीम, महुआ, कटहल, जामुन और आम जैसी प्राकृतिक प्रजातियों के पौधों को इस भूमि पर रोपण हेतु चुना गया।

अमृता कहती हैं कि इसका उद्देश्य वायु गुणवत्ता, मिट्टी और नमी संरक्षण में सुधार लाकर एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना और ग्रामीणों एवं रहवासियों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करना है। ''हरियाली से भरपूर हमारा सामुदायिक वन जल्द ही इस क्षेत्र की सुंदरता को बढ़ाएगा। हमने प्रवेश बिंदु पर एक रोटरी द्वार बनाया है और चूंकि यह भूमि पश्चिम बंगाल राजमार्ग पर है इसलिए रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करने का यह एक बढ़िया तरीका है।'' पौधों की सुरक्षा के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की जाएगी और आदिवासी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा एक वर्ष तक

इन पौधों का वैज्ञानिक रूप से रख-रखाव किया जाएगा। ''हमने फैसला किया कि यह कोई एक बार का मुद्दा नहीं होगा जहाँ हम औपचारिक रूप से पौधे लगाकर बाद में उसे भूल जाएं। इसलिए हमने उनका पोषण करने और पौधों का एक स्वस्थ जंगल में विकसित होना सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों को शामिल किया। इस पहल में भाग लेने के लिए प्रत्येक सदस्य उत्साहित है,'' वह कहती हैं।

अमृता को उम्मीद है कि अपने फलदार पेड़ों और औषधीय जड़ी-बूटियों के साथ यह जंगल अगले 10-15 वर्षों में गांव में रहने वाले 500 परिवारों को लाभान्वित करेगा। ■

विधवा और आदिवासी महिलाओं को मिला सहारा

रोटरी क्लब राजगुरुनगर, रो ई मंडल 3131 द्वारा उन 170 विधवाओं को सिलाई मशीनें और मसाला मिक्सर दिए गए, जिनकी कीमत ₹15,000 थी, जिन्होने अपने पतियों को कोविड में खो दिया था, ताकि उन्हें नियमित आय अर्जित करने में मदद मिल सके। परियोजना की लागत ₹20 लाख थी।

आईपीपी जयश्री पडवाल ने कहा, क्लब ने आदिवासी परिवारों और कमजोर समूहों के फायदा के लिए 30 से अधिक परियोजनाएं की हैं। क्लब ने 11 आदिवासी गांवों के 120 परिवारों को जो बिना बिजली के रह रहे थे, ₹1.2 लाख की सोलर लाइटें दीं।

₹50,000 की कुल लागत पर सहाद्री घाटी के दूरदराज के गाँव में 15 बहुउद्देशीय सौर सेट और 200 स्ट्रीट लैम्प दिए गए। जयश्री ने कहा,

ग्रामीणों को सोलर लैंप बांटे गए।

''इस आदिवासी गाँव में कोई सड़क, रोशनी, स्कूल या चिकित्सा सुविधा नहीं है। जब एक गाँव के जिला परिषद स्कूल में छात्र फर्श पर बैठे थे, हमने ₹3.5 लाख मूल्य के 50 डेस्क-बेंच दिया।'' कार्यक्रम में अनिल परमार उपस्थित थे। छात्रों को छाते और स्कूल बैग उपहार में दिए गए।

परियोजना ग्रीन इंडिया अभियान के तहत, वंचित महिलाओं द्वारा सिले गए 600 सूती बैग जनता के बीच वितरित किए गए। ■

रोटरी ने मिस्र में सर्वाइकल कैंसर से लड़ने के लिए 2 मिलियन डॉलर का अनुदान दिया

एटेल्का लहॉकी

जागरूकता फैलाते हुए और निवारक देखभाल तक महिलाओं की पहुंच में सुधार लाते हुए सर्वाइकल कैंसर के मामलों में कमी लाने की एक पहल, *यूनाइटेड टू एंड सर्वाइकल कैंसर इन इजिप्ट,* रोटरी के तीसरे वार्षिक प्रोग्राम ऑफ स्केल अवार्ड की प्राप्तकर्ता हैं। मई में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इस अनुदान की घोषणा की गई थी।

प्रमुख भागीदारों की विशेषज्ञता और ज्ञान के आधार पर आयोजित यह चार वर्षीय कार्यक्रम काइरो और उसके आसपास 9-15 वर्षीय 30,000 से अधिक लड़कियों का टीकाकरण करेगा, 10,000 महिलाओं की कैंसर जांच करेगा और 4 मिलियन लोगों तक पहुंचने हेतु एक सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाएगा। हेल्थकेयर कार्यकर्ताओं, स्कूल प्रशासकों और कर्मचारियों को महिलाओं एवं लड़कियों की उचित देखभाल और परामर्श सुनिश्चित करने के लिए सर्वाइकल कैंसर और इसके कारणों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

''एक कैंसर उत्तरजीवी होने के नाते मुझे गर्व है कि हम इस परियोजना का समर्थन कर रहे हैं - और विशेष रूप से यह संतोष कि हम महिलाओं के स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए इतना महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं,'' 2022-23 रो ई अध्यक्ष जेनिफर जोन्स कहती हैं, जिन्होंने इस सम्मेलन में अनुदान की घोषणा की। ''निवारक देखभाल प्रदान करके हम महिलाओं एवं लड़कियों को स्वस्थ रहकर आगे बढ़ने के लिए आवश्यक ज्ञान और संसाधनों के साथ सशक्त बना सकते हैं। यह कार्यक्रम इस बात का सबूत है कि रोटरी स्थायी परिवर्तन लाने हेतु बड़े पैमाने पर सार्थक कार्यक्रम करने में सक्षम है।''

विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2021 की एक रिपोर्ट से पता चला है कि मिस्र में 30-49 वर्ष की आयु की केवल 1 प्रतिशत महिलाओं की कभी सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच की गई थी और जिनमें यह बीमारी पाई गई थी उनमें से आधी की जान चली गई थी। लड़कियों को टीके, महिलाओं को सामयिक जांच एवं उपचार और सुलभ जानकारी प्रदान करके *यूनाइटेड टू एंड सर्वाइकल कैंसर इन इजिप्ट* इस रोकथाम योग्य बीमारी के मामलों को कम करके समुदायों को महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने हेतु प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

''सर्वाइकल कैंसर के लिए जागरूकता फैलाने और निवारक देखभाल को बढ़ावा देकर हम मिस्र में जीवन बचा सकते हैं और स्वस्थ समुदायों का निर्माण कर सकते हैं,'' काइरो विश्वविद्यालय के बाल रोग प्रोफेसर और रोटरी क्लब एल तहरीर के एक सदस्य अमाल अल-सीसी कहते हैं। ''चूंकि हम पहली बार काइरो क्षेत्र में क्झात और सर्वाइकल कैंसर से जुड़े मामलों पर डेटा इकट्ठा कर रहे हैं, इससे हमें मिस्र के समग्र प्रचलन का महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त हो रहा हैं। हमारे प्रयासों को बढ़ाने पर हम मिस्र की अधिकांश महिलाओं और लड़कियों तक पहुंचकर उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने हेतु आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बना पाएंगे।''

सर्वाइकल कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने और महिलाओं के लिए चिकित्सा सेवाओं में सुधार करने के साथ यह कार्यक्रम विश्व स्वास्थ्य संगठन की सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पहल द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में भी प्रगति करेगा। इस वैश्विक प्रयास का उद्देश्य 15 वर्ष की आयु तक की 90 प्रतिशत लड़कियों का टीकाकरण करना, 35 वर्ष की आयु और फिर 45 वर्ष की आयु तक की 70 प्रतिशत महिलाओं की जांच करना और उन 90 प्रतिशत

चित्रण: ग्वेन केरवल

प्रोग्राम्स ऑफ स्केल पुरस्कार के पूर्व प्राप्तकर्ता

यूनाइटेड टू एंड सर्वाइकल कैंसर इन इजिप्ट रोटरी के वार्षिक प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान का तीसरा प्राप्तकर्ता है। पहले दो अनुदानों ने ज़ाम्बिया और नाइजीरिया में कार्यक्रमों का समर्थन किया जो पहले ही उन देशों के समुदायों के स्वास्थ्य में सुधार करने में महत्वपूर्ण प्रगति दिखा चुके हैं।

2020-21: पार्टनर्स फॉर ए मलेरिया-फ्री जाम्बिया का उद्देश्य जाम्बिया के मध्य और मुचिंगा प्रांतों में मलेरिया के 10 अति प्रभावित जिलों में इसके मामलों को कम करना है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के बीच घातक मलेरिया और मृत्यु को कम करने पर केंद्रित है।

- कई स्थानीय कार्यान्वयन साझेदारों के समर्थन से इस कार्यक्रम ने 245 स्वास्थ्य सुविधा कर्मचारियों को प्रशिक्षित एवं समर्थित किया और ज़ाम्बिया में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली में 2,500 सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को शामिल किया।
- सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को एकीकृत सामुदायिक मामले के प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया जो उन तीन बीमारियों को लक्षित करता है जो 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में सबसे अधिक मौतों का कारण बनती हैं: मलेरिया, निमोनिया और दस्त। वे पोलियो टीकाकरण अभियानों में भी भाग लेते हैं।
- इस कार्यक्रम ने लक्षित जिलों में समुदायों के लिए प्रभावी मलेरिया निदान और उपचार को विस्तारित किया है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल घर के नजदीक पहुंच गई है। मलेरिया उपचार और रोकथाम उपायों के साथ यह प्रयास 1.2 मिलियन से अधिक ज़ाम्बियाइयों तक पहुंच गया है।

2021-22: टुगेदर फॉर हेल्थी फॅमिलीस इन नाइजीरिया एक सदस्य नेतृत्व वाला, साक्ष्य-आधारित कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य नाइजीरिया के अनेक क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में वृद्धि करके मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुसज्जित करना और नवीन रोगी प्रतिक्रिया और रेफरल सिस्टम स्थापित करना शामिल है।

- इस पहल की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय सहित नौ संस्थानों के साथ साझेदारी स्थापित की गई।
- कार्यक्रम की प्रभावशीलता और स्थान-विशिष्ट ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यासों को मापने के लिए परियोजना स्थलों में एक आधारभूत अध्ययन आयोजित किया गया।
- कार्यान्वयन के पहले छह महीनों में इस कार्यक्रम ने आपातकालीन प्रसूति और नवजात देखभाल में 210 स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया, पारंपरिक और विश्वास-आधारित नेताओं को शामिल किया, और 5,000 से अधिक लोगों के लिए सामुदायिक संवाद सत्र आयोजित किए।

इन कार्यक्रमों के बारे में वीडियो देखें और my.rotary.org/programs-scale-grants पर प्रोग्राम्स ऑफ स्केल के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें।

महिलाओं का इलाज करना जिनमें प्रीकैंसर या कैंसर कोशिकाएं पाई गई हैं। इसका उद्देश्य 2030 तक इन लक्ष्यों को पूरा करना है।

एल तहरीर के रोटरी क्लब ने मंडल 2451 (मिस्र) के पूर्ण समर्थन से *यूनाइटेड टू एंड सर्वाइकल कैंसर इन इजिप्ट* की शुरुआत की। यह प्रयास स्तन कैंसर पर मिस्र के राष्ट्रपति की एक पहल के बाद शुरू किया गया जिससे क्लीनिकों में महिलाओं की आवाजाही में वृद्धि हुई और उन्हें नियमित स्तन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। इस सर्वाइकल कैंसर रोकथाम कार्यक्रम ने साझेदारों का एक गठबंधन तैयार किया जिसमें मिस्र के स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय, मिस्र की सोसाइटी फॉर कोल्पोस्कोपी एंड सर्वाइकल पैथोलॉजी और सोना 3 एल खैर फाउंडेशन शामिल हैं।

''मिस्र सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने हेतु प्रतिबद्ध है और हम हमारे देश में कैंसर की पूर्व जांच हेतु नई अध्यक्षीय पहल के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए मिस्र के रोटरी क्लबों के साथ साझेदारी में काम करने के लिए प्रसन्न हैं,'' स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री खालिद अब्दुल गफ्फार कहते है। एक साथ मिलकर हम सभी मिस्रवासियों के लिए एक स्वस्थ और अधिक न्यायसंगत समाज बनाने के अपने साझा लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। यह साझेदारी इस बात का प्रमाण है कि कैसे सहयोग और नवाचार हमारे समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण पर सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं।

रोटरी फाउंडेशन हर साल एक साक्ष्य-आधारित कार्यक्रम के लिए 2 मिलियन डॉलर का एक प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान प्रदान करता है जो रोटरी के कम से कम एक कारक के साथ संरेखित होकर बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम उन स्थानीय समुदायों और साझेदार संगठनों के सहयोग से रोटरी सदस्यों द्वारा प्रायोजित हैं जो विशेषज्ञता और समर्थन प्रदान करते हैं।

''रोटरी के प्रोग्राम ऑफ स्केल के माध्यम से हमारे सदस्य बड़े पैमाने पर चुनौतियों से निपटने और उन संगठनों के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं जो अद्भुत परिवर्तन लाने के हमारे दृष्टिकोण को साझा करते हैं,'' रोटरी फाउंडेशन ट्रस्टीज के 2022-23 अध्यक्ष इयान एच एस रिसले कहते हैं। पोलियो उन्मूलन के वैश्विक प्रयास के हमारे अनुभव से हम समझते हैं कि सहयोग और विशेष कौशल, प्रतिभा एवं संसाधनों का एकीकरण हमारे प्रभाव को बढ़ाता है। यह तालमेल रोटरी सदस्यों को महत्वाकांक्षी, परिणाम-संचालित पहलों को विकसित और कार्यान्वित करने में सक्षम बनाते हुए स्वस्थ और अधिक लचीले समुदायों के निर्माण के लिए पूर्व सफलताओं का लाभ उठाता है।

इस वर्ष प्रोग्राम्स ऑफ स्केल के दूसरे फाइनलिस्ट डिजिटल इंटरेक्टिव क्लासरूम कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य 230 कक्षाओं में नई तकनीक पेश करके पनामा में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। उस कार्यक्रम के बारे में एक लेख अगले महीने के अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

©Rotary

Rotary PEOPLE OF ACTION

धनबाद में लड़कियों को मिली साइकिल

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब धनबाद, रो ई मंडल 3250 के 77वें अध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल के प्रतिष्ठापन समारोह की अध्यक्षता पीआरआईपी शेखर मेहता ने की। उन्होंने स्कूल और घर के बीच आवागमन को सक्षम बनाने के लिए 25 स्कूली लड़कियों के बीच साइकिलें वितरित कीं, इस वर्ष क्लब द्वारा बनाई जाने वाली एक डायलिसिस केंद्र की आधारशिला रखी, लड़कियों और महिलाओं के लिए एक व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया और कार्यक्रम के दौरान एक रक्त संग्रह वैन का आभासी उद्घाटन किया।

मेहता ने क्लब के कृत्रिम अंग केंद्र का दौरा किया, जिसके माध्यम से क्लब ने पिछले वर्ष 500 अंग और कई एलएन-4 कृत्रिम हाथ लगाए हैं।

क्लब के सदस्य, पीआरआईडी कमल सांघवी, पीडीजी संजय खेमका, संदीप नारंग और राजन गंडोत्रा भी उपस्थित थे। ■

लड़कियों को रोटरी क्लब धनबाद द्वारा प्रायोजित साइकिलें वितरित करने के बाद पीडीजी संजय खेमका और पीआरआईडी कमल संघवी के साथ पीआरआईपी शेखर मेहता।

रो ई मंडल 3150 ने साईकिल और सिलाई मशीनें वितरित किया

रो ई मंडल 3150 के रोटरी क्लबों ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर और प्रकाशम जिलों में बालिकाओं और ग्रामीण महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए छात्रों को 2,700 साइकिलें और सिलाई पाठ्यक्रम पूरा करने वालों को 100 सिलाई मशीनें दीं। क्लब के योगदान और रोटेरियन और उनके परिवारों के दान के अलावा, इस वृहद परियोजना को एक गैर सरकारी संगठन, बीजीआर माइंस और निर्माण संगठन द्वारा समर्थित किया गया था। छात्राओं को स्कूल पहुँचने के लिए प्रतिदिन 4 किमी से अधिक पैदल चलना पड़ता था और साइकिल उनकी आने-जाने के समय को काफी कम कर देगी।

साथ पीडीजी रवि वडलामणि के नेतृत्व में इस वृहद जिला परियोजना की सफलता में जन सहयोग, क्लबों द्वारा जुटाई गई राशि और क्लब की साझेदारियों ने योगदान दिया है। ■

जुलाई 2023 तक मंडल टीआरएफ योगदान (अंतरिम)

(अमेरिकी डॉलर में)

मंडल संख्या	एनुअल फण्ड	पोलियो प्लस फंड	एंडोमेंट फण्ड	अन्य निधि	कुल योगदान
India					
2981	7,846	405	0	0	8,251
2982	9,716	0	7,085	3,929	20,730
3000	38,746	0	0	585	39,331
3011	45,268	1,753	0	36,585	83,606
3012	1,574	0	0	1,720	3,294
3020	9,725	176	0	0	9,901
3030	1,264	5	0	2,675	3,944
3040	799	24	0	0	823
3053	4,011	0	0	0	4,011
3055	2,896	33	0	0	2,929
3056	1,413	0	0	0	1,413
3060	14,355	9,125	0	67,679	91,159
3070	101	0	0	0	101
3080	6,822	1,702	0	1,500	10,024
3090	14,497	713	0	5,121	20,331
3100	6,889	0	0	0	6,889
3110	0	0	0	0	0
3120	2,188	24	0	0	2,212
3131	119,793	51	6,098	5,934	131,875
3132	15,444	125	0	0	15,569
3141	46,270	1,452	25,000	38,387	111,109
3142	96,277	1,110	4,500	0	101,887
3150	779	130	50	44,976	45,935
3160	4,862	0	0	0	4,862
3170	13,689	15,063	0	0	28,752
3181	4,584	122	0	24	4,730
3182	1,146	0	0	0	1,146
3191	9,100	1,341	60,976	0	71,417
3192	6,801	1,220	0	0	8,021
3201	6,523	3,553	1,012	12,775	23,864
3203	584	308	1,220	2,531	4,642
3204	1,011	500	0	2,962	4,473
3211	1,494	1,000	0	4,011	6,505
3212	12,575	728	0	0	13,303
3231	1,417	386	0	0	1,803
3232	13,918	1,800	8,300	8,543	32,561
3240	6,785	1,088	0	30	7,903
3250	4,118	1,148	26	2,974	8,266
3261	3,049	0	0	0	3,049
3262	289	24	0	0	313
3291	14,385	0	24,390	0	38,776
3220 Sri Lanka	15,522	615	0	0	16,138
3271 Pakistan	5	0	0	5,775	5,780
3272 Pakistan	0	60	0	25	85
3281 Bangladesh	2,901	198	1,000	1,000	5,099
3282 Bangladesh	5,035	100	0	0	5,135
3292 Nepal	2,876	200	0	34,010	37,086

वार्षिक कोष (AF) में SHARE, फोकस के क्षेत्र, विश्व कोष और आपदा प्रतिक्रिया शामिल हैं।

स्रोत: रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय

शब्दों की दुनिया

मस्तिष्क पर भारी मशीन

संध्या राव

एल्गोरिदम के साथ हमारा सामना निश्चित रूप से तीसरे धरातल पर हो रहा है।

इससे पहले कि मेरे युवा मित्र एल्गोरिदम के बारे में पूरी जानकारी देते, यह काफी भयावह लग रहा था, जिस तरह से मेरे डिवाइस पर मेरी रुचि से मिलती जुलती वस्तुएं - अचानक से फोन और लैपटॉप की स्क्रीन पर प्रकट हो जाती थीं। शैंपू से लेकर शो तक, सब कुछ, कुछ ज़रूर देखने लायक होते जो सोचने पर मजबूर कर देते पर अधिकतर ख़ास नहीं होते थे। लेकिन हाँ, अब मैं पर्दे के पीछे चल रही गतिविधियां समझ गई हूँ और अब इस बात को लेकर उत्सुक हूं कि भविष्य में साइबर स्पेस से क्या प्रकट होता है, विशेषकर अगर यह किताबों और पढ़ने और लेखकों से संबंधित है।

हाल ही में आये एक पॉप अप ने मेरा ध्यान आकर्षित किया, वो था एक ऑनलाइन खबरनामा जिसका नाम था, क्राइमरीड्स । इसके अपराध और शहर अनुभाग में, पॉल फ्रेंच द्वारा लिखी गई खबर का शीर्षक था मतंजानिया में अपराध कथा का जटिल इतिहासफ़ा अपराध कथा! तंजानिया! उस कहानी में एक नाम प्रमुख था जॉर्जेट हेयर। फ्रेंच के अनुसार, 1920 के दशक में, जॉर्जेट हेयर तांगानिका में रहती थीं जहाँ उनके पति एक खनन इंजीनियर थे। 'इससे स्पष्ट है कि वे घने जंगलों में रहती थी जहां उनके पति खनिजों के लिए सर्वेक्षण किया करते थे।' उन्होंने लेख में लिखा है, 'उस दौरान वहां रहते हुए उसने कुछ महत्वपूर्ण रोमांस लिखे और उसके संस्मरणों में तांगानिका की कहानियों का ज़िक्र है, लेकिन अगले दस साल तक, वो जासूसी लेखन में नहीं उतरी थी, सुपरिंटेंडेंट हन्नासाइड और सार्जेंट (बाद में इंस्पेक्टर) हेमिंग्वे की किताबों की श्रृंखला के साथ। कुछ आपराधिक तत्व हैं *ब्यूक्लेलेट* (1929) में, ये उपन्यास एलिज़ाबेथ समुद्री डाकुओं पर है, इसे उन्होंने अफ्रीका प्रवास के दौरान लिखना शुरू किया था।' वाह! कहानियों में सबसे दिलचस्प और रोमांटिक दिस ओल्ड शेड्स के बाद दूसरी सबसे बेहतर, तांगानिका में लिखी गई थी न कि 20वीं सदी की शुरुआत में इंग्लैंड की किसी झोंपड़ी में! संयोगवश, विकिपीडिया का कहना है कि उनकी रोमांचक फिल्मों में कुछ ख़ास नहीं था जिनके बारे में कुछ लिखा जाए; हालाँकि, अपनी वाक् पटुता के लिए वो अवश्य लोकप्रिय थीं पर मौलिक कहानियों के लिए नहीं। हाँ, उसका रोमांस भी उच्च कोटि का है!

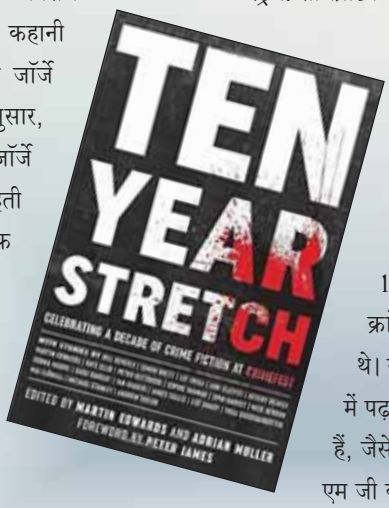

जो लोग ओटीटी प्लेटफार्मों पर पुलिस की जांच और अनुसंधान को दिलचस्पी से देखते हैं, उन्होंने जासूस जिमी पेरेज़ का 'शेटलैंड' नामक शो भी देखा होगा। (यदि अभी तक नहीं देखा है, तो कृपया ज़रूर देखें।) यह श्रृंखला ऐन क्लेव्स के उपन्यासों पर आधारित है, फ्रेंच कहती हैं, मजो अपनी 40वीं शादी की सालगिरह के लिए तंजानिया गई थीं। सेरेन्गेटी की उस यात्रा के दौरान उन्होंने एक लघु कथा लिखी थी - *मोसेस एंड द लॉक्ड टेंट मिस्ट्री,* जो उस संग्रह में शामिल है, *टेन ईयर स्ट्रेच: सेलिब्रेटिंग ए डिकेड ऑफ क्राइम फिक्शन एट क्राइमफेस्ट:* (2018 में मार्टिन एडवर्ड्स द्वारा संपादित)

संयोग की बात है, 2021 के नोबेल पुरस्कार विजेता, अब्दुल रज़ाक गुरनाह भी तंजानिया मूल के हैं, हालांकि 1960 के दशक में हुई ज़ंज़ीबार क्रांति के दौरान वो यूके चले गए थे। उनके लिखे उपन्यास मेरी भविष्य में पढ़ने वाली पुस्तकों की सूची में दर्ज हैं, जैसे मतंजानिया में पले-बढ़े लेखक एम जी वासनजी, विशेषकर उनकी *उहुरू स्ट्रीट* (1991), जो दार अस सलाम में रहने वाले एशियाई समुदाय पर आधारित कहानियों का एक संग्रह है, और फ्रेंच की सिफारिश पर - सैंड्रा ऐकारुवा मुशी के संग्रह *स्टेन्स ऑन माई खंगा* (2014) की लघु कथाएँ मार्मिक हैं और आनंदित भी करती हैं। और हाँ, तंजानिया को पहले ज़ंज़ीबार के नाम से जाना जाता था और इसकी राजधानी दार अस सलाम नहीं बल्कि डोडोमा है!

और अब दूसरी तरफ, 18 जुलाई के *द गार्जियन* में ऐलिस के केम्प-हबीब लेख पढ़ कर झटका लगा, जिसे वह प्रकाशन जगत में

क्या आप अपने दिमाग को किसी डिजिटल उपकरण से अलग किए बिना शुरू से अंत तक कुछ भी पढ़ सकते हैं यानी, एक निबंध या एक छोटी कहानी? आपका ध्यान भटकाए बिना, मनोरंजन के रूप में, या ध्यान भटकना भी मनोरंजन है?

'उद्योग-व्यापी मानसिक स्वास्थ्य संकट' कहती हैं। उद्धरण : महाल ही में पुस्तक उद्योग में लेखक और प्रकाशक कल्याण चर्चा में रहा है। प्रकाशन गृहों, ट्रेड यूनियनों और उद्योग निकायों ने *द बुकसेलर* (पुस्तक व्यवसाय और उसके सम्बन्ध में एक पत्रिका) के एक सर्वेक्षण के बाद इसके समाधान ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें नवोदित लेखकों ने प्रकाशन सम्बन्धी ढेर सारे नकारात्मक अनुभवों की सूचना दी है: आधे से अधिक ने कहा कि इस प्रक्रिया ने उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।फ

एड जिलेट को उद्धृत करते हुए वो कहती हैं कि हालांकि उनके प्रकाशक का काफी सहयोग रहा लेकिन किताब लिखने का कार्य काफी अलग-थलग कर देता है और एकाकीपन मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का मुख्य कारक है। इमोजेन हर्मस गोवर, जिन्होंने 2018 में अपनी पहली पुस्तक, *द मरमेड एंड मिसेज हैनकॉक* प्रकाशित की, ऐलिस पर एक दिलचस्प टिप्पणी है। वो कहती हैं: 'इससे मेरी स्थिति में सम्पूर्ण परिवर्तन हुआ था। जब मैंने अपनी पहली किताब बेची तब मैं 28 साल की हो चुकी थी और... अपना खर्चा निकालने के लिए मैं रोज़ाना प्रशिक्षु, या कैफ़े या स्वयंसेवक के रूप में अस्थायी कार्य और देखभाल के काम करने की आदी थी। अचानक मेरे साथ अति महत्वपूर्ण व्यक्ति की तरह व्यवहार किया जाने लगा और इसका वास्तव में मुझ पर विपरीत प्रभाव पड़ा था।'

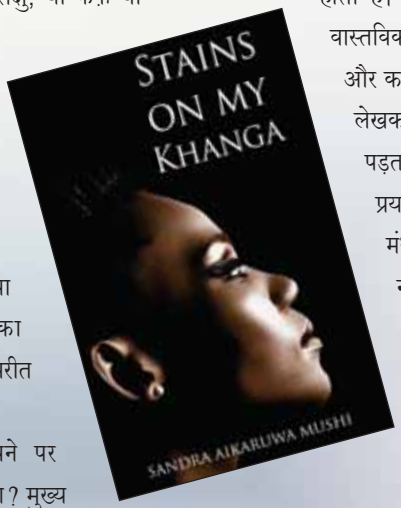

ये आपको सोचने पर मजबूर कर देता है, है ना? मुख्य रूप से लोगों पर सोशल मीडिया का असर और इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले सूक्ष्म-सेलिब्रिटी-वाद का खतरा।

इमोजेन कहते हैं कि पूरी प्रक्रिया के दौरान पारदर्शी संवाद हुआ होता तो उनकी चिंताएं कम हो गई होतीं। ''मैं जानता हूं कि बहुत से लेखक खुद को काफी कमजोर महसूस करते हैं और निर्णय नहीं कर पाते। उत्पाद तो हम हैं, लेकिन हम उस टीम के सदस्य नहीं हैं, हमारे काम और करियर से संबंधित निर्णय भी हमारे साथ अक्सर साझा नहीं किए जाते, ये और भी अकेला महसूस करवाता है।'' इमोजेन की टिप्पणियों को आगे बढ़ाते हुए, ये तर्क हमारी ज़िंदगी के हर पहलू, विशेष रूप से रचनात्मक और मौलिक पहलुओं पर व्यावहारिक रूप से लागू होता प्रतीत होता है। पुनः, सोचने की बात है।

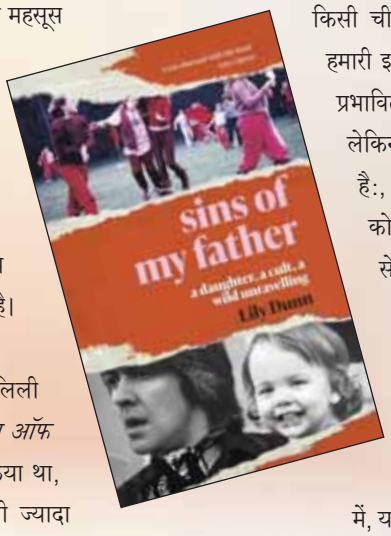

एक अन्य लेखिका, लिली डन, जिन्होंने 2022 में *सिन्स ऑफ माई फादर* को प्रकाशित किया था, ऐलिस से कहती हैं: ''इतनी ज्यादा चिंता की वजह होती है कि पता नहीं होता कि आखिर प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा में, क्या अपेक्षा की जाए और एजेंट या संपादक जो किसी भी संख्या में पुस्तकों का प्रबंधन कर रहा होता है और इसीलिए लेखक को हमेशा वह नहीं दे सकते जिसकी उन्हें उसी समय आवश्यकता होती है।'' प्रकाशन जगत की यह एक वास्तविक समस्या है क्योंकि प्रभावशाली और कारगर होने के लिए संपादक और लेखक को संयुक्त रूप से कार्य करना पड़ता है। जरा सोचिये, क्या यह हर प्रयास के लिए सच नहीं है जिसमें मंथन, शोध, परीक्षण, निर्माण और नवाचार करना शामिल हो - फिर चाहे वो रंगमंच का थिएटर हो या ऑपरेटिंग थिएटर हो या फिर एक सक्रीय बहुसांस्कृतिक, धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के लिए एक समावेशी और लोकतांत्रिक नागरिक संहिता की रचना करने की परियोजना हो।

एस्कायर ('द लाइफ, डेथ - एंड आफ्टर लाइफ - ऑफ लिटरेरी फिक्शन,' 14 जुलाई) में लिखते हुए, विल बेलीथ पूछते हैं कि क्या डिजिटल क्रांति ने पत्रिकाओं में लघु कथाओं की सांस्कृतिक प्रासंगिकता को समाप्त कर दिया है। दूसरे शब्दों में, सोशल मीडिया के प्रति पूरी दुनिया का जुनून और स्मार्टफोन के माध्यम से सहज पहुंच ने हमारी सूक्ष्म संवेदनाओं, हमारे ध्यान की अवधि, किसी चीज़ के साथ बने रहने की हमारी इच्छा को कितनी गहराई से प्रभावित किया है? वह एक सरल लेकिन बुनियादी सवाल पूछता है:, क्या आप अपने दिमाग को किसी डिजिटल उपकरण से अलग किए बिना शुरू से अंत तक कुछ भी पढ़ सकते हैं यानी, एक निबंध या एक छोटी कहानी? आपका ध्यान भटकाए बिना, मनोरंजन के रूप में, या ध्यान भटकना भी मनोरंजन है? हाँ? नहीं? क्यों? इस पर विचार करना सार्थक हो सकता है; संभव है कि जो जीवन हम आज जी रहे हैं यह हमें उसकी गुणवत्ता का आकलन करने का अवसर दे।

बेलीथ ने डिजिटल ब्रह्मांड की तुलना एक ब्लैक होल से की है, जो इसके चारों तरफ की 'मनुष्यों की गैर-डिजिटल विशिष्टताओं सहित, सब कुछ निगल रहा है।' वह आगे बताते हैं कि *गॉड, ह्यूमन, एनिमल, मशीन* में लेखिका मेघन ओफगिब्लिन सूचना प्रौद्योगिकी की प्रकृति और शक्ति के बारे में एक बड़े रोचक निष्कर्ष पर पहुँची हैं, जैसे कि प्रौद्योगिकी इस प्रक्रिया में एक नया भगवान हो सकती है। विशिष्टता गणन करने की प्रक्रिया में और हम सभी का एल्गोरिथमीकरण करने में... वह बताती हैं कि इजरायली बुद्धिजीवी युवल नूह हरारी तर्क करती हैं कि जब किताबों, रेस्तरां और महत्वपूर्ण तिथियों की बात आती है तो हम सहजतापूर्वक पहले से उपलब्ध 'मशीनी ज्ञान' को स्वीकार कर लेते हैं। उनका मानना है कि डेटावाद मानवतावाद को एक सत्तारूढ़ विचारधारा के रूप में प्रतिस्थापित कर रहा है। सच यह है कि, यहां उद्धृत सभी लेख मशीनी ज्ञान द्वारा अनुशंसित थे। कैसा डरावना ख्याल है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

स्वास्थ्य: आपका पहला मौलिक अधिकार

भरत और शालन सवुर

कोई भी भारतीय त्योहार दावत के बिना अधूरा होता है। शादियों के मौसम के साथ पाक - कला का भी विस्तार होता है। भोजन कक्ष पारंपरिक भोजन से लेकर सलाद और फास्ट फूड से भरे होते हैं। ऐसे में भोजन प्रेमी भोजन का आनंद लेते हैं और वे अपने इस आदत को नजरंदाज करते हैं और इसका असर मध्य आयु के लोगों के उभरे तोंद पर देखा जा सकता है। यह एक बिगुल है जो मोटा होने से बचा सकती है, यह बातें इसे एक स्वस्थ्य परिपेक्ष्य में रखती हैं। याद रखें: भोजन एक जरूरत है, लिप्सा नहीं।

कोविड कॉकटेल

दुनिया अभी-अभी कोविड से उबरी है। हम 2019 को एक महत्वपूर्ण वर्ष मानते है, नया बी सी - कोविड से पहले का समय। लॉकडाउन में घर से काम करना या पढ़ाई करना आदि ने कई लोगों को सोफे पर बैठे बैठे अकर्मण्य बना दिया। मास्क, सोशल डिस्टैंसिंग की अब आवश्यकता नहीं है। यहाँ विचार करने के लिए एक सलाह है, जब भी आपको धूल प्रदूषण का सामना करने की आशंका हो, तो अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, लेरिजाइटिस, खाँसी, जुकाम और गले की खराश से बचाव के लिए कृपया मास्क लगाएँ। हमें अभी भी कोविड के छिटपुट मामले पढ़ने को मिलते हैं।

उम्र को सिर्फ एक संख्या मानें

40 की उम्र में, जब हम खुद को ढूँढना शुरू कर रहे होते हैं, दुर्भाग्यवश बीमारी भी हमें ढूँढ रही होती है। आँकड़े निराशाजनक बताते हैं। 2019 और 2021 के बीच अपने चौथे दशक में 31 मिलियन भारतीय मधुमेह से पीड़ित मिले, 50 प्रतिशत भारतीय पुरुषों को 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ता है और उनमें से 25 प्रतिशत को 40 साल की उम्र से पहले ही ऐसा होता है। इंडियन हार्ट एसोसिएशन ने यह भी दर्ज किया है कि 'देश में दिल के दौरे के 24 प्रतिशत मामलों के लिए उच्च रक्तचाप जिम्मेदार है।' इसमें मोटापा, अस्वस्थकर खान-पान की आदतें, गाड़ी से चलना, बैठकर काम करने वाली जीवन शैली भी शामिल है। (जिसका अर्थ है कि वे न तो आनुवांशिक हैं और न ही वंशानुगत हैं)। इस तरह संभावित रोगियों की संभावित सूची लंबी हो जाती है।

आइए उम्र को महज़ एक संख्या बना दें क्योंकि वास्तव में उम्र एक संख्या ही है। आइए

20 साल की उम्र से प्रत्येक दशक का जश्न मनाएँ। स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। बेहतर जीवन की दिशा में आज ही छोटे- छोटे कदम उठाना शुरू करें। कुछ सरल सुझाव: एक ब्लॉक के चारों ओर छोटी सी सैर करके इसकी शुरुआत करें, एक ग्लास पानी पीएं, एक खराब आदत को छोड़ें, एक तली हुई खाद्य सामग्री को लेने से इन्कार करें, एक ऋण/ बिल का भुगतान करें और एक फाइबर युक्त भोजन का सेवन करें। इनमें से किसी एक चीज को चुनें, जो आपको पसंद है और इसकी शुरुआत करें और एकान्त में खूबसूरत एक घंटा बिताएँ।

एक संतुलित क्रिया

मैं दो आसान व्यायाम साझा करना चाहता हूँ, जिन्हें आप कहीं भी कर सकते हैं।

1) पैरों को अलग करके खड़े रहें, अपने बाएँ पैर को जमीन से 6 इंच ऊपर उठाएँ और उसी स्थिति में 20 तक गिनें, इसके बाद अपने दाहिने पैर को ऊपर उठाकर फिर ऐसा ही करें।

2) पैरों को एक साथ मिलाकर खड़े रहें। अब अपने बाएँ पैर को अपने दाहिने पैर के ठीक सामने इस तरह से रखें कि बाईं एड़ी दाहिने पैर की उँगलियों को छूती रहे, ताकि दोनों पैर एक सीधी रेखा में रहें, इसी अवस्था में 20 तक गिनती गिने। फिर अपने दाएँ पैर को अपने बाएँ पैर के सामने रखें और दोहराएँ।

इस तरह के संतुलन अभ्यास हमें मजबूत बनाते हैं और हमें आत्मविश्वास से भर देते हैं। यह हमारे दैनिक आहार के बारे में भी सच है हल्का, कम वसा युक्त भोजन आपको हल्का और सुडौल रखता है। नियमित समय पर और नियमित अंतराल पर धीरे- धीरे खाएं। कोई भी चीज जो आपके शरीर और दिमाग को शांत करती है और तनाव

मजेदार चीजें करें, आप जो भी करें उसका आनंद लें और खूब हँसें। यह अब भी सर्वोत्तम औषधि है।

कम करती है, वह करें, जैसे संगीत सुनें, मौन रहें या अपने कुत्ते को घुमायेँ। रोजाना कम से कम 10,000 कदम चलें और आठ घंटे अच्छी नींद लें। यह आपको एक ही साथ संवारता है, बदलता है और तरोताजा करता है।

कंधे पर भरोसा वाले हाथ की जरूरत

यदि आपके परिवार में किसी बीमारी का इतिहास रहा है तो किसी विशेषज्ञ से परामर्श लें। इसे इन्कार न करें। निरंतर चिंता या तनाव की स्थिति को अनदेखा न करें। किसी से परामर्श लें, मित्र या पारिवारिक डॉक्टर से बात करें। तनाव से छुटकारा पाना अत्यंत जरूरी है। हमारी कोई भी आंतरिक लड़ाई हमारे प्रत्येक अंग, प्रत्येक कोशिका से होकर गुजरती है। यदि हमारे सिस्टम में लगातार लंबे समय तक तनाव बना रहता है तो व्यक्ति को उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, हड्डियों का पतला होना, कैंसर तक हो सकता है... यदि आप परेशान हैं, तनावग्रस्त हैं और आपकी हृदयगति तेज हो गई है, आपकी नाड़ी तेज हो गई है.... और कोई आपकी स्थिति को जान जाता है और वह आपकी कंधे पर हाथ रखकर कहता है, आपको भरोसा दिलाते हुए कहता है 'हम आपकी इस स्थिति पर आपसे बात करना चाहते हैं' तो तुरंत आपकी सांसें धीमी हो जाती है, मस्तिष्क को अधिक ऑक्सीजन मिलने लगती है, हृदय अपनी सामान्य गति में लौट आता है, और शरीर सामान्य रूप से काम करने लगता है। समय पर सहायता करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हम सभी को सही समय पर अपने कंधों पर भरोसा वाले हाथ की जरूरत होती है।

सदा खुश रहें

जब से हमने खेतों में उपजे खाद्य सामाग्री से फास्ट फूड का रुख किया है, तब से हममें से कई लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। आधुनिक चिकित्सा अपना इलाज कर रही है, लेकिन हमारे पास जंक कोला और बर्गर के साथ- साथ भजिया और भटूरे भी हैं, जिससे एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। इस अंश में बहुत सारे सुझाव और युक्तियाँ दी गई हैं। दुनिया जितनी अधिक अस्थिर होती जाएगी, हमें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से उतनी ही अधिक स्थिर रहने की आवश्यकता होगी। रहस्य यह है कि उपचार के जितने भी तरीके हैं, उनका प्रयोग करते रहें- मजेदार चीजें करें, आप जो भी करें उसका आनंद लें और खूब हँसें। यह अब भी सर्वोत्तम औषधि है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और*
बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली
डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस
फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब पनरुती - रो ई मंडल 2981

इनर व्हील क्लब के सदस्यों द्वारा एक महिला को एक पीतल की इस्त्री दान की गई। एक वंचित छात्र को ₹3,000 की राशि दी गई।

रोटरी क्लब सोनीपत आर्डेंट - रो ई मंडल 3012

आर्य कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल की 100 छात्राओं को डिजिटल ज्ञान से सशक्त बनाने के लिए ई-लर्निंग टैबलेटे (₹14 लाख) वितरित किए गए।

रोटरी क्लब थुरैयूर पेरुमलमलाई - रो ई मंडल 3000

कोयम्बटूर के शंकर आई हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित एक नेत्र शिविर में 320 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 127 की मोतियाबिंद सर्जरी के लिए पहचान की गई।

रोटरी क्लब वाल्टेयर - रो ई मंडल 3020

70 से अधिक महिलाओं ने एक कैंसर जागरूकता और जाँच शिविर में भाग लिया, और 58 ने दुर्गापुरम, एक पुनर्वास कॉलोनी, में परीक्षण करवाया।

रोटरी क्लब दिल्ली ओखला सिटी - रो ई मंडल 3011

नए रोटरी वर्ष की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए 14 सदस्यों की भागीदारी के साथ 700 से अधिक व्यक्तियों को भोजन और मिठाईयां वितरित की गई।

रोटरी क्लब मालेगांव मिडटाउन - रो ई मंडल 3030

नए अध्यक्ष केशव खैरनार के पदभार संभालने के दौरान पीडीजी राजेंद्र भामरे द्वारा 15 वंचित छात्रों को स्कूल बैग वितरित किए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब जालंधर ईस्ट - रो ई मंडल 3070

पीडीजी यू एस घई, पीडीजी एस पी एस ग्रोवर और पीडीजी बृजेश सिंघल की मौजूदगी में बाढ़ पीड़ितों को किराने का सामान और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं।

रोटरी क्लब गंगा बिजनौर - रो ई मंडल 3100

नए पदाधिकारियों की स्थापना के दौरान जरूरतमंद लोगों में रोटरी के लोगो वाले रेनकोट वितरित किए गए।

रोटरी क्लब नाहन संगिनी - रो ई मंडल 3080

सुनने और बोलने में अक्षमता के साथ पैदा हुई एक मजदूर परिवार की लड़की को ₹65,000 की श्रवण सहायता राशि दान की गई।

रोटरी क्लब कानपुर इंडस्ट्रियल - रो ई मंडल 3110

डीजी विवेक गर्ग ने कनिष्क अस्पताल में एक चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस अस्पताल के कर्मचारियों और रोटेरियनों को सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

रोटरी क्लब पटियाला मिड टाउन - रो ई मंडल 3090

रोटरी भवन में क्लब द्वारा संचालित सिलाई पाठ्यक्रम को पूरा करने वाली 13 वंचित महिलाओं को सिलाई मशीनें भेंट की गईं।

रोटरी क्लब पुणे हेरिटेज - रो ई मंडल 3131

एक वैश्विक अनुदान के माध्यम से पुणे के ससून अस्पताल को उसके बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के लिए ₹29 लाख के उपकरण दान किए गए।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब करकाम्ब - रो ई मंडल 3132

पुणे के एच वी देसाई आई अस्पताल में नेत्र और मोतियाबिंद सर्जरी शिविर में लगभग 240 लोगों की जांच की गई तथा 47 रोगियों को सर्जरी के लिए चुना गया।

रो ई मंडल 3182

60 शिक्षकों ने सीखने की अक्षमता वाले बच्चों की पहचान करने के लिए रोटरी क्लबों द्वारा आयोजित एक 3 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे 2,000 शिक्षक लाभान्वित हुए।

रोटरी क्लब बॉम्बे पेन्निनसुला - रो ई मंडल 3141

प्रोजेक्ट एजुकेशन फॉर एवरीवन के तहत गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि के 200 बच्चों में छात्रवृत्ति वितरित की गई जो बच्चों को ई-लर्निंग और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर मेरिडियन - रो ई मंडल 3201

अपने माता-पिता को खोने वाली कक्षा 9 की एक छात्रा को ₹10,000 का एक चेक दिया गया। क्लब ने तब तक फीस का भुगतान करने का वादा किया है जब तक कि वह अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर लेती।

.

रोटरी क्लब सैटेलाइट सिटी नवी मुंबई - रो ई मंडल 3142

भावना अस्पताल के सहयोग से नेरुल के एक वृद्धाश्रम, आनंदाश्रम, में बुजुर्गों के लिए एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

रोटरी क्लब इरोड नार्थ - रो ई मंडल 3203

क्लब के सदस्य के शिवकुमार ने 13 छात्रों की स्कूल फीस ₹1.5 लाख की धनराशि दान में दी। इन लाभार्थियों में से दो राष्ट्रीय स्तर के कराटे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पदक जीते हैं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब तेलिचेरी - रो ई मंडल 3204

तेलिचेरी बस स्टैंड पर 100 निराश्रितों को भोजन और नए कपड़े वितरित किए गए। इस परियोजना को एजी सीपी कृष्ण कुमार द्वारा प्रायोजित किया गया था।

रोटरी क्लब गुहाटी साउथ - रो ई मंडल 3240

असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ, क्लब ने कामरूप रूरल और कामरूप मेट्रो जिलों के 25 विकलांगों को व्हीलचेयर वितरित की।

रोटरी क्लब अलेप्पी ग्रेटर - रो ई मंडल 3211

डीजीएन टीना एंटनी की उपस्थिति में क्लब पदाधिकारियों की स्थापना के दौरान वृद्धाश्रमों को तीन ऑसिलेटर (₹1.5 लाख) दान किए गए।

रोटरी क्लब जमशेदपुर ईस्ट - रो ई मंडल 3250

जिला टीबी केंद्र पर टीबी रोगियों में पोषण सम्बन्धी पूरक (प्रत्येक को ₹500) वितरित किए गए। यह छह महीनों तक जारी रहेगा।

रोटरी क्लब मद्रास माउंट - रो ई मंडल 3232

वैरिकाज वेन्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने वॉकथॉन में भाग लिया।

रोटरी क्लब रायपुर - रो ई मंडल 3261

रायपुर के साउ कुसुम ताई दाबके प्राथमिक विद्यालय में 80 छात्रों में कापियाँ तथा लेखन सामग्री का वितरण किया गया।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

सवाल की गुगली

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

आखिर, भारतीय ड्राइवर अपनी कार का हॉर्न इतना ज़्यादा क्यों बजाते हैं? यह ब्रह्मांड के उन रहस्यों में से एक है जिसे अल्बर्ट आइंस्टीन के लिए भी सुलझाना मुश्किल होगा। इसके बावजूद, मैं यह इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि कुछ दिन पहले दिल्ली- गुड़गांव हाईवे पर ट्रैफिक जाम हो गया था। दरअसल, इसे राजमार्ग (एनएच48) कहते हैं, वैसे आधिकारिक तौर पर तो यह एक राजमार्ग ही है, लेकिन 15 साल पहले दिल्ली और गुड़गांव का विस्तार होने से यह शहर की सड़क बन गया है। यहां रोज़ 200,000 से अधिक वाहन गुजरते हैं।

खैर, वहां हर व्यक्ति ट्रैफिक जाम में फंसा हुआ था। ज़्यादातर लोगों ने ईंधन बचाने के लिए अपने इंजन बंद कर दिए थे इसलिए सब जगह शान्ति थी, कुछ बेवकूफों को छोड़कर जो लगातार हॉर्न बजा रहे थे जैसे इससे यातायात खिसकने में सहायता मिलेगी। कुछ देर बाद, मुझसे रहा ना गया और मैं अपने निकटतम टेम्पो ड्राइवर के पास पहुँच गया और पूछा कि वह हॉर्न क्यों बजा रहा था जबकि वह जानता था कि इस का कोई फायदा नहीं है। और कोई मौक़ा होता तो वह मेरे साथ बदतमीजी करता और मुझे अपने काम से काम रखने की सलाह देता, लेकिन मुझे लगता है कि मेरे अच्छे, सुसंस्कृत और सभ्य व्यवहार ने उसे निरस्त्र कर दिया। उसका जवाब भी जोरदार था. साहब, हार्न किसलिए होता हैं? बिल्कुल। अगर आप निराश और परेशान हों और हॉर्न न बजाएं तो हॉर्न का क्या मतलब है?

इस बात से मुझे 60 साल पहले की घटना याद आ गई। हम झाँसी के पास से गुजर रहे थे और चाय पीने के लिए सड़क किनारे एक दुकान पर रुके। वहाँ गांव के कुछ लोग बैठे थे और चाय पीने से ज्यादा तनावयुक्त कोई काम नहीं कर रहे थे। वे तश्तरियों में चाय डाल कर - हाँ, उन दिनों जब सड़क के किनारे की दुकानों पर भी तश्तरियाँ हुआ करती थीं - सुड़कते हुए पी रहे थे। उनमें से एक से मैंने सभ्यतापूर्वक ,सुसंस्कृत लहजे में पूछा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। उसका भी जवाब वही था जो 60 साल बाद टेम्पो ड्राइवर का था: अगर इसमें चाय डाल कर नहीं पीनी तो फिर किस लिए है यह?

ये रवैया सिर्फ ग्रामीण या कम पढ़े लिखे टेम्पो चालक का ही नहीं है। दिल्ली से बंबई जाने वाली इंडियन एयरलाइंस की एक उड़ान में - तब इसे मुंबई नहीं कहा जाता था - मेरे पीछे बैठा सहयात्री परिचारिका के लिए घंटी बजाता रहा। दो घंटे की उड़ान में उसने कम से कम उसे 10 बार बुलाया होगा। जब हम विमान से उतरने का इंतजार कर रहे थे, तो मैंने सहजता से पूछा - वह उसे बार-बार क्यों बुला रहा था। उसका जवाब भी वही था जो चाय पीने वाले का था और टेम्पो ड्राइवर का बाद में होगा: परिचारिका किस लिए है यहाँ? अच्छा सवाल : वह किस लिए थी वहां?

मैंने क्रेयॉन छीन कर दीवारों को खराब होने से बचा लिया। उसने बहुत शोर मचाया और जब मैंने उसे चुप रहने को कहा तो उसका भी वही सवाल था: दीवारें किसलिए हैं? वाकई किसलिए हैं?

भारत में हर जगह ऐसी चीजें नज़र आ जाएंगी। अपनी पहली नौकरी में मैंने देखा कि मेरे दो सहकर्मी ऑफिस की स्टेशनरी और बॉल पेन का प्रयोग कर बहुत खुश होते थे। जब मैंने मना करता कि यह गलत है, तो वो भी वही कहते: फिर उन्हें वहां क्यों रखा है? दरअसल, जिन दिनों फोन से एसटीडी कॉल हुआ करती थी, कर्मचारियों द्वारा ऑफिस के खर्चे पर दोस्तों और रिश्तेदारों को फ़ोन करना आम बात थी। जब उनसे इसके बारे में पूछा जाता, तो वे पूछते कि यह रखा किस लिए है?

अब मेरे ही घर में यह शाश्वत प्रश्न फिर से उठा। मेरा पोता मेरे घर आया और मेरी पत्नी ने उसे व्यस्त रखने के लिए रंगीन क्रेयॉन और एक स्लेट का एक सेट दिया। उसने शीघ्र ही दीवारों को रंगना शुरू कर दिया। गनीमत है कि समय रहते मैंने क्रेयॉन छीन कर दीवारों को खराब होने से बचा लिया। उसने बहुत शोर मचाया और जब मैंने उसे चुप रहने को कहा तो उसका भी वही सवाल था: दीवारें किसलिए हैं? वाकई किसलिए हैं?

तश्तरियां हटा कर चाय की दुकानों को इस समस्या से छुटकारा मिल गया। अब मुझे लगता है कि गाड़ियों में हॉर्न और हवाई जहाज़ों में कॉल-बेल ख़त्म करने का समय आ गया है। मैंने अपने पोते से रंगीन क्रेयॉन छीन कर रास्ता सुझाया है। यकीन कीजिये, यह बहुत आसान है। ■

ADVT.

CREATE HOPE in the WORLD

Vignana Ratham

A Project by Rotary Club of Virudhunagar Dist-3212

Science Made Easy

Rotary

The idea of Vignana Ratham is to kindle student's interest towards Science. It is to aid students in understanding the magic of Science through creative and fun-filled experiments. RID 3212 wondered how good it would be to take the best brains to institutions in all corners of Tamil Nadu. As a result, a tie-up was made with Parikshan Trust of an Indian Scientist, Dr. Pasupathy. Mr. Arivarasan, Mr. Naveen Kumar and Mr. Satheesh were assigned to travel in Vignana Ratham and meet students of various schools every day. Numerous students benefit out of this programme and we believe that we have seeded the fervor required to bring out a Scientist from every institution we visited.

As on June 30, 2023

- No. of Schools visited **334**
- No. of Colleges visited **12**
- No. of Days travelled **253**
- No. of Students benefitted **108306**
- No. of Teachers Who have attended the program **4695**

Vignana Ratham

Project Concept Dr. Pasupathy

Do you want to have Vignana Ratham Travelling to a school in your town/ city/ District? We would love to partner with you in the mission. Get in touch with us.

Project Chairman
AG. Rtn. R.Vadivel
94422 48586

IDHAYAM

PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

LEKHA ads/Sep 23/ Rotary-2

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23 | issue, including cover, 84. Price: ₹40
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.